सूर्योदय 7:3 सूर्यास्त 6:07

आज का तापमान

शिमला	7.6 न्यू	18.6 अधि
धर्मशाला	5.4 न्यू	17.8 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77860.19
निफ्टी	23559.95
सोना 86,670	चांदी 98,198

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

करुणारत्ने ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा
पृष्ठ 14 पर

आरएनआई नं. HPHIN01099 | कांगड़ा | सोमवार, 10 फरवरी 2025 | 28 माघ, विक्रमी संवत 2081 | वर्ष 2, अंक 43, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

मैक्सिको में भीषण सड़क हादसा, 41 लोगों की मौत

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको के दक्षिणी राज्य तबास्को में एक भीषण सड़क हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ, जब एक बस और ट्रक की आपस में टक्कर हो गई। बस में सवार 48 लोगों में से 38 यात्रियों और दोनों ड्राइवरों की मौत हो गई। ट्रक ड्राइवर भी हादसे में मारा गया। टक्कर होने के बाद बस ने आग पकड़ ली, जिससे सवार लोगों की जलने से मौत हो गई। लोगों को भागने का मौका नहीं मिल पाया। सुरक्षा एजेंसी ने बताया कि अब तक केवल 18 खोपड़ियों की पहचान की गई है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

राष्ट्रपति मुर्मू आज करेंगी त्रिवेणी संगम में पावन स्नान

प्रयागराज। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार सुबह महाकुंभ में पहुंच कर त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाएंगी। राष्ट्रपति आठ घंटे से अधिक समय तक प्रयागराज में रहेंगी। इस दौरान अक्षयवट और बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगी। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। बता दें कि इससे पहले भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भी महाकुंभ में पावन स्नान किया था।

कैरेबियाई द्वीप समूह में भूकंप, 7.6 तीव्रता

मेक्सिको सिटी। केमैन द्वीप के दक्षिण-पश्चिम में कैरेबियन सागर में 7.6 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसके बाद आसपास के कछ द्वीपों व देशों ने सुनामी की आशंका के कारण तट के निकट रहने वाले लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने का आग्रह किया है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग (यूएसजीएस) ने ने बताया कि भूकंप का केंद्र केमैन द्वीप के जॉर्ज टाउन से 130 मील (209 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में 10 किलोमीटर की गहराई में था।

मणिपुर के सीएम एन बीरेन ने दिया इस्तीफा

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने रविवार शाम को अपना इस्तीफा गवर्नर को सौंप दिया। नए मुख्यमंत्री पर फैसला एक-दो दिन के भीतर लिया जाएगा। बीरेन सिंह पर राज्य में 21 महीने से जारी हिंसा के चलते काफी दबाव था। विपक्षी पार्टियां भी लगातार एनडीए से इस मुद्दे पर सवाल पूछ रही थी। सूत्रों के मुताबिक, गवर्नर ने अभी उनसे कार्यवाहक मुख्यमंत्री के तौर पर पद संभालने के लिए कहा था। मणिपुर चुनाव में भाजपा की जीत के बाद बीरेन सिंह ने केंद्रीय लीडरशिप को चौंका दिया है।

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- 2 साल से लंबित वित्तीय लाभों की शीघ्र हो अदाएगी: पेंशनर फोरम -पेज 2
- कांगड़ा घाटी की दो रेलगाड़ियों की समयसारिणी में बदलाव -पेज 3
- घांघल खड्ड की टनल के सामने लगा मलबे का ढेर, हटाने की मांग -पेज 9
- संविधान को कमजोर करने का प्रयास कर रही केंद्र सरकार: प्रियंका -पेज 13
- ऑस्ट्रेलिया ने 14 साल बाद श्रीलंका में जीती टेस्ट सीरीज -पेज 14

जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण से पहाड़ों का सीना छलनी

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला

अनंत ज्ञान स्पैशल

हिमाचल के पहाड़ों पर खौफ बरसने लगा है। खौफ के साये में लगातार बदलती प्राकृतिक परिस्थितियां शामिल हैं। मानवीय भूलों सहित सरकारी तंत्र की दूरगामी सोच के अभाव में कई सवालिया निशानों की झड़ी सी लग गई है। सबसे अहम कड़ी में जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण से पहाड़ों का सीना छलनी हो रहा है।

लुढ़कते, दरकते पहाड़ भारी तबाही का सायरन बजा रहे हैं। विगत कई सालों से प्रदेश के भीतर प्राकृतिक आपदाओं में भारी इजाफा हुआ है। असमय बारिश या फिर बर्फबारी का दायरा सिमटने से यहां का प्राकृतिक ताना-बाना असंतुलित हो गया है। ग्लेशियरों में तीव्र हलचल देखी जाने लगी है। इन जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण के लिए नदियों के रास्तों का रुख तक मोड़ा जा रहा है। नदियों के अलावा बिजली की टावर लाइनें बिछाने के लिए हजारों सदाबहार व दुर्लभ प्रजातियों के वृक्षों की बलि ली जा रही है।

सरकारों ने नहीं उठाए कदम: हिमधरा पर्यावरण समूह के शोध में खुलासा हुआ है कि पूर्व की प्रदेश सरकारों के समक्ष भी शोध प्रस्तुत किया था, लेकिन तब सरकारों ने इस बाबत हवा-हवाई बातों के अलावा कोई बड़े कदम नहीं उठाए।

पौधरोपण की सफलता पर सवाल : शोधकर्ता अपने जमीनी अध्ययन, जल विद्युत परियोजनाओं के लिए शिमला, किन्नौर जिले आदि में हुए हस्तांतरण के विस्तार स्वरूप और प्रभाव पर रोशनी डालते हैं। साथ ही जल विद्युत परियोजनाओं से होने वाले वनों के नुकसान की भरपाई के लिए वन विभाग की ओर से क्षतिपूर्ति के लिए वनीकरण कार्यक्रम के तहत किए गए पौधरोपण की सफलता पर भी सवालिया निशान खड़े करते हैं।

...तो 72 फीसदी नदियां सुरंगों में होंगी: स्थापित जलविद्युत क्षमता 1000 मेगावॉट वाला हिमाचल प्रदेश देश की सबसे अधिक जल विद्युत परियोजनाओं के लिए जाना जाता है। राज्य की 5 मुख्य नदियां घाटियों में से सबसे अधिक नियोजित क्षमता सतलुज नदी में है और यदि इन घाटियों में सभी प्रस्तावित परियोजनाओं का निर्माण हो जाता है, तो 22 फीसदी नदी बांध के पीछे झील के रूप में खड़ी रहेगी और 72 फीसदी सुरंगों के भीतर रहेगी।

किन्नौर में 53 परियोजनाएं प्रस्तावित : ऊपरी सतलुज घाटी स्थित किन्नौर एक दूरस्थ, दुर्गम पर्यावरण और भौगोलिक दृष्टि से संवेदनशील एक जनजातीय जिला अपनी जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं जैसे भू-स्खलन और बाढ़ के लिए जाना जाता रहा है। साथ ही किन्नौर जिला राज्य का जल विद्युत केंद्र भी है। यहां पर 53 जल विद्युत परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, जिनमें से 17 बड़ी परियोजनाएं हैं, जो 25 से ऊपर मेगावॉट की हैं। कुल 3041 मेगावॉट की 15 परियोजनाएं किन्नौर में चल रही हैं, जो राज्यों के सभी जिलों से ज्यादा हैं।

स्थानीय समुदायों के समक्ष चुनौतियां : 1990 के दशक से इस बदलाव का बड़ा भाग जल विद्युत परियोजनाओं का विकास रहा है। इस छोटी अवधि में जिन हिमाचली नदियों, घाटियों में इन परियोजनाओं का विस्तार हुआ है, वहां की स्थानीय परिस्थितिकी तंत्र और इन पर आधारित स्थानीय समुदायों के लिए बड़ी चुनौतियों का एक नया पिटारा खुल गया है। ऐसे में इस वक्त सरकारों को जरूरत है कि जिस तरह की खौफनाक परिस्थितियां बन रही हैं, उसमें हिमालीय क्षेत्रों में जल विद्युत विकास पर रोक लगाते हुए एक बहुआयामी अध्ययन करवाएं। (अनंत ज्ञान)

पिघले ग्लेशियर झीलें संवेदनशील

पर्यावरण को बचाने के लिए जिस सरकारी मुहिम का ढोल पीटा जाता रहा है, वह वास्तव में बिलकुल अप्रभावी है। पौधरोपण कार्यक्रम महज समाचार पत्रों के अलावा सेल्फी तक ही सीमित होकर रह गए हैं। लगातार तापमान वृद्धि से ग्लेशियरों के पिघलने की रफ्तार तेज होने लगी है। धीरे-धीरे कई ग्लेशियर, पानी की झीलों में तबदील होने लगे हैं। ऊंचाई वाले क्षेत्रों की तकरीबन 500 छोटी-बड़ी झीलें संवेदनशीलता के दायरे में आने लगी हैं।

बादल फटने की घटनाएं बढ़ीं

जल विद्युत परियोजनाओं के दोहन के अलावा कई बड़े-बड़े सीमेंट कारखानों के दोहन के नाम पर तबाह किए जा रहे हैं उसके परिणाम भी भविष्य में भयावाह दिखने लगे हैं। दो दशक पीछे नजर दौड़ाएं तो प्रदेश के भीतर भू-स्खलन सहित बादल फटने की घटनाओं में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

हिमधरा के शोध ने चौंकाया

हिमधरा पर्यावरण समूह ने बदलती परिस्थितियों के तहत अपने शोधकर्ताओं के दल-बल के साथ हिमाचल में वर्ष 2012 से लेकर 2016 के बीच एक जमीनी अध्ययन किया था। कुछ समय पहले उन्होंने इस शोध में विस्तारपूर्वक कई तथ्य जोड़े थे, जो चौंकाने वाले हैं। जल विद्युत परियोजनाओं के लिए किन्नौर सहित कुछ अन्य जिलों में वन हस्तांतरण सहित अन्य पर्यावरण पहलुओं पर भी शोध किया।

छत्तीसगढ़ में 31 नक्सली ढेर, दो जवान भी शहीद

नक्सलियों की धरपकड़ के लिए सर्च ऑपरेशन जारी, हथियार बरामद

एजेंसी, बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर 31 नक्सलियों को मार गिराया। इस मुठभेड़ में दो जवान शहीद हो गए और दो जवान घायल भी हुए हैं। घायल जवानों को निकालने के लिए जगदलपुर से एमआई-17 हेलिकॉप्टर रवाना किया गया है।

बस्तर संभाग के आईजीपी सुंदर राज ने एनकाउंटर की पुष्टि की है। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ भी सकती है। यह एनकाउंटर बीजापुर के नेशनल पार्क एरिया में हुआ है। वहीं, अन्य नक्सलियों की धरपकड़ के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। बीजापुर डीआरजी, एसटीएफ और बस्तर फाइटर के जवानों ने नक्सलियों को चारों तरफ से घेर रखा है। वहीं, छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बीजापुर के नेशनल पार्क क्षेत्र में मुठभेड़ में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। इस वर्ष अब तक राज्य में मारे गए 81 नक्सलियों में से 65 बस्तर संभाग में मारे गए, जिसमें बीजापुर सहित सात जिले शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, पिछले वर्ष छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने 219 नक्सलियों को मार गिराया था।

सीएम विष्णुदेव ने जवानों के बलिदान पर जताया शोक

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जवानों के शहीद होने की सूचना पर जताया शोक। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में 2026 तक हमारा प्रदेश नक्सलवाद मुक्त होकर रहेगा। ईश्वर से बलिदान जवानों की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने व घायल जवानों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

नक्सलवाद का 2026 तक होगा खात्मा : शाह

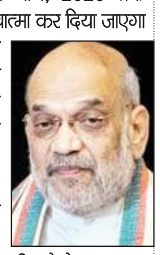

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 31 मार्च, 2026 तक नक्सलियों का खात्मा कर दिया जाएगा और देश के किसी भी नागरिक को इसके कारण अपनी जान नहीं गंवानी पड़ेगी। छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की ओर से 31 नक्सलियों को मार गिराने के बाद शाह ने कहा कि नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में सुरक्षाबलों ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर में बड़ी सफलता हासिल की है। इस ऑपरेशन में 31 नक्सलियों को ढेर करने के साथ ही भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई है।

हिमाचल में दो साल में 1376 किलोमीटर सड़कों और 116 पुलों का हुआ निर्माण

कनेक्टिविटी मजबूत: 61 गांवों को सड़क नेटवर्क से जोड़ने का काम पूरा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश सरकार अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता देते हुए सड़क और पुल निर्माण के जरिए कनेक्टिविटी को मजबूत कर रही है। पिछले दो साल में राज्य में 1,376 किलोमीटर सड़कों और 119 किलोमीटर क्रॉस ड्रेनेज का निर्माण पूरा किया है। इसके साथ ही 1,741 किलोमीटर सड़कों की टारिंग कर उन्हें दुरुस्त किया गया है।

इन विकास कार्यों से प्रदेश के लोगों को न केवल सुगम यातायात की सुविधा मिली है, बल्कि अन्य आवश्यक सेवाओं तक उनकी पहुंच भी आसान हुई है। यह जानकारी रविवार को सरकारी प्रवक्ता ने दी। उन्होंने कहा कि राज्य के दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में अधोसंरचना के विस्तार के तहत 116 नए पुलों का निर्माण किया है। इससे उन ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को राहत मिली है, जहां बरसात और अन्य मौसम संबंधी समस्याओं के कारण आवागमन बाधित होता था। इसके अलावा, 61 गांवों को सड़क नेटवर्क से जोड़ने का काम पूरा किया गया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक समृद्धि को बल मिल रहा है।

1,741 किलोमीटर सड़कों को टारिंग कर दुरुस्त किया गया

शिमला को मिलेगी सुरंग की सौगात

प्रवक्ता ने कहा कि राज्य सरकार की कनेक्टिविटी को और अधिक सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता राजधानी शिमला में भी दिखाई दे रही है। सरकार की महत्वाकांक्षी 890 मीटर लंबी डबललेन सुरंग परियोजना विकास की नई इबारत लिखने जा रही है। अत्याधुनिक तकनीक से बनाई जा रही यह सुरंग नवबहार से सर्कुलर रोड तक यातायात को सुगम बनाएगी और शहर में ट्रैफिक दबाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस परियोजना की कुल लागत 295 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है, जिसमें से 100 करोड़ रुपए का बजट आवंटन किया जा चुका है।

अर्थव्यवस्था हुई मजबूत पर्यटन क्षेत्रों तक पहुंच आसान

प्रवक्ता ने कहा कि राज्य सरकार के ये प्रयास लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने और भौगोलिक दूरियों को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। सड़क नेटवर्क के मजबूत होने से स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा, व्यापार और पर्यटन क्षेत्रों तक पहुंच आसान हुई है। इससे न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है, बल्कि रोजगार और समृद्धि के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं। प्रदेश सरकार अधोसंरचना विकास के जरिए राज्य को नए विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

वायुसेना और सेना प्रमुख ने एक साथ तेजस में भरी उड़ान

बेंगलुरु। एयर फोर्स स्टेशन येलहंका में एशिया की सबसे बड़ी हथियारों की प्रदर्शनी 'एयरो इंडिया' का औपचारिक उद्घाटन सोमवार को होगा, लेकिन रविवार को पहली बार वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने एक साथ उड़ान भरी।

दोनों प्रमुख रविवार को स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस में एक साथ 45 मिनट तक आसमान में रहे। यह उड़ान देश के रक्षा बलों की ओर से 'मेड इन इंडिया' हथियार प्रणालियों के लिए समर्थन को प्रदर्शित करने के लिए थी।

हिमाचल के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में आज से बर्फबारी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में 10 और 11 फरवरी को हल्की से मध्यम बर्फबारी होने की संभावना है। 12 से 15 फरवरी तक प्रदेशभर में मौसम साफ रहेगा।

शनिवार रात को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी होने से ठंड में इजाफा हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से सोमवार और मंगलवार को लाहौल-स्पीति, किन्नौर, चंबा, शिमला और कुल्लू जिले की चोटियों पर हल्की बर्फबारी हो सकती है। वहीं, बीते 24 घंटों में लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में दो सेंटीमीटर हिमपात हुआ है। जनजातीय क्षेत्रों में भीषण ठंड का प्रकोप जारी है। लाहौल-स्पीति का मुख्यालय केलांग प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां रविवार को न्यूनतम तापमान -5.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा ताबो में -5.3 डिग्री, कुकुमसेरी में -3.9 डिग्री और किन्नौर जिले के कल्पा में न्यूनतम तापमान -0.1 डिग्री दर्ज किया गया।

प्रदेश में सुबह शाम शीतलहर का प्रकोप जारी

आतिशी ने सीएम पद से दिया इस्तीफा

उपराज्यपाल ने भंग की विधानसभा, निवर्तमान सीएम को नई सरकार के गठन तक पद पर बने रहने को कहा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) की करारी हार के बाद आतिशी ने रविवार को दिल्ली के सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को राज निवास में अपना इस्तीफा सौंप।

दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद 'आप' नेता आतिशी राज निवास से रवाना हुईं, तो मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। वहीं, उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली विधानसभा को भंग कर दिया है। उपराज्यपाल ने विधानसभा को भंग किए जाने की अधिसूचना जारी कर दी है। 'आप' की नेता आतिशी ने भाजपा के रमेश बिधूड़ी को 3,521 मतों के अंतर से हराया है। इस जीत के साथ ही वह अपनी कालकाजी सीट बरकरार रखने में कामयाब रही हैं। उपराज्यपाल कार्यालय ने कहा कि सक्सेना ने निवर्तमान मुख्यमंत्री को नई सरकार के गठन तक पद पर बने रहने को कहा है।

पीएम मोदी के अमेरिका दौरे के बाद होगा दिल्ली के मुख्यमंत्री पर फैसला

दिल्ली में भाजपा को बहुमत मिलने के बाद अब मुख्यमंत्री पर फैसला होना है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिका दौरे से लौटने के बाद मुख्यमंत्री का नाम फाइनल किया जाएगा। दरअसल, पीएम मोदी फ्रांस-अमेरिका के दौरे पर जा रहे हैं। ऐसे में दिल्ली सीएम का शपथ ग्रहण समारोह उनके लौटने के बाद होगा। इसमें भाजपा शासित राज्यों के सीएम भी शामिल होंगे।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने मांगा उपराज्यपाल से मिलने का वक्त

गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को भाजपा नेताओं के साथ बैठक की। इसमें जेपी नड्डा, बैजयंत पांडा समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। वहीं, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से वक्त मांगा है। पत्र में लिखा कि मैं, दिल्ली के बीजेपी सांसद और हमारे नवनिर्वाचित 48 विधायक आपसे जल्द से जल्द मिलना चाहते हैं। कृपया अपनी सुविधा के अनुसार, जल्द से जल्द समय दें।

हैरत पांच साल से नहीं हुई मिल्क प्रोसेसिंग की कोई गतिविधि, करोड़ों की मशीनरी और बिल्डिंग पर उठने लगे सवाल

जंगलबैरी के दुग्ध प्रोसेसिंग प्लांट पर लटका ताला

विक्रम, ढटवालिया, हमीरपुर

करोड़ों के इंफ्रास्ट्रक्चर से सुसज्जित जंगलबैरी स्थित 'दुग्ध प्रोसेसिंग प्लांट' धूल फांक रहा है। प्रोसेसिंग से जुड़ी कोई भी गतिविधि इस बिल्डिंग में नहीं हो रही है। धीरे-धीरे यहां से मशीनरी भी प्रदेश के अन्य प्लांट्स में शिफ्ट होनी शुरू हो चुकी है। दुग्ध प्रोसेसिंग से जुड़ी हुई कोई भी गतिविधि करीब 5 साल से नहीं हुई है और भवन पर ताले लटके हुए हैं।

तत्कालीन भाजपा सरकार के समय इस दुग्ध प्रोसेसिंग केंद्र का निर्माण हुआ था। कुछ साल तक यहां मशीनरी नहीं आई। बाद में जब आना शुरू हुई तो वर्ष 2018 के आसपास करीब दो-तीन साल तक गतिविधियां शुरू भी हुईं, लेकिन उसके बाद अब फिर यह केंद्र बंद हो चुका है। (अनंत ज्ञान)

दुग्ध प्रोसेसिंग केंद्र

बिल्डिंग में तमाम सुविधाएं

बिल्डिंग में तमाम तरह की सुविधाएं हैं, जो मिल्क प्लांट के लिए होनी चाहिएं। दूध, पनीर, दही की पैकिंग यहां होती है। मशीनरी है, चिलिंग प्लांट है। हिमाचल में ऐसे 11 प्लांट हैं, हर एक जिले में एक-एक हैं। हमीरपुर में भी यही था, लेकिन केवल इसी जिले का यह प्लांट बंद है। मिल्क फेडरेशन के हवाले गतिविधियों का लेखा-जोखा है। वह इसे कमाऊ पूत नहीं मान रहा। सवाल है कि यदि इस जगह पर यह प्लांट फिजिबल ही नहीं था, तो फिर इसका निर्माण क्यों हुआ?

लोगों से बैठक कर प्रोडक्शन पर की चर्चा, नहीं बनी सहमति : राधे कृष्ण

मंडी जिले में स्थित मिल्कफेड के टेक्निकल सुपरिंटेंडेंट राधे कृष्ण का कहना है कि इलाके में दो-तीन बार लोगों से मिलकर बैठक की गई, उनसे यहां दूध की प्रोडक्शन को लेकर चर्चा भी हुई, लेकिन इस पर सहमति नहीं बनी। फिलहाल यहां गतिविधियां बंद हैं। वहीं, हमीरपुर स्थित वेटरनरी विभाग के डिप्टी डायरेक्टर स्टार के नोडल अधिकारी सतीश वर्मा का कहना है कि यह प्लांट उनके अंडर नहीं आता है। यह हिमाचल मिल्क फेडरेशन के तहत ही पड़ता है और वही इसकी देखरेख करते हैं। जंगलबैरी पंचायत के प्रधान प्रीतम चंद का कहना है कि यदि यह इमारत प्रोसेसिंग यूनिट के रूप में इस्तेमाल नहीं होनी हो, तो इसे किसी और पर्पज के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। कुछ साल पहले पंचायत में प्रस्ताव भी भेजा था, पर गौर नहीं हुई। उपप्रधान अरुण ठाकुर का कहना है कि इसे री-स्टार्ट करना चाहिए, अगर नहीं होता है तो लीज पर दे देना चाहिए।

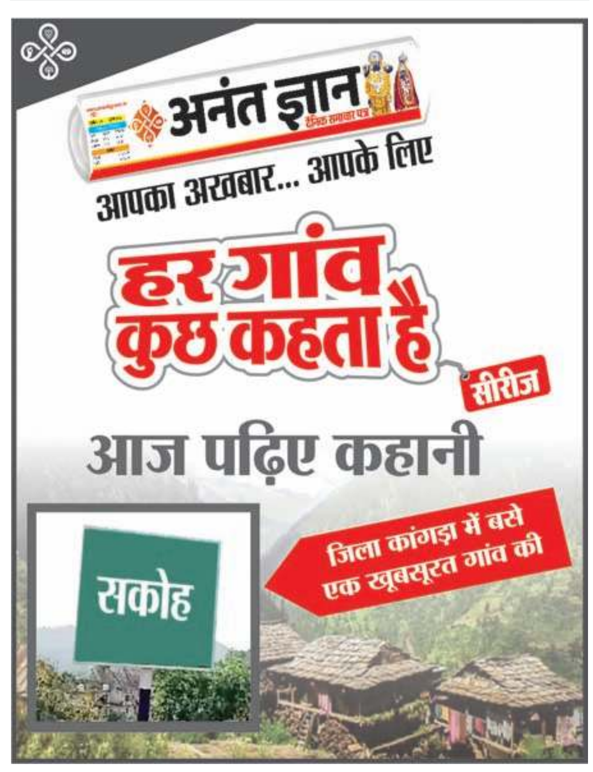

न्यूज ब्रीफ

धरेंद्र बने भाजपा जनता मजदूर सैल के महासचिव

अनंत ज्ञान, गलोड़। भारतीय जनता पार्टी ने धरेंद्र प्रताप सिंह को भाजपा जनता मजदूर सैल के महासचिव पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। मीडिया से बातचीत के दौरान धरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो विश्वास उन पर जताया है, वह उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। राजनीति के क्षेत्र में अनुभव रखने वाले धरेंद्र प्रताप सिंह एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। वह शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबों की सहायता के लिए लगातार कार्य करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश और पंजाब के कई भाजपा पदाधिकारियों ने उनकी नियुक्ति पर खुशी जाहिर की है। पार्टी कार्यकर्ताओं का मानना है कि उनके नेतृत्व में यह मोर्चा और अधिक संगठित व प्रभावी ढंग से कार्य करेगा। अपनी नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुए धरेंद्र प्रताप सिंह ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को विश्वास दिलाया कि वह संगठन को मजबूत बनाने के लिए दिन-रात मेहनत करेंगे और भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगे।

ठगों और मदारियों से मुक्त हुई दिल्ली : रिंटू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर। भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री अजय रिंटू शर्मा ने कहा है कि दिल्ली में पार्टी की जीत को ठगों व मदारियों से छुटकारा करार दिया है। जनता ने अपने 'आप' को 'आप-दा'से मुक्त करके सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, अंत्योदय व विकासशील नीतियों पर मुहर लगाई है। रिंटू ने कहा 'आप-दा' सरकार ने दिल्ली में भ्रष्टाचार, कुशासन और तुष्टिकरण की सारी सीमाएं लांघ दी थीं। आज दिल्ली उनके झूठ, छल, फरेब और प्रपंच से मुक्त होकर प्रगति और प्रतिष्ठा के नए युग में अपनी यात्रा आरंभ करने जा रही है। दिल्ली की प्रबुद्ध जनता का यह जनादेश विकसित दिल्ली-विकसित भारत के हमारे संकल्प को साकार स्वरूप प्रदान करेगा। साथ ही रिंटू ने कहा दिल्ली चुनावों में हिमाचल के तीन सपूतों की अहम भूमिका हमारे लिए गर्व का विषय है। दिल्ली विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत में हिमाचल के तीनों सपूतों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ढाका की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, सांसद अनुराग सिंह ठाकुर व पूर्व में रहे हिमाचल भाजपा के संगठन मंत्री व वर्तमान में दिल्ली भाजपा के संगठन मंत्री पवन राणा।

महिला से मारपीट और धमकी देने का मामला दर्ज

हमीरपुर। नादौन में एक महिला के साथ मारपीट और गाली-गलौज करने का मामला सामने आया है। पीड़िता नकलेश कुमारी निवासी कांडरोला, तहसील नादौन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि वीना देवी नामक महिला ने उसका रास्ता रोककर गाली-गलौज की, मारपीट की और धमकियां दीं। शिकायत पर नादौन पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मंगत राम की याद में भूंपल में कल होगा दंगल

वीरेंद्र गोस्वामी, बड़ा। उपमंडल नादौन के भूंपल में 11 फरवरी को स्कूल ग्राउंड में विशाल दंगल का आयोजन किया जाएगा। दंगल कमेटी के प्रधान मनोज कुमार एवं अरुण कुमार ने संयुक्त बयान में बताया कि यह दंगल क्षेत्र के प्रसिद्ध पहलवान चौधरी मंगत राम की याद में आयोजित किया जाता है। इस दंगल में न केवल हिमाचल, बल्कि अन्य राज्य के पहलवान भी अपनी पहलवानी के हुनर दिखाते हैं। उन्होंने बताया कि इस बार कमेटी द्वारा विजेता पहलवान को 31000 एवं उपविजेता पहलवान को 21000 की सम्मानित राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। कमेटी ने बताया कि इस विशाल दंगल के सफल आयोजन के लिए क्षेत्रवासियों का काफी जनसहयोग रहता है। (अनंत ज्ञान)

स्वयंसेवियों ने स्कूल परिसर को बनाया सुंदर

अनंत ज्ञान, जाहू। भोरंज उपमंडल की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जाहू में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवियों ने नियमित गतिविधियों में भाग लेकर स्कूल परिसर की क्यारियों की साफ-सफाई की और स्कूल परिसर को सफेदी करके सुंदर बनाया। स्कूल के प्रधानाचार्य रमेश ठाकुर ने स्वयंसेवियों द्वारा किए गए कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने जमा एक कक्षा के स्वयंसेवियों से आह्वान किया कि सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी बनने के लिए नियमित गतिविधियों में भाग लेकर समाजसेवी की तरह कार्य करें और अच्छे स्वयंसेवी के गुण पैदा करें। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला समन्वयक एवं स्कूल कार्यक्रम अधिकारी राम लाल ने भी स्वयंसेवियों को प्रेरित किया। इस दौरान स्वयंसेवियों में दिव्यांश, शिवानी, हिमांशी, शबनम, सिमरन, निशांत, लक्ष्य, आशीष, अमन, रिया, शीतल, रेशमा, श्रेया, पल्लवी, अमित, महिला कार्यक्रम अधिकारी अमृतांजना व अन्य स्टॉफ उपस्थित रहा।

2 साल से लंबित वित्तीय लाभों की शीघ्र हो अदाएगी : पेंशनर्स फोरम

पेंशनर्स ने रोष व्यक्त करते हुए कहा-वित्तीय लाभों के लिए बेवजह ही खानी पड़ रहीं दर-दर की ठोकरें

बैठक के बाद सभी सदस्य ग्रुप फोटो में।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

बिजली बोर्ड पेंशनर फोरम ने सरकार और प्रबंधन से मांग की है कि उनकी 2 साल से चली आ रही लंबित मांगों को शीघ्र अमलीजामा पहनाया जाए। फोरम का कहना है कि वित्तीय लाभ लगातार लटके हुए हैं, जिन्हें देने की जहमत नहीं उठाई जा रही। भोरंज इकाई की रविवार को जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में पेंशनर्स ने काफी रोष व्यक्त किया और कहा कि उन्हें अपने वित्तीय लाभों के लिए बेवजह ही दर-दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले दो सालों से बिजली बोर्ड का प्रबंधक वर्ग वित्तीय प्रबंधन के मामले में पूर्ण रूप से नाकाम रहा है। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित बिजली पेंशनर फोरम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह खरवाड़ा ने कहा कि बोर्ड पर बोर्ड प्रबंधक वर्ग 11989 पद रिक्त होने के बावजूद नए युवाओं की भर्ती करने के बजाए युक्तिकरण करने के नाम पर पद समाप्ति की मुहिम को बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ाने में व्यस्त है। खरवाड़ा ने कहा कि पद समाप्ति की मुहिम से बिजली बोर्ड लिमिटेड की आर्थिक स्थिति में कोई भी ज्यादा सुधार होने की उम्मीद नहीं है, उल्टा जहां कर्मचारियों के पदोन्नति अवसर बुरी तरह से प्रभावित होंगे, वहीं बिजली बोर्ड लिमिटेड की कार्यप्रणाली पर भी विपरीत प्रभाव पड़ना निश्चित है। उपभोक्ता को दी जाने वाली सेवाओं पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा और इस से नौकरी की उम्मीद लगाए बैठे हजारों युवाओं की उम्मीदों को भी तगड़ा झटका लगेगा।

उन्होंने कहा कि बोर्ड प्रबंधक अपने काम की तरफ से ध्यान देने की कोशिश करे, क्योंकि आज लगभग 96 हजार बिजली मीटर डैड स्टॉप पड़े हैं, जिनमें 3200 मीटर 3 फेस के हैं। डैड स्टॉप मीटर को न बदलने के कारण बिजली बोर्ड लिमिटेड को करोड़ों रुपए का घाटा उठाना पड़ रहा है। वहीं, आज लगभग 35 हजार नए कनेक्शनों की फाइलें लंबित पड़ी हैं। बिजली बोर्ड लिमिटेड 500 रुपए का मीटर उपलब्ध नहीं करवा पा रहा है।

31 करोड़ रुपए की लागत से करीब 10 हजार का स्मार्ट मीटर लगाने में लगा है। जो कि बिजली बोर्ड लिमिटेड और उपभोक्ताओं के हितों के साथ खिलाफ है। खरवाड़ा ने कहा कि बिजली बोर्ड लिमिटेड का 442 करोड़ 48 लाख रुपए उपभोक्ताओं के पास फंसा है, जिसमें लगभग 178 करोड़ रुपए सरकारी महकमों का बिल बकाया है। इसमें भी जलशक्ति विभाग का ही 148 करोड़ 94 लाख बिल बकाया है। बोर्ड लिमिटेड की आर्थिक स्थिति पर मुफ्त में दी जा रही बिजली सुविधा भी उल्टा असर डाल रही है। उन्होंने बिजली कर्मचारियों, अभियंताओं एवं पेंशनरों की संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा 11 फरवरी को टाउन हाल हमीरपुर में आयोजित की जा रही महापंचायत में सभी बिजली कर्मचारी, अभियंता, पेंशनर, बिजली उपभोक्ता व बेरोजगार युवा भारी संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

इस अवसर पर पेंशनर फोरम यूनिट सचिव रणवीर सिंह ठाकुर, जिला चीफ ऑडिटर सुभाष ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष जोगिंदर शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने भी बैठक को संबोधित करते हुए सभी से 11 फरवरी की महापंचायत में शामिल होने की अपील की।

युक्तिकरण, तबादले और स्कूल मर्ज से पहले शिक्षक संघों से वार्ता की मांग

सरकारी स्कूल बंद करने की प्रक्रिया पर रोक लगाए सरकार : संघ

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

हिमाचल प्रदेश के 15217 सरकारी स्कूलों में युक्तिकरण की प्रक्रिया से पहले सरकार शिक्षक संघों से वार्ता करे। समस्त शिक्षक संघों के सुझाव लेकर ही स्कूलों को मर्ज करने या बंद करने की प्रक्रिया पर अंतिम निर्णय लिया जाए। सरकारी शिक्षण संस्थानों का नामांकन बढ़ाने के लिए सरकार के सहयोग की भी आवश्यकता है। अगर स्कूल बंद और मर्ज किए जाने की प्रक्रिया, शिक्षक कैडर का युक्तिकरण, नई नियुक्तियां और दो साल से लंबित टीजीटी से प्रवक्ता व हेडमास्टर प्रमोशन, कक्षा 1 से 12 तक एक निदेशालय बनाना, हजारों तबादले और प्रमोशन प्रक्रिया अप्रैल माह तक ही करनी हैं तो इससे भारी उठापटक होने से पूरी शिक्षक कैडर में ऊहापोह की स्थिति बन जाएगी। ऐसे में सरकार शिक्षक संघों की संयुक्त मीटिंग करें और इसे चरणबद्ध तरीके से करने की योजना बनाए। यह मांग राजकीय टीजीटी कला संघ की प्रदेश कार्यकारिणी ने राज्य सरकार से की है।

संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कौशल और महासचिव विजय हीर ने कहा कि हिमाचल शिक्षा में फिर से अग्रणी हुआ है तो इसका श्रेय उन शिक्षकों को भी देना चाहिए जो स्कूलों में बेहतर शिक्षण कर रहे हैं। शिक्षा ने अग्रणी होने पर स्कूलों को नामांकन बढ़ाने के अवसर मिलने चाहिए।

घटेगा कैडर और घटेंगे प्रमोशन के अवसर : टीजीटी कैडर में 16614 और प्रवक्ता कैडर में 16530 पद हैं और युक्तिकरण में अगर पदों को अब समाप्त हुई तो हजारों पद कैडर में घटेंगे जिससे पदोन्नति के लिए उपलब्ध पदों की संख्या भी घटेगी। इससे लंबित प्रमोशन प्रक्रियाएं और लंबित होंगी और भर्ती के लिए पदों की संख्या घटेगी।

सरप्लस स्टाफ को कहां शिफ्ट करना है, यह मुश्किल आएगी और समय से पहले सेवानिवृत्ति, अन्य विभागों में शिफ्टिंग की नौबत भी आ सकती है। उधर, हजारों शिक्षकों का ओवरस्टे हैं और अप्रैल में हजारों तबादले करने होंगे। स्कूल बंद या मर्ज किए तो उनका स्टाफ भी समायोजित करना चुनौती है क्योंकि 60 प्रतिशत स्कूलों का नामांकन 40 से कम है।

युवा मंडल बलोंगनी की टीम ने जीती क्रिकेट ट्रॉफी

विजेता टीम के खिलाड़ी, अपनी-अपनी ट्रॉफियों के साथ।

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

भरनांग पंचायत के बलोंगनी में जतिन रांगड़ा मैमोरियल टूर्नामेंट का समापन हो गया। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला सचिव विनोद ठाकुर बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। यह टूर्नामेंट शिव शक्ति युवक मंडल द्वारा आयोजित किया गया था।

इस टूर्नामेंट में सुजानपुर से 16 टीमों ने भाग लिया और फाइनल मैच एनआईटी हमीरपुर सिक्योरिटी और युवा मंडल बलोंगनी के बीच खेला गया, जिसमें युवा मंडल बलोंगनी की टीम जीती। विनोद ठाकुर ने दोनों टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इसके अलावा प्रथम रहने वाली टीम को अपनी ओर से क्रिकेट किट और राशि दी।

उन्होंने कहा कि सांसद अनुराग सिंह ठाकुर का हमेशा यह सपना रहा है कि युवा अधिक से अधिक समय अपने खेलों के लिए भी निकालें, इसलिए हर साल खेल महाकुंभ जैसा कार्यक्रम अपने संसदीय क्षेत्र में करवाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे टूर्नामेंट हर पंचायत में होते रहने चाहिएं जिससे कि युवा खेलों की ओर अग्रसर रहें और नशे से दूर रहें।

राष्ट्रीय खिलाड़ी का किया स्वागत

अनंत ज्ञान, टौणी देवी। बराड़ा पंचायत के छौं बूथ की राष्ट्रीय स्तर बास्केटबाल की खिलाड़ी आनंदिता चौहान जिन्होंने हाल ही में 26 जनवरी, 2025 में एनसीसी परेड में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने अपनी परेड का शौर्य दिखाया। उनकी इस उपलब्धि के लिए भाजपा समीरपुर मंडल के अध्यक्ष अभ्यवीर सिंह लवली व पंचायत के प्रधान एवं पूर्व में जिला भाजपा के सचिव व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी अनिल परमार ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उनका अभिनंदन किया व उनको टोपी, पटका और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। बराड़ा पंचायत के प्रधान अनिल परमार का कहना है किहमारे पंचायत, जिला व प्रदेश के लिए बड़े गौरव की बात है कि हमारे यहां से एक राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी जिन्होंने एनसीसी परेड में हिमाचल व हमीरपुर जिला का प्रतिनिधित्व किया उसके लिए स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उनका अभिनंदन व स्वागत किया।

रिया गौतम बनी सेना में नर्सिंग ऑफिसर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर। जिले के बकारटी पंचायत के जंगल रोपा की बेटी रिया गौतम का चयन भारतीय सेना में बतौर नर्सिंग ऑफिसर हुआ है। लखनऊ में हुई कमशिनंग पासिंग परेड में उन्हें बतौर नर्सिंग ऑफिसर कोलकाता में नियुक्त किया गया है। रिया गौतम के पिता राजकुमार पंचायत सचिव के पद पर तैनात हैं और उनकी माता मोनिका देवी गृहिणी हैं। चाचा नरेश शर्मा व चाची राशि शर्मा मुख्य शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। स्थानीय पंचायत प्रधान अश्विनी ठाकुर ने रिया गौतम की भारतीय सेना में नियुक्ति पर उन्हें बधाई संदेश प्रेषित किया है, साथ ही उन्होंने बताया कि रिया गौतम हमारी पंचायत में बेटी के रूप में सेना में सेवाएं देने वाली हमारी पहली बेटी है, जिस पर हमें गर्व है, जिसने पूरी पंचायत का नाम रोशन किया है।

नगर परिषद सुजानपुर द्वारा एक वर्ष से बंद पड़ा है कायाकल्प का कार्य

रैन बसेरा की नहीं मिल रही लोगों को सुविधा

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

नगर परिषद सुजानपुर द्वारा वार्ड नंबर 8 में स्थापित रैन बसेरे के कायाकल्प का कार्य एक वर्ष से बंद पड़ा हुआ है। आलम यह है कि मरम्मत को लेकर भवन का कार्य लंबे समय से नहीं किया जा रहा है। इसके चलते यह भवन बेकार साबित हो रहा है। कायाकल्प का कार्य शुरू करने के साथ ही अधूरा छोड़ देना नगर परिषद की यह कार्यप्रणाली चर्चा का विषय बन गई है।

हालत यह है कि जनता अब इस भवन को उपयोग नहीं कर पा रही है। नगर परिषद सुजानपुर के वार्ड नंबर आठ में मुख्य सड़क के साथ रैन बसेरे का निर्माण किया गया था। दो मंजिला इस भवन में जहां कमरों का निर्माण किया गया था। इस रहन बसेरे का मुख्य उद्देश्य बेघर लोगों को रात्रि ठहराव करवाने का था, लेकिन इसका लाभ इस वर्ग को लंबे समय से नहीं मिल पा रहा है। रैन बसेरे के भवन का उद्देश्य उचित दामों पर सुविधा प्राप्त करना है। सुविधा को लेकर के कमरों का किराया भी बहुत कम होने के कारण हर कोई सुविधा प्राप्त कर रहा था। इस भवन में पहले तहसील कार्यालय चल रहा था। इससे पहले जिस स्थान पर पहले तहसील कार्यालय था, वहां मिनी सचिवालय का कार्य चल रहा था।

इस कारण वहां से तहसील कार्यालय का स्थानांतरण करके रैन बसेरे में फिलहाल चलाया गया। इसके चलते करीब सात वर्ष तक रैन बसेरे में तहसील कार्यालय कार्यरत होने के कारण लोगों को इस की सुविधा नहीं मिल पाई, अब जबकि करीब डेढ़ वर्ष पहले तहसील कार्यालय मिनी सचिवालय के भवन में शिफ्ट हो गया है, तब जाकर खाली हुए इस रैन बसेरे के भवन के कायाकल्प को लेकर नगर परिषद सुजानपुर ने चारदीवारी गेट कमरों में टाइल या अन्य सुविधाएं स्थापित करने को लेकर कायाकल्प के चलते कमरे आदि की तोड़-फोड़ की, जिसके उपरांत कार्य फिर बंद कर दिया गया, अब फिर भी इसकी सुविधा आम जनता को नहीं मिल पा रही है। न तो नगर परिषद सुजानपुर द्वारा कायाकल्प का कार्य पूरा किया गया है और न ही अब यह तोड़फोड़ के कारण भवन रहने के लिए सुविधा दे पा रहा है। लोगों ने शीघ्र ही इसके निर्माण कार्य को पूरा किए जाने की मांग की है।

उधर, नगर परिषद के ईओ अजमेर सिंह ठाकुर ने बताया कि शीघ्र ही रैन बसेरा का बाकी बचा कार्य पूरा किया जाएगा।

लोगों को दी वित्तीय लेनदेन में सतर्कता बरतने की सलाह

अनंत ज्ञान, नादौन। भारतीय रिजर्व बैंक के वित्तीय साक्षरता केंद्र हमीरपुर के द्वारा नादौन ब्लॉक की फस्टे पंचायत में वित्तीय साक्षरता कैंप आयोजित किया गया। भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से सरकार द्वारा लोगों के कल्याण के लिए चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों को दी। कैंप में उपस्थित लोगों से वित्तीय साक्षरता केंद्र की सेंटर हेड रेखा गौतम ने लोगों से जरूरी जागरूकता और सतर्कता बरतने की अपील की।

उन्होंने बताया कि किस तरह से लोगों को डिजिटल धोखाधड़ी से लूटा जा रहा है। आज के वित्तीय साक्षरता कैंप में वित्तीय साक्षरता केंद्र की नादौन ब्लॉक की समन्वयक अन्जना फस्टे पंचायत प्रधान तिलक राज व अन्य पंचायत प्रतिनिधियों समेत 80 लोगों ने भाग लिया।

बस्सी-तताहर सड़क के कार्य से उड़ रही धूल, व्यापारी परेशान

सड़क पर तीन समय पानी फेंकने की व्यापारी वर्ग ने की मांग, बीमारियों से डरे

अनंत ज्ञान, भोरंज

उपमंडल भोरंज के तहत बस्सी से तताहर सड़क का कार्य बहुत हो धीमा गति से चला हुआ है, जिससे व्यपारी वर्ग धूल से परेशान है और व्यापारियों को श्वसन रोगों का डर भी सत्ता रहा है, वहीं, उनके व्यापार पर भी असर पड़ रहा है। वाहन चालकों को 4 से 5 किलोमीटर अधिक रास्ता तय कर गंतव्य पर पहुंचना पड़ रहा है।

वहीं, कोई बीमार पड़ जाए तो उसे अस्पताल पहुंचाने के लिए भी ग्रामीणों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। व्यापारियों कहना है कि दुकानों के अंदर तक धूल भर रही है व सामान भी खराब हो रहा है। सड़क पर भी बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं, जिससे आए दिन वाहन भी खराब हो रहे हैं। हालांकि बस्सी से तताहर सड़क का कार्य उच्च गुणवत्ता से किया जा रहा है ताकि लोगों को अच्छी सड़कों की सुविधा मिल सके। नई तकनीक से बनने वाली इस सड़क का शुभारंभ भोरंज के विधायक सुरेश कुमार ने अगस्त 2024 में किया था।

भरेड़ी में नई तकनीक एफडीआर से बनने वाली बस्सी को तताहर सड़क वाया चंदरूही सड़क के निर्माण का होना है। बताते चलें कि तकनीक से बनने वाली सड़कें 15 से 20 साल तक खराब नहीं होती हैं। अकसर देखने में आता कि सड़कें पक्का होने के बाद उखड़ना शुरू हो जाती हैं, लेकिन इन सड़कों के निर्माण से लोगों को अच्छी सुविधा मिलेगी। सड़कों के उखड़ने वाली सामग्री को फेंका नहीं जाएगा, बल्कि सड़क की उखाड़ी सामग्री, सीमेंट व केमिकल का कंप्यूटराइज मिश्रण से सड़क का निर्माण होगा, लेकिन कार्य बहुत हो धीमी गति से चल रहा है, जिससे ग्रामीणों में रोष है।

सड़क पर वाहन चालकों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही सड़क किनारे मिट्टी के ढेर लगे हुए हैं। दोपहिया वाहन व छोटे वाहन चालकों को यह सड़क दुर्घटना को न्योता दे रही हैं, साथ ही सड़क पर बहुत बड़े-बड़े गड्ढे बन हुए हैं, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क उखाड़ने के साथ सड़क निर्माण कार्य भी साथ-साथ किया जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके। इससे स्थानीय लोगों को लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रति रोष है। ग्रामीणों में अंकुश सैणी, रजीव, संजय, विजय ठाकुर, मनोज कुमार, विजय, बलबीर, राजेश, संजय, लखविंदर सिंह, रवि, यशवंत, कुलदीप चंद, लेख राज शर्मा, धर्म चंद, प्रकाश चंद, ब्रह्म दास भारद्वाज, धर्म चंद, ध्यान सिंह, योग राज शर्मा, प्रेम चंद, गौरव कुमार, सुरेश कुमार, धर्म सिंह, इंद्र सिंह, गोपाल दास, अमर सिंह, हंस राज, राजकुमार, रमित, संजय कुमार, प्रधान कक्कड़ विनोद कुमार, प्रधान अमरोह मीना देवी, प्रधान गरसाहड़ रेखा देवी, प्रधान भुक्कड़ किशोर चंद, प्रधान पपलाह अंकुश सैनी, प्रधान धमरोल बिना कुमारी, प्रधान पलपल जोगिंदर सिंह, ज्ञान चंद, मनोहर लाल शर्मा, विपन कुमार, पप्पी कुमार ने बताया कि सड़क की इतनी हालत खस्ता है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

जल्द सड़क के निर्माण के साथ सड़क विस्तारीकरण का कार्य पूरा किया जाए ताकि लोगों को धूल से राहत मिल सके। जब तक सड़क निर्माण पूरा नहीं होता है, तब तक ग्रामीणों ने विभाग से तीन टाइम सड़क पर पानी फेंकने की भी मांग की है।

कामयाबी भोरंज के आशीष ने फ्लाई-ऐश ईंटों का लगाया प्लांट, 40 लाख के लोन पर 30 फीसदी सब्सिडी

पहले की नौकरी; अब बने उद्यमी, सपना किया साकार

विक्रम हटवालिया, हमीरपुर

पढ़-लिखकर कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो मुश्किल से मुश्किल परिस्थिति भी आसान हो जाती है। आशीष कुमार ने पहले नौकरी की, लेकिन लोन लेकर जब अपना उद्योग शुरू किया, तो वह सपने को साकार करने में तो कामयाब हुआ ही, औरों को रोजगार मुहैया करवाने में भी उसने मंजिल हासिल कर ली। इसके लिए उद्योग विभाग से उसे 40 लाख रुपए का जो लोन मिला, उसी के तहत वह इस मंजिल को पाने में सक्षम हो पाया, क्योंकि 30 फीसदी की सब्सिडी भी उसे इसी में मिली, यहीं से उसको प्रोत्साहन मिला।

भोरंज इलाके के बेहड़वीं जट्टां गांव के युवा इंजीनियर आशीष धीमान ने यह सब कुछ करके दिखाया है। 40 लाख रुपए का ऋण एवं 30 प्रतिशत सब्सिडी पाने के बाद आशीष ने अपने घर के पास ही फ्लाई-ऐश की ईंटों का प्लांट लगाया है और इस प्लांट में रोजाना 5 से 6 हजार तक ईंटें तैयार कर रहे हैं।

फ्लाई-ऐश ईंटों के अपने प्लांट पर भोरंज के आशीष, जिससे वह अन्य को भी रोजगार दे रहे हैं।

फ्लाई-ऐश ईंटों को खूब पसंद कर रहे लोग

आशीष ने बताया कि उनके प्लांट में रोजाना 5-6 हजार ईंटें बन रही हैं और वह हर महीने 50 से 60 हजार तक ईंटें बेच रहे हैं। उन्होंने बताया कि लोग इन ईंटों को काफी पसंद कर रहे हैं, क्योंकि, ये काफी हल्की एवं किफायती हैं और इनसे मकान में सीलन नहीं आती है। इन पर प्लस्तर का खर्चा भी कम होता है। आशीष ने अपने प्लांट में 7-8 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान किया है। इसके अलावा कई लोग अप्रत्यक्ष रूप से इस प्लांट से रोजगार पा रहे हैं।

पढ़े-लिखे परिवार से ताल्लुक रखने वाले आशीष ने टैक्सटाइल्स इंजीनियरिंग में बीटेक करने के बाद कॉरपोरेट सेक्टर में नौकरी शुरू की थी। उनके पिता कनिष्ठ अभियंता के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं और भाई नगर निगम चंडीगढ़ में एसडीओ के पद पर तैनात हैं। आशीष की पत्नी भी उपायुक्त कार्यालय मंडी में सेवारत हैं।

घर से दूर कॉरपोरेट सेक्टर में नौकरी के दौरान आशीष ने कई बार अपना स्टार्टअप उद्यम शुरू करने के सपने देखे, लेकिन उनके पास इतने पैसे नहीं थे, इसलिए, उनका यह सपना साकार नहीं हो पा रहा था। (अनंत ज्ञान)

सरकारी स्कूलों के बच्चे निजी स्कूलों में जान रहे शिक्षा की बारीकियां

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

प्राथमिक शिक्षा खंड सुजानपुर के तहत टिविनिंग कार्यक्रम का आयोजन शुरू हुआ। केंद्रीय मुख्य शिक्षिका कंचन गुप्ता ने बताया कि समग्र शिक्षा के तहत इस कार्यक्रम में खेल-खेल में बच्चे हर गतिविधियों की एबीसी जान पा रहे हैं। वहीं, उत्साहित बच्चे निजी स्कूलों में अपनी तथा उनके स्कूलों की गतिविधियों का आदान प्रदान कर रहे हैं।

सरकार द्वारा चलाए गए इस कार्यक्रम की मुहिम के चलते बच्चे आनंद उठा रहे हैं। वहीं, उनका मानसिक शारीरिक विकास भी हो रहा है। समग्र शिक्षा के तहत सरकारी प्राथमिक पाठशालाओं में टिविनिंग कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इसी को लेकर के प्राथमिक शिक्षक खंड अधिकारी देशराज ने कार्यक्रम की शुरुआत की। इसमें केंद्रीय मुख्य शिक्षिका कंचन गुप्ता की अगुवाई में प्राथमिक स्कूल सुजानपुर के बच्चों को साथ लगती निजी स्कूलों में वहां जाकर शिक्षा की हर क्षेत्र की गतिविधियों के पहलुओं की बारीकी से जानकारी साझा की गई।

इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद गतिविधियां, कंप्यूटर, पुस्तकालय, संगीत आदि की जानकारी किस तरह से प्राइवेट स्कूल के छात्र प्राप्त कर रहे हैं। जहां उनकी गतिविधियों को देख रहे हैं, वहीं अपनी गतिविधियों का भी प्रकाश डाल रहे हैं। इस नई टिविनिंग कार्यक्रम को लेकर के बच्चे भी खासी उत्साहित हैं। इस कार्यक्रम में जहां बच्चे पिकनिक का आनंद उठा रहे हैं, वहीं उनका इस कार्यक्रम से मानसिक विकास भी हो रहा है।

खंड शिक्षा अधिकारी देशराज ने बताया कि स्कूलों में यह कार्यक्रम 6 दिवसीय शुरू हो गया है। बच्चे प्राइवेट स्कूलों में जाकर के उनकी गतिविधियों तथा अपनी गतिविधियों से साझा होकर बहुत कुछ सीख रहे हैं।

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्रीमति सिमरो देवी

21 मई 1944 - 22 फरवरी 2024

आपकी मधुर स्मृति, स्नेह आदर्श, मार्गदर्शन, आशीर्वाद हमारे लिए सदैव प्रेरणादायक रहेंगे। आपकी प्रथम पुण्यतिथि पर समस्त परिवारजन भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। आपका आशीर्वाद एवं स्नेह सदैव बना रहे

स्व. श्रीमति सिमरो देवी पत्नी श्री पूर्ण चंद शर्मा को श्रद्धांजली अर्पित करने हेतु उनकी प्रथम पुण्य तिथि दिनांक 11 फरवरी 2025 दिन मंगलवार आप सहपरिवार आमंत्रित हैं

House no. 119 , Ward no. 10 , Ram Nagar , Hamirpur (HP)

महाराष्ट्र में छात्र संसद में बोले कुलदीप सिंह पठानिया

दुनिया भारतीय संस्कृति की कायल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

महाराष्ट्र के पुणे शहर में कथूर स्थित महाराष्ट्र प्रोद्योगिकी संस्थान विश्व शांति विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 14वें अखिल भारतीय छात्र सम्मेलन के तीसरे सत्र की अध्यक्षता करते हुए विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानिया ने कहा कि पूरा विश्व आज भारतीय संस्कृति का कायल है। भारतीय संस्कृति एवं परिधान की विश्व के अलग-अलग देशों में आज भी अपनी पहचान है।

उन्होंने कहा कि हम पहले भारतीय हैं उसके बाद किसी प्रदेश के वासी हैं और हमें भारतवासी होने का गर्व होना चाहिए। यह देश स्वतंत्रता सेनानियों का देश है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर इसे अंग्रेजों की बेड़ियों से मुक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें हिमाचली होने का भी गर्व है, जिसकी अपनी अलग से पहचान है। हिमाचल देवभूमि है, रणबांकुरों की भूमि है तथा तपस्या व त्याग की भूमि है। आज भी हम 'अतिथि देवो भव:' संस्कृति को अपनाए हुए

कुलदीप सिंह पठानिया को सम्मानित करते आयोजक।

हैं अर्थात हम अपने अतिथियों को आज भी देव स्वरूप मानते हैं। चंबा का रूमाल हिमाचली टोपी व शॉल आज भी दुनिया के उत्कृष्ट परिधानों में शूमार हैं। हमारा प्रदेश आज भी अपनी पुरातन संस्कृति जो हमें अपने पूर्वजों से विरासत में मिली है उसे संजोए हुए हैं। चंबा का मिंजर मेला, मंडी की महाशिवरात्रि तथा अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा इसके जीवंत उदाहरण हैं। यह उदगार पठानिया ने 14वें भारतीय छात्र संसद के तीसरे दिन के सत्र के लिए चयनित विषय 'भारतीय संस्कृति या पश्चिमी गलैमर, भारतीय युवाओं की द्वंद्व' के ऊपर बोलते हुए प्रकट किए।

सम्मेलन को रामायण सीरियल में प्रभु राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल, केंद्रिय नागरिक एवं उड्डयन मंत्री किंजारप्पा राममोहन नायडू, फिल्म अदाकारा खशबू तथा पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने भी संबोधित किया। सम्मेलन मे देश के विभिन्न राज्यों से आए दस हजार छात्र मौजूद थे। पठानियां ने कहा राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेते हुए उन्हें कई देशों का दौरा करने का मौका मिला है। आस्ट्रेलिया, जापान, न्यूजीलैंड तथा दक्षिण कोरिया जैसे देशों में भी भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। पठानिया ने कहा कि पश्चिमी देशों के लोग आज रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य की ओर आकर्षित हो रहे हैं तथा गीता उपदेशों का अनुकरण कर रहे हैं यह भारतीय संस्कृति के विश्व में विद्यमान होने का उपयुक्त उदाहरण है। इससे पूर्व सम्मेलन के आयोजकों द्वारा पठानिया का शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर पठानिया ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस से मुलाकात कर भारतीय छात्र संसद तथा राष्ट्रीय विधायक सम्मेलन की महतता पर चर्चा की। एमआईटी विश्व शांति विश्वविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. विश्वनाथ करड़ से भी शिष्टाचार भेंट की। कार्यक्रम के प्रर्वतक तथा एमआईटी वर्ल्ड पीस युनिवर्सिटी के अध्यक्ष राहुल करड़ के विशेष आग्रह पर पठानिया ने सभी समिति बैठकों को अलग-अलग समिति कक्ष में जाकर संबोधित किया। पठानिया ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता तथा मशीन लर्निंग सिर्फ भविष्य की अवधारणाएं नहीं हैं, यह तकनीक प्रगति का वर्तमान और भविष्य है।

डेरा रुद्रानंद और उपमुख्यमंत्री पर टिप्पणी करने वाले के खिलाफ दो मामले दर्ज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना। उत्तरी भारत के प्रसिद्ध डेरा बाबा रुद्रानंद के बाबा हीरानंद और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वाले के विरुद्ध ऊना में दो शिकायतें दर्ज हुई हैं। पहली शिकायत हरोली के पंजावर निवासी दीपक मनकोटिया ने दर्ज करवाई है। आरोप है कि सोशल मीडिया पेज चलाने वाले बंगाणा के रौणखर निवासी रवि ने उपमुख्यमंत्री और डेरा बाबा रुद्रानंद आश्रम नारी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की है, जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि फेसबुक अकाउंट पर रवि ने एक पोस्ट डाली, जिसमें उपमुख्यमंत्री पर धार्मिक स्थलों में हस्तक्षेप करने और एक विशेष समुदाय को बढ़ावा देने के आरोप लगाए हैं। इतना ही नहीं डेरा बाबा रुद्रानंद आश्रम में भी मुकेश अग्निहोत्री ने सेंधमारी की है। इसके अलावा पोस्ट में डेरा बाबा रुद्रानंद आश्रम को लेकर भी विवादित बातें लिखी गईं। उधर, तिलक राज शर्मा निवासी चिंतपूर्णी ने भी इसी मामले में रवि के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। डीएसपी हरोली मोहन रावत ने पुष्टि की है कि शिकायत के आधार पर रवि के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि मामले में उचित कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

मंत्री पवन राणा की रणनीति लाई रंग, दिल्ली में लहराया भगवा

देशराज, ज्वालामुखी

दिल्ली प्रांत संगठन मंत्री पवन राणा की रणनीति रंग लाई है। राणा ने आम कार्यकर्ता को संगठित करके दूसरी पार्टियों के खिलाफ ऐसे चक्रव्यूह की रचना की। आम जनमानस के बीच जाकर दिल्ली विधानसभा चुनाव में लगभग 27 साल के लंबे अरसे के बाद भाजपा की प्रचंड जीत से भगवा लहराया है। प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित देश के समस्त सनातनियों सब की निगाहें दिल्ली विधानसभा चुनाव पर अटकी थीं।

दिल्ली प्रांत संगठन मंत्री एवं पूर्व हिमाचल प्रांत संगठन मंत्री पवन राणा के पैतृक गांव (लगड़ू) तली (ज्वालामुखी) विधानसभा में भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। पवन राणा संघ के प्रचारक हैं और प्रति नियुक्ति पर भाजपा के लिए कार्य कर रहे हैं।

राणा के लिए यह चुनाव अग्नि परीक्षा से कम नहीं था, लेकिन अपनी दूरदर्शी सोच और संगठन के कुशल शिल्पकार कार्यकर्ता का परिचय देते हुए हर वर्ग को भाजपा के साथ जोड़ा। खासकर झुग्गी-झोंपड़ी, ऑटो चालकों, पन्ना प्रमुख सम्मेलन तथा समाज के हर वर्ग को पार्टी की विचार धारा के साथ जोड़ा। उनके पैतृक गांव लगड़ू (तली), खुंडियां में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर दिल्ली किला फतेह करने की खुशी में लड्डू बांटे। (अनंत ज्ञान)

दो महीने पहले ही वतन वापस लौटने लगे प्रवासी पक्षी

अनिल छांगू, जवाली

गर्मी की आहट, झील होने लगी सुनसान

इस बार बारिश कम होने के कारण समय से पहले गर्मी महसूस होने के कारण बाहरी देशों से पौंग झील में पहुंचे प्रवासी पक्षियों ने अपने वतन को वापसी शुरू कर दी है। बारिश न होने के कारण गर्मी ने भी दस्तक दे दी है। फरवरी माह में ही अप्रैल की गर्मी-सा एहसास हो रहा है। पौंग झील में आने वाले पक्षी कतारबद्ध होकर चहचहाते हुए अपने वतन को वापस लौटने शुरू हो गए हैं।

कतारबद्ध होकर चहचहाते हुए पक्षी ऐसे प्रतीत होते हैं कि मानो अपने बाकी साथियों को भी वापस चलने को कह रहे हों। प्रवासी पक्षियों के समय से पहले ही वापस लौटने के कारण इस बार झील समय से पहले ही वीरान हो जाएगी। काफी संख्या में प्रवासी पक्षी वतन लौट चुके हैं तथा यह क्रम लगातार जारी है।

बता दें कि हर वर्ष यह प्रवासी पक्षी अक्तूबर-नवंबर माह में झील में आते हैं और अप्रैल माह में गर्मी होते ही वापस लौट जाते हैं, परंतु इस बार दो माह पहले ही पक्षियों ने अपने वतन वापस लौटना शुरू कर दिया है। इस बार पौंग झील में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, नाइजीरिया, अफ्रीका, न्यूजीलैंड, अमेरिका इत्यादि देशों के 97 प्रजातियों के प्रवासी पक्षी पहुंचे थे, जिनको देखने के लिए झील में काफी पर्यटक भी पहुंचे हैं। अब इन प्रवासी पक्षियों के वापस लौट जाने के कारण झील सुनसान हो जाएगी।

वन्य प्राणी विभाग हमीरपुर के डीएफओ रेजीनोड रॉयस्टोन ने कहा कि इस बार पौंग झील में 97 प्रजातियों के प्रवासी पक्षियों ने दस्तक दी है। गर्मियों में यह पक्षी वापस लौट जाते हैं। उन्होंने कहा कि टीमों द्वारा इनकी निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि पक्षियों को रिंग भी डाले गए हैं ताकि उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। (अनंत ज्ञान)

कांगड़ा घाटी की दो ट्रेनों का बदला समय

अनंत ज्ञान, नूरपुर। कांगड़ा घाटी रेलवे ट्रैक पर नूरपुर रोड से बैजनाथ पपरोला चलने वाली दो ट्रेनों का टाइम टेबल 10 फरवरी से बदल जाएगा। रेलगाड़ी संख्या 52467 पहले नूरपुर रोड से दोपहर 2.30 बजे चलकर रात्रि 8.20 पर बैजनाथ पपरोला पहुंचती थी, अब रेलगाड़ी संख्या 52467 नूरपुर रोड से दोपहर 1.30 बजे चलकर रात्रि 7.20 पर बैजनाथ पपरोला पहुंचेगी। रेलगाड़ी संख्या 52474 बैजनाथ पपरोला से दोपहर 2 बजे चलकर रात्रि 8.10 नूरपुर रोड पहुंचेगी। नूरपुर रोड और बैजनाथ पपरोला से चलने वाली यह ट्रेन अब पहले निर्धारित समय से एक घंटा पहले चलेंगी। साथ एक घंटा पहले अपने गंतव्य पर पहुंचेंगी। ऐसा यात्रियों की सुविधा के लिए किया गया है।

कहानी-34

अनंत ज्ञान

हर गांव कुछ कहता है

अपने सामाजिक दायित्वों को निभाते हुए 'अनंत ज्ञान' ने हिमाचल के विभिन्न गांवों के ऊपर 'हर गांव कुछ कहता है' नाम से एक सीरीज शुरू की है। सीरीज के तहत पाठकों को हिमाचल के गांवों की खूबियों से रू-ब-रू करवाया जाता है। इसमें गांवों की कई रोचक और प्रेरक जानकारियों से आज की पीढ़ी को अवगत करवाने का प्रयास रहता है।

पाठक भी अपने गांव के ऐसे रोचक प्रसंग/जानकारीपरक सामग्री अपने नाम और फोटोग्राफ्स के साथ हमें भेज सकते हैं। कृपया सामग्री ई-मेल (editoranantgyaan@gmail.com) अथवा व्हाट्सऐप नं. 8894521702, 8091450407 पर भेजें। सामग्री से संबंधित अगर आपसे कोई संपर्क करना हो तो अपना मोबाइल नं. भी अवश्य भेजें।

स्मार्ट सिटी छल, सकोह में नहीं हो रही समस्याएं हल

नगर निगम में शामिल होने के बाद गांव में सुविधाएं कम और परेशानियां ज्यादा

संजय अग्रवाल
धर्मशाला

'हर गांव कुछ कहता है' सीरीज के तहत आज हम बात करेंगे धौलाधार पर्वत श्रृंखला की ओट में बसे खूबसूरत गांव सकोह की। यह एक ऐसा गांव है, जहां एक तरफ चीड़ के पेड़ों की ठंडी हवा सुकून देती है तो वहीं, दूसरी ओर गांव से कुछ दूर चाय के बागान अपनी खुशबू बिखेरते हैं। सकोह गांव बहुत कुछ कहता है। वर्तमान में गांव में लगातार बढ़ रही समस्याओं से लोग दुखी व परेशनी के आलम में हैं।

कभी यह गांव पंचायत हुआ करता था, मगर नगर निगम धर्मशाला बनने के बाद इस पंचायत का विलय नगर निगम में हो गया। सकोह गांव के बाशिंदों का कहना है कि जब यह गांव पंचायत के अधीन हुआ करता था तो लोग सुखी थे, परंतु नगर निगम धर्मशाला में जाने के बाद यहां सुविधाएं कम और दुविधाएं ज्यादा हो गई हैं। यहां के लोगों का कहना है कि धर्मशाला स्मार्ट सिटी के नाम पर भी लोगों से छल हुआ है। नगर निगम के तहत आने वाले कई गांवों की सुंदरता से खिलवाड़ हुआ है।

साफ नहीं होती नालियां : सुरेंद्र

सुरेंद्र कुमार

सकोह गांव के निवासी सुरेंद्र कुमार शर्मा का कहना है कि गांव की नालियों को कभी साफ नहीं किया जाता। उन पर अक्सर गंदगी पड़ी हुई देखी जा सकती है। नगर निगम ओर से प्रति घर से 100 रुपए तथा दुकानदरों से 150 रुपए प्रति महीना सफाई का लिया जाता है। उसके बाद भी गांव की सफाई अधूरी है। गांव में सफाई का कोई सिस्टम नहीं है। बीमारियों का खतरा हर समय बना रहता है। मैं खुद कई बार बीमारी का शिकार हुआ हूं। जवाहर नगर में कुछ लोगों ने सेफ्टी टैंक नहीं बनाए हैं। सारा गंदा पानी साथ की नाली में गिरता है। मुख्यमंत्री से लेकर कारपोरेशन तक को कई बार शिकायत की गई। कभी शिकायत को डीसी कांगड़ा, कभी तहसीलदार तो कभी जलशक्ति विभाग को मार्क कर दिया गया, परंतु मौके पर कोई नहीं आया। एक साल हो गया शिकायत किए हुए, परंतु कोई हल नहीं निकला।

स्मार्ट सिटी महज दिखावा : दिनेश

दिनेश कुमार

सकोह के ही रहने वाले दिनेश कुमार का कहना है कि गांव में रास्तों को लेकर काफी दिक्कतें हैं। नगर निगम के तहत जितने भी रास्ते हैं सभी कच्चे हैं, जिस कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव में न तो लाइटें हैं, न ही समय पर पीने का पानी मिलता है। शाम ढलते ही गांव भी अंधेरे में डूब जाता है। अगर हम पंचायत में ही रहते तो सही था। नगर निगम में आने के बाद तो परेशानियां बढ़ी हैं, कम नहीं हुई। नगर निगम से कई बार कहा गया, परंतु यह प्रशासन अंधा है और सोया हुआ है। स्मार्ट सिटी महज दिखावा है। लगभग 200 घरों के रास्तों की हालत दयनीय बनी हुई है, जहां आने जाने में परेशानियां होती हैं। सड़कों के लिए पैसा तो मंजूर हुआ है मगर काम शुरू नहीं हुआ। ठेकेदारों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। स्ट्रीट लाइटें तो लगाई, लेकिन वे जलती नहीं।

दुखों को दूर करती है मां कुनाल पत्थरी

जिस स्थान पर मां सती का कपाल गिरा था, आज वह स्थान मां कुनाल पत्थरी के नाम से प्रसिद्ध है। यह स्थल मां के 51 शक्तिपीठों में से एक है। यह स्थान पर्यटन नगरी धर्मशाला में स्थित है। धर्मशाला से महज तीन किलोमीटर की दूरी पर चाय के बागानों के बीच यह मंदिर स्थापित है। यहां मां भगवती की पूजा कुनाल पत्थरी के रूप में होती है। मान्यता है कि मां कुनाल पत्थरी दुखों को दूर करती हैं। सैकड़ों भक्त यहां पर मां के दरबार में हाजिरी लगाने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर मनोकामनाएं पूर्ण होने पर भक्त ढोल नगाड़ों के साथ नाचते गाते पहुंचते हैं। सालभर यहां पर भक्तों का आना जाना लगा रहता है। मंदिर के आसपास जंगल है और चाय के बागान हैं, जबकि उत्तर की दिशा में विशालकाय धौलाधार बर्फ से लदा होने पर चांदी सा चमकता दिखाई देता है।

पथरी व कैंसर के रोग होते हैं यहां के पानी से दूर

पुजारी
पंडित सुभाष

मंदिर के पुजारी सुभाष ने बताया कि मंदिर में मां के कपाल पर एक बड़ा पत्थर है जो एक बहुत बड़ी परात सा लगता है और हमेशा पानी से भरा रहता है। यहां से इस पानी को श्रद्धालु पूजा-अर्चना व रोगियों के कैंसर तथा पथरी के रोगों को दूर करने के लिए अपने साथ घर भी ले जाते हैं। यह पानी बारिश से एकत्र होता है। जब भी इस कपाल में पानी कम होने लगता है तो बारिश होती है और यह फिर से भर जाता है। इसको लेकर भी लोगों में माता के प्रति बहुत आस्था है।

कभी भरता नहीं वाटर टैंक : संजीव

संजीव शर्मा

संजीव शर्मा के अनुसार, गांव के किसान कृषि करते हैं, जो सिंचाई पर निर्भर हैं। गांव में पिछले 7-8 सालों से कूहलों का कोई इंतजाम नहीं है। गांव के लोग जब पानी के लिए कूहलों को बांधने की कोशिश करते हैं तो वहां डंगे टूटे हुए हैं। गांव की गलियों और नालियों में ही गंदा पानी जा रहा है तथा उन्हीं नालियों से पीने के पानी की पाइपें जा रही हैं। गांव के लोग इस समस्या को लेकर कई बार नगर निगम के कमिश्नर के पास भी गए, परंतु कोई हल नहीं निकला। निगम के सफाई कर्मचारी भी कभी-कभी ही आते हैं। ठेकेदारों ने अधूरे काम किए हैं तथा काम की पूरी पेमेंट ली हुई है। पीने के पानी को लेकर विभाग ने पानी का जो टैंक बनाया है वह कभी भरता ही नहीं, जिस कारण पानी की किल्लत हर समय बनी रहती है। एक ही टैंक से पूरे गांव को पानी की सप्लाई की जा रही है। गांव के रोड़ का टेंडर 2023 में लगा था जिसका निर्माण नाबार्ड के तहत 1.45 करोड़ से होना था, परंतु अभी तक इसका निर्माण नहीं हो पाया।

पीएम मोदी से लाइव बातचीत करेंगे पेरेंट्स-शिक्षक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

'परीक्षा पे चर्चा-2025' का 8वां संस्करण 10 फरवरी को आयोजित हो रहा है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों, उनके माता-पिता और शिक्षकों के साथ लाइव बातचीत करेंगे।

पीएम मोदी के अलावा बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, विक्रांत मैसी, आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु ओलंपियन मैरी कॉम और पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता अवनी लेखारा भी कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम शिक्षा मंत्रालय, नरेंद्र मोदी, पीआईबी, प्रधानमंत्री कार्यालय के सोशल मीडिया पेज (यूट्यूब, फेसबुक, एक्स प्लेटफॉर्म) पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा।

मुख्य कार्यक्रम, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी छात्रों के साथ बातचीत करेंगे, इसका सीधा प्रसारण दूरदर्शन, स्वयं एवं स्वयं प्रभा, पीएमओ के आधिकारिक यूट्यूब चैनल, शिक्षा मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा। मोदी से सीधे बातचीत करने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य, केंद्र शासित प्रदेश बोर्ड सरकारी स्कूलों, केंद्रीय विद्यालय, सैनिक स्कूलों, एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूलों, सीबीएसई और नवोदय विद्यालयों से 36 छात्रों का चयन किया गया है। जिला कांगड़ा के सभी विद्यालय अपने अपने प्रांगण में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के सीधे प्रसारण के आयोजन के लिये प्रबंध करेंगे तथा अपनी सहभागिता की रिपोर्ट दिए जानी वाली गूगल शीट के माध्यम से भरेंगे। इस संबंध में उपनिदेशक उच्च शिक्षा विकास महाजन द्वारा सभी प्रधानाचार्यों तथा मुख्य अध्यापकों को निर्देश जारी किए गए हैं।

नादौन में ज्वेलरी शॉप से सोने के गहने चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

अनंत ज्ञान हमीरपुर। नादौन में विशाल ज्वेलर्स नामक दुकान से सोने के गहने चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला 28 जनवरी 2025 को नंद लाल निवासी सुजानपुर की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उनकी दुकान से सोने के गहने चोरी हो गए थे, जिसके बाद नादौन पुलिस ने एक विशेष अन्वेषण टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई की। जांच के दौरान पुलिस ने राकेश कुमार और विशाल, (दोनों निवासी गजरोला, जिला अमरोहा, उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चोरी हुआ सामान भी बरामद कर लिया है। आरोपियों को जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा और मामले की आगे की जांच जारी है।

दलाईलामा के बड़े भाई ग्यालो थोंडुप का निधन

संजय अग्रवाल, धर्मशाला

तिब्बतियों के धर्मगुरु 14वें दलाईलामा के बड़े भाई और दशकों से तिब्बती राजनीतिक मामलों में एक प्रसिद्ध व्यक्ति रहे ग्यालो थोंडुप का गत शाम भारत में 97 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

तिब्बत के अमदो क्षेत्र में 1927 में जन्मे ग्यालो थोंडुप तिब्बत के आधुनिक इतिहास में एक केंद्रीय व्यक्ति थे। वह वैश्विक शक्तियों के साथ संपर्क बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे और तिब्बती प्रतिरोध आंदोलन के लिए विशेष रूप से केंद्रीय खुफिया एजेंसी के माध्यम से अमेरिकी समर्थन को सुविधाजनक बनाने में उनकी भूमिका के लिए व्यापक रूप से जाने जाते थे, जिसने तिब्बती गुरिल्ला लड़ाकों को प्रशिक्षित किया था। उनका संस्मरण, द नूडल मेकर ऑफ कलिम्पोंग, तिब्बत के राजनीतिक संघर्षों और उनमें उनकी भागीदारी पर एक दुर्लभ अंदरुनी सूत्र का दृष्टिकोण प्रदान करता है।

दुनिया भर के तिब्बतियों ने उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि उनकी विरासत तिब्बती निर्वासित समुदाय के इतिहास का एक अभिन्न अंग बनी रहेगी, जो कूटनीति, प्रतिरोध और तिब्बत के भविष्य पर चर्चा को आकार देगी। (अनंत ज्ञान)

एनपीएस का डूबा पैसा निकालना है तो करें आंदोलन : प्रवीण

अनंत ज्ञान, शिमला

न्यू मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन संघ भारत के राष्ट्रीय संयोजक प्रवीण शर्मा ने कर्मचारियों का आह्वान किया है कि यदि उन्हें एनपीएस का डूबा हुआ पैसा वापस लेना है तो वे आंदोलन करने वालों का साथ दें। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद मात्र 562 राजाओं को हटाकर संसद, राज्यसभा व विधानसभाओं का गठन इसलिए हुआ था, ताकि लोगों का जीवन स्तर सुधर सके। उन्हें आजादी का एहसास हो सके, लेकिन हालात ऐसे हो गए हैं कि आजादी के 78 वर्ष बाद भी सांसद व विधायक रूपी राजा यह नहीं जानते कि भारत कब विकसित होगा। लोगों को सब कुछ फ्री देने के कारण ही ये नेता रूपी राजा हर बार जीत जाते हैं। जनता के कल्याण कार्य न कर पांच साल तक अपनी कुर्सी को बचाने के चक्कर में जनता को दो रुपए देकर 5 रुपए वसूलते हैं।

राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि देश के लगभग 20 लाख लोगों का एनपीएस के तहत कटा पैसा विभिन्न संस्थाओं में सिर्फ जुआ खेलने के लिए लगाया है। छोटे कर्मचारियों का यह पैसा केंद्र सरकार ने कैद कर लिया है व इस पर अरबों रुपए के लोन ले लिए हैं। कुछ गरीब कर्मचारी अपने पैसे का जो एनएसडीएल कंपनी ने शेयर मार्केट में पैसा लगाया है उसे लॉक कर दिया है। अब एक पीड़ित कर्मी जिसने कि अपनी बेटी की शादी करनी हैं, पर हिमाचल प्रदेश में उनकी सैलरी का 10 फीसदी के हिसाब से लगभग 10 लाख रुपया केंद्र सरकार के पास पड़ा है और यह पैसा एक निजी कंपनी रिलायंस के अधीन है। अंबानी की कंपनी पर जो पैसा लगाया गया है उसका मूल्य अब 62000 रुपए पर मात्र 10000 रुपए ही बचा है।

सांसद व विधायक एक महीने में 15000 रुपए फोन भता लेते हैं और कभी भी इन लोगों ने इनकम टैक्स नहीं दिया, तो ऐसे में पूरे देश के मालिक राष्ट्रपति को सोचना चाहिए कि देश विकसित हो रहा है या फिर अविकसित।

राजनीति | दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का लगातार तीसरी बार सफाया

मुख्यमंत्री को हिमाचल के लोगों की सेहत से कुछ लेना देना नहीं: बिंदल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि मुख्यमंत्री का बयान सत्य से परे, हास्यास्पद एवं प्रदेश के हितों के साथ खिलवाड़ है।

उन्होंने कहा कि बिलासपुर में मुख्यमंत्री ने ऑल इंडिया इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल सांइसिस (एम्स) जैसे महत्वपूर्ण चिकित्सा संस्थान के उपर टिप्पणी करके यह साबित कर दिया है कि उनको हिमाचल के लोगों की सेहत से कुछ लेना देना नहीं है। वह संस्थान

बोले-बिलासपुर एम्स पर टिप्पणी करना गैर-जिम्मेदाराना

जिसको जगत प्रकाश नड्डा के मंत्रालय द्वारा दिया गया और लगातार नड्डा और हमीरपुर से सांसद अनुराग ठाकुर उसकी निरंतर चिंता कर रहे हैं, उस संस्थान को आगे बढ़ाने के बजाय उस पर टिप्पणी करना गैर-जिम्मेदाराना है।

इसी प्रकार मोदी सरकार द्वारा हिमाचल के इतिहास में पहली बार रेलवे का विस्तारीकरण शुरू हुआ है और रेलवे बिलासपुर तक पहुंची है, उस रेलवे प्रोजेक्ट का झूठा श्रेय लेने का प्रयास सुक्खू सरकार कर रही है, जबकि प्रदेश सरकार इस कार्य को तेज गति से आगे बढ़ाने में बाधाएं उत्पन्न करने का काम कर रही है, जो कि हिमाचल के जनमानस के हितों के साथ खिलवाड़ है।

भाजपा को गाली देकर समय बिता रही कांग्रेस

डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रदेश के बेरोजगार युवकों को धोखा देकर सत्ता में आई कांग्रेस आज भाजपा को गाली देकर अपना समय बिताने में लगी है। पहली कैबिनेट में एक लाख सरकारी नौकरी व 5 लाख रोजगार देने की गारंटी देकर युवाओं को ठगा और सवा दो साल में न नौकरी, न रोजगार, केवल और केवल भाजपा को कोसने का काम कांग्रेस सरकार कर रही है, यह निंदनीय है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का लगातार तीसरी बार सफाया हो गया है, वह 70 सीटों पर चुनाव लड़कर एक भी सीट नहीं जीत पाई। दिल्ली प्रांत के चुनावों में कांग्रेस पार्टी की सभी सीटों पर जमानत जब्त होना हिमाचल की कांग्रेस के लिए व सरकार के लिए खुला संदेश है कि कांग्रेस की नीयत और नीति जन विरोधी है, इसलिए देश के जिन तीन राज्यों में झूठ के आधार पर कांग्रेस की सरकारे बनी, वह सरकारें भी अगले चुनावो में नहीं रहेंगी।

एलर्जी तब होती है, जब हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली किसी हानिरहित पदार्थ को हानिकारक मानकर अत्यधिक प्रतिक्रिया देती है। भारत में बढ़ते प्रदूषण, बदलती जीवनशैली और असंतुलित खानपान के कारण एलर्जी की घटनाएं बढ़ रही हैं। एलर्जी किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकती है, लेकिन बच्चों में यह अधिक आम होती है। सही समय पर सही उपचार न मिलने पर यह जीवनभर की समस्या बन सकती है।

प्रदूषण, असंतुलित खानपान और जीवनशैली में बदलाव एलर्जी की वजह

डॉ. आशुतोष भारद्वाज
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी एवं रजिस्ट्रार, हिमाचल होम्योपैथिक चिकित्सा प्रणाली परिषद, शिमला

एलर्जी के प्रकार

श्वसन एलर्जी : धूल, पराग कण, धुआं, पालतू जानवरों के बाल, और फफूंद के कारण होती है।
खाद्य एलर्जीः दूध, मूंगफली, अंडे, समुद्री भोजन, गेहूं और सोया से एलर्जी आम है।
त्वचा एलर्जी : एक्जिमा, अर्टिकेरिया, डर्मेटाइटिस और संपर्क एलर्जी।
दवा एलर्जीः कुछ एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक, और इंजेक्शन से एलर्जी हो सकती है।
कीट एलर्जी : मधुमक्खी, ततैया, चींटी आदि के काटने से एलर्जी।

एलर्जी के कारण

प्रदूषण : धूल, धुआं और केमिकल प्रदूषण मुख्य कारण हैं।
आनुवंशिकताः माता-पिता को एलर्जी हो तो बच्चों में होने की संभावना अधिक होती है।
आधुनिक जीवनशैली : प्रोसेस्ड फूड, कम शारीरिक गतिविधि और रसायनों के संपर्क में आने से एलर्जी बढ़ती है।
प्रतिरक्षा प्रणाली की असंतुलित प्रतिक्रियाः शरीर हानिरहित पदार्थों को हानिकारक मानकर प्रतिक्रिया देता है।

भारत में एलर्जी ग्रस्त लोग

25-30 प्रतिशत भारतीय किसी न किसी एलर्जी से प्रभावित हैं। 5-10 प्रतिशत लोग गंभीर एलर्जी रिएक्शन से ग्रस्त हैं। अस्थमा और एलर्जिक राइनाइटिस जैसी श्वसन एलर्जी तेजी से बढ़ रही हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में खाद्य एलर्जी बढ़ती जा रही है।

प्रस्तुति : अनिल शर्मा, मंडी

ऐसे करें बचाव

- घर में साफ-सफाई रखें।
- वायु शोधक का उपयोग करें।
- पदार्थों की सावधानीपूर्वक जांच करें।
- धूल, पराग और जानवरों के संपर्क से बचें।
- प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए संतुलित आहार लें।
- सही समय पर चिकित्सीय परामर्श लें।

होम्योपैथी सबसे प्रभावी चिकित्सा पद्धति

होम्योपैथी बच्चों और वयस्कों दोनों के लिए सबसे सुरक्षित और प्रभावी चिकित्सा पद्धति है। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा संचालित साप्ताहिक एलर्जी क्लीनिक एलर्जी पीड़ितों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। यदि आपको या आपके किसी परिचित को एलर्जी की समस्या है, तो निकटतम होम्योपैथिक स्वास्थ्य केंद्र जाकर निशुल्क उपचार का लाभ उठाएं। होम्योपैथी एलर्जी का केवल लक्षणात्मक उपचार नहीं करती, बल्कि शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाकर एलर्जी को जड़ से खत्म करने में मदद करती है। यह उपचार व्यक्ति के संपूर्ण स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर दिया जाता है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और एलर्जी के बार-बार होने की संभावना कम हो जाती है।

बच्चों में एलर्जी और होम्योपैथिक उपचार

बच्चों में एलर्जी तेजी से बढ़ रही है, क्योंकि उनका प्रतिरक्षा तंत्र पूरी तरह विकसित नहीं होता। होम्योपैथी बच्चों की एलर्जी का सबसे सुरक्षित और प्रभावी उपचार है, क्योंकि यह बिना किसी दुष्प्रभाव के उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

होम्योपैथिक दवाइयां

- **सिफिलिनमः** बार-बार होने वाली त्वचा एलर्जी के लिए।
- **ट्युबर्कुलिनम :** बच्चों में अस्थमा और बार-बार होने वाली श्वसन एलर्जी के लिए।
- **कार्सिनोसिन :** आनुवंशिक एलर्जी वाले बच्चों के लिए।

__सावधानियांः__ होम्योपैथी उपचार केवल योग्य और पंजीकृत होम्योपैथिक डॉक्टर से ही करवाएं। अशिक्षित चिकित्सकों या बिना प्रमाणित ज्ञान वाले लोगों से दवा न लें। एलर्जी का सही उपचार न मिलने पर यह जीवनभर की समस्या बन सकती है।

हिमाचल में साप्ताहिक एलर्जी क्लीनिक और निशुल्क उपचार

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा आयुष विभाग के अंतर्गत सभी होम्योपैथिक स्वास्थ्य केंद्रों पर साप्ताहिक एलर्जी क्लीनिक संचालित किए जा रहे हैं। इन क्लीनिकों में एलर्जी से पीड़ित मरीजों को निशुल्क परामर्श और होम्योपैथिक दवाइयां प्रदान की जाती हैं। इसके लिए निकटतम होम्योपैथिक स्वास्थ्य केंद्र पर जाएं। एलर्जी क्लीनिक के दिन व समय की जानकारी लें। निशुल्क परामर्श व उपचार प्राप्त करें। होम्योपैथिक दवाओं का नियमित सेवन करें।

एलर्जी के लिए होम्योपैथिक दवाएं

- **अरसेनिक एल्बमः** श्वसन एलर्जी, धूल-मिट्टी से एलर्जी, और अस्थमा के लिए।
- **अलियम सिपाः** छींक, आंखों में जलन और पराग कण से एलर्जी के लिए।
- **नैट्रम म्यूरः** एक्जिमा, त्वचा एलर्जी और सर्दी-खांसी की प्रवृत्ति के लिए।
- **अपिस मेल :** कीड़ों के काटने से सूजन और खुजली के लिए।
- **सल्फर :** त्वचा पर जलन, खुजली और लाल चकत्तों के लिए।
- **हिस्टामिनम :** सामान्य एलर्जी प्रतिक्रिया में राहत देने के लिए।
- **काली बाइक्रोमः** गाढ़े बलगम, साइनस एलर्जी और क्रॉनिक सर्दी के लिए।
- **ब्लेट्टा ओरिएंटलिसः** अस्थमा और श्वसन समस्याओं में उपयोगी।
- **ब्रोमियम :** गर्मी और आर्द्रता से बढ़ने वाली एलर्जी के लिए।
- **सांबुकसः** रात में होने वाली सांस की तकलीफ और एलर्जिक रिएक्शन के लिए।
- **अरुंडो :** पराग कण एलर्जी, छींक और नाक में खुजली के लिए।
- **अर्टिका यूरेंसः** त्वचा एलर्जी, अर्टिकेरिया और जलन के लिए।

इन दवाओं का प्रयोग प्रशिक्षित होम्योपैथी चिकित्सक की निगरानी में करना चाहिए, ताकि मरीज को सही डोज और पोटेंसी में सही दवा दी जा सके।

फुट कॉर्न
पांव में होने वाली कठोर गांठ

पैरों में कॉर्न को हिंदी में मोजा या घांस (गांठ) कहा जाता है। कॉर्न त्वचा की कठोर परतें होती हैं, जो दबाव या रगड़ के प्रति सुरक्षात्मक प्रतिक्रिया के रूप में विकसित होती हैं। कॉर्न अक्सर अंगुलियों के ऊपर, तलवे के नीचे या एड़ी के आसपास होते हैं और चलने-फिरने में दर्द या असुविधा पैदा कर सकते हैं।

कॉर्न के लक्षण

- **त्वचा का कठोर और मोटा होनाः** कॉर्न छोटे, गोल और कठोर त्वचा वाले हिस्सों के रूप में दिखाई देते हैं, जिनके केंद्र में एक कठोर कोर (गूदा) हो सकता है।
- **दर्द या कोमलता :** कॉर्न पर दबाव पड़ने पर, खासकर चलते समय या जूते पहनते समय, दर्द या असहजता महसूस हो सकती है।
- **उभरे हुए, खुरदुरे दाने :** कॉर्न अक्सर उभरे हुए या गांठदार महसूस होते हैं और छूने पर खुरदुरे लगते हैं।
- **सूखी या मोमी बनावट :** कॉर्न वाली त्वचा सूखी, परतदार या मोम जैसी दिखाई दे सकती है।
- **कहां होते हैं कॉर्न :** कॉर्न आमतौर पर उन जगहों पर विकसित होते हैं, जहां त्वचा पर लगातार रगड़ या दबाव पड़ता है, जैसे अंगुलियों के ऊपर या किनारों पर, पैर के तलवे के अगले हिस्से (बॉल ऑफ फुट) पर, या अंगुलियों के बीच में।

डॉ. निधि जोशी
गांधीधाम, कच्छ (गुजरात)

कॉर्न बनने के कारण

कॉर्न त्वचा पर बार-बार रगड़ या दबाव के कारण विकसित होते हैं। इसके मुख्य कारणों में शामिल हैं।

- **गलत फिटिंग वाले जूते :** बहुत तंग या बहुत ढीले जूते पहनने से पैरों पर दबाव या रगड़ पैदा होती है।
- **हाई हील्स पहनना :** हाई हील्स पहनने से पैरों के कुछ हिस्सों, विशेषकर तलवे के अगले हिस्से (बॉल ऑफ फुट) पर अधिक दबाव पड़ता है।
- **पैरों की विकृति :** बनियन या हैमरटो जैसी स्थितियां पैरों की संरचना को बदल देती हैं, जिससे कुछ हिस्सों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और कॉर्न बनने लगते हैं।
- **नंगे पांव चलना :** खुरदरी सतहों पर बिना उचित सुरक्षा के नंगे पांव चलने से पैरों के तलवों पर कॉर्न बन सकते हैं।
- **असामान्य चालः** चलने के तरीके या पैरों की संरचना में असमानता के कारण कुछ हिस्सों पर अधिक रगड़ और दबाव पड़ता है, जिससे कॉर्न बनने की संभावना बढ़ जाती है।

जीवनशैली और घरेलू उपाय

1. **पैरों को भिगोना**
   पैरों को 10-15 मिनट तक गुनगुने पानी में भिगोने से त्वचा नरम हो जाती है, जिससे कॉर्न की मोटी परत को धीरे-धीरे प्यूमिक स्टोन (झांवा पत्थर) की मदद से हटाना आसान हो जाता है।
2. **नियमित मॉइस्चराइजिंग**
   पैरों की त्वचा को मॉइस्चराइज रखना कॉर्न को सूखने और कठोर होने से रोकता है।
3. **सही जूते चुनना**
   हमेशा आरामदायक और सही फिटिंग वाले जूते पहनें, जिनमें अंगुलियों के लिए पर्याप्त जगह हो। ऐसे जूते या हाई हील्स से बचें जो पैरों पर रगड़ या दबाव डालते हों।
4. **फुट पैड्स का उपयोग**
   कॉर्न पर कुशन वाले पैड्स या कॉर्न प्लास्टर लगाने से दबाव कम होता है और उपचार के दौरान प्रभावित क्षेत्र की सुरक्षा होती है।

होम्योपैथी में कॉर्न का इलाज

होम्योपैथी कॉर्न के इलाज के लिए समग्र (होलिस्टिक) दृष्टिकोण अपनाती है, जो न केवल शारीरिक लक्षणों को, बल्कि शरीर में मौजूद आंतरिक असंतुलनों को भी संबोधित करने पर केंद्रित होती है। होम्योपैथिक उपचार शरीर की प्राकृतिक उपचार प्रक्रिया को उत्तेजित करते हैं, जिससे दर्द से राहत मिलती है और कॉर्न धीरे-धीरे मुलायम होकर बिना किसी शल्य चिकित्सा के समाप्त हो जाते हैं।

प्रेग्नेंसी के दौरान अपना ख्याल रखें महिलाएं

महिला की जिंदगी में प्रेग्नेंसी खुशी देने वाला अनुभव होता है। प्रेग्नेंसी सिर्फ पति-पत्नी के ही नहीं, बल्कि दो परिवारों के रिश्ते की नींव को भी मजबूत करती है। ऐसे में महिला को प्रेग्नेंसी में अपना ख्याल रखना चाहिए, लेकिन ऐसा होता है कि पहली बार प्रेग्नेंट होने की वजह से महिलाओं को ज्यादा जानकारी नहीं होती और अनजाने में भूल कर बैठती हैं। कई ऐसी भी हैं जो सुनी सुनाई बातों पर अमल कर गलती कर बैठती हैं। प्रेग्नेंसी में महिला क्या खा-पी रही है, क्या बोल-सुन रही है, किस माहौल में है, इसका असर बच्चे पर पड़ता है। प्रेग्नेंसी खुशी देती है। सिटी अस्पताल कांगड़ा के स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. प्रदीप मक्कड़ ऐसी जानकरियां दे रहे हैं जिनको फॉलो कर प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाएं अपने आप पूरी तरह से स्वस्थ रख सकती हैं।

डॉ. प्रदीप मक्कड़
स्त्री रोग विशेषज्ञ
सिटी अस्पताल कांगड़ा

कैसे पता करें कि आप गर्भवती हैं?

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप मक्कड़ के अनुसार कई चीजें हैं, जो प्रेग्नेंसी पर असर कर सकती है। प्रेग्नेंसी का अंदाजा साधारण तौर पर पीरियड्स मिस होने पर लगाया जाता है, लेकिन इसके अलावा भी कई लक्षण हैं। सिर दर्द, थोड़ी मात्रा में ब्लीडिंग या स्पॉटिंग होना, वजन बढ़ना, कब्ज, सीने में जलन, खून की कमी, नींद न आना, उल्टी, दस्त भी प्रेग्नेंसी के लक्षण के तौर पर दिखाई दे सकते हैं। कोई भी लक्षण दिखते ही जांच कराना चाहिए। अगर प्रेग्नेंसी है तो और डॉक्टर द्वारा दिए गए टिप्स को अपनाना चाहिए। डा. प्रदीप मक्कड़ का कहना है कि प्रेग्नेंसी में मौसम और हफ्ते-महीने के हिसाब से डाइट और केयर बदल जाती हैं। हर हफ्ते और महीने में गर्भवती महिला को कोई न कोई बदलाव दिखाई देते है। अजन्मा बच्चा गर्भ में अपनी मां से पोषण लेता हैं, इसलिए गर्भवती महिला को खुद और बच्चे की सेहत का ध्यान रखते हुए खाना खाना चाहिए। प्रेग्नेंसी में महिला की डाइट बढ़ जाती है और संतुलित खाना न खाने से प्रेग्नेंसी पर कब्ज, डायरिया जैसे बुरे असर दिखने लगते हैं। खाने पीने के अलावा भी कई ऐसी चीजें हैं, जिसका प्रेग्नेंसी में ध्यान रखना चाहिए। कुछ एक्टिविटी या आदतें मां और बच्चे दोनों पर गलत असर डालती हैं, कुछ से मिसकैरिज होने तक की संभावना होती हैं। इसके अलावा प्रेग्नेंसी में अच्छी आदतों को अपनाने से बच्चे का विकास बेहतर होता हैं। प्रेग्नेंसी में क्या करना चाहिए, क्या नहीं करना चाहिए, इसकी जानकारी जरूरी हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

प्रेग्नेंसी के पहले तीन महीने में ज्यादा पानी पीना शुरू कर दें। यदि डाइट के जरिए संतुलित मात्रा में विटामिन नहीं ले पा रही हैं, तो डॉक्टर की सलाह पर विटामिन सप्लीमेंट लें। प्रोटीन युक्त चीजें जैसे गेंहू की रोटी, दाल, मछली, अंडे में भरपूर मात्रा लें, इसे अपनी डाइट में संतुलित मात्रा में शामिल करें। प्रेग्नेंसी में हड्डियां मजबूत होना जरूरी हैं, इसलिए रोजाना शाम को दूध पिएं। कैल्शियम वाली चीजें जैसे दही, पनीर, छाछ जैसी चीजें लें। प्रेग्नेंसी में खुद का ख्याल रखने के लिए सबसे बेहतर ये है, जो भी खा रहे हैं, उसे सही समय खाएं। जैसे शाम को दही लेने पर नुकसान होता है, दिन में खाने के साथ दही लेना, सही समय है। मक्का और गेंहू का बना दलिया रोजाना खाएं, इससे कार्बोहाइड्रेट की कमी दूर हो जाएगी। प्रेग्नेंसी में आयरन की डबल जरूरत होती है, इसके लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, सोयाबीन, सेम की फली लें। यदि आप नॉन-वेजेटेरियन है तो अपने डाइजेशन के हिसाब से मटन-चिकन भी खा सकती है। शरीर में विटामिन बी की कमी को पूरा करने के लिए दाल, फलियां जरूर खाएं। आयोडीन से बच्चे के दिमाग का विकास होता है। इस बात का ध्यान रखें कि आयोडीन की कमी से गर्भपात (डपेबंततपंहम) की संभावना होती है। आयोडीन की कमी दूर करने के लिए दूध, अंडे जैसी चीजें खाई जा सकती है। कार्बोहाइड्रेट एनर्जी का खास जरिया होता है, इसकी कमी से थकान महसूस होने लगती है। इसलिए कार्बोहाइड्रेट की कमी को दूर करने के लिए दलिया, रोटी, केला, ब्राउन राइस जरूर खाएं।

प्रस्तुति : संजय अग्रवाल, धर्मशाला

ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं के लिए एक गंभीर समस्या

आज के दौर में दुनिया भर में महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर की बीमारी एक गंभीर समस्या बन चुकी है। यह कैंसर ब्रेस्ट के टिशू में होने वाला एक कैंसर है। यह तब शुरू होता है, जब ब्रेस्ट सेल्स अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगते हैं और ट्यूमर का रूप ले लेते हैं। ब्रेस्ट कैंसर दुनिया के हर देश में महिलाओं में प्यूबर्टी के बाद किसी भी उम्र में होता है लेकिन बाद के जीवन में इसकी दर बढ़ जाती है। हेल्थ एक्सपर्ट डॉ एन.के गुप्ता का कहना है कि अगर समय पर ब्रेस्ट कैंसर का पता न चले और इलाज न किया जाए तो यह आसपास के ब्रेस्ट टिशू में फैल सकता है और गंभीर रूप ले सकता है। साथ ही इससे मरीज की मौत भी हो सकती है। वहीं, अगर इसके लक्षणों को पहचानते हुए इसका टेस्ट जल्दी करा लिया जाए तो इलाज आसान हो जाता है और इससे ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है।

डॉ. एनके गुप्ता
हेल्थ एक्सपर्ट

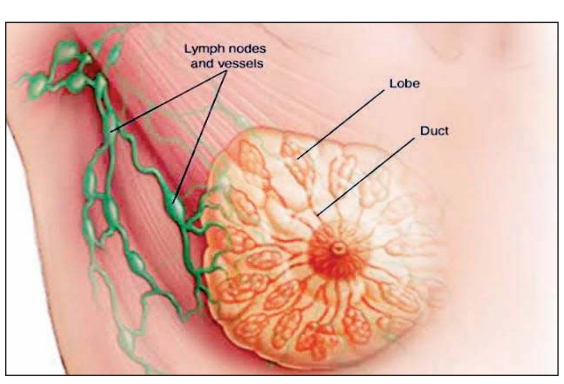

ब्रेस्ट कैंसर के कारण

हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. एनके गुप्ता बताते हैं कि ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं को होने वाला आम कैंसर है, लेकिन बहुत कम लोगों को यह पता है कि यह महिलाओं के अलावा पुरुषों में भी विकसित होता है। इसकी कई वजहें हो सकती हैं, जैसे कि ब्रेस्टफीडिंग न कराना मोटापा अधिक शराब पीना स्मोकिंग हार्मोन ट्रीटमेंट अधिक उम्र में शादी और प्रेग्नेंसी फैमिली हिस्ट्री शारीरिक गतिविधि की कमी बढ़ती उम्र है।

लक्षण

ब्रेस्ट कैंसर से होने वाली मौतों को कम करने के लिए जरूरी है कि आपको इसके लक्षणों के बारे में पता हो, ताकि इसका निदान करके समय पर इलाज शुरू किया जा सके। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि कैंसर के अर्ली स्टेज पर अधिकांश लोगों को कैंसर का कोई भी लक्षण अनुभव नहीं होगा। ब्रेस्ट कैंसर में लक्षणों का कॉम्बिनेशन हो सकता है। ये रहे ब्रेस्ट कैंसर के कुछ लक्षण- स्तन में गांठ या मोटा होना, अक्सर बिना दर्द के ब्रेस्ट या निप्पल के आकार में बदलाव होना त्वचा में गड्ढे, लालिमा या अन्य परिवर्तन निपल की अपीयरेंस या निपल के आसपास की त्वचा में परिवर्तन (एरिओला) निपल से असामान्य या खूनी तरल पदार्थ।

उपाय

ब्रेस्ट कैंसर समेत तमाम गंभीर बीमारियों से बचने के लिए डाइट का हेल्दी और संतुलित होना जरूरी है। इससे आप लंबी और स्वस्थ जिंदगी जी सकते हैं। अपनी डाइट में ताजे फल, सब्जियां, प्रोटीन और अनाज को शामिल करें। ज्यादा शुगर, फैट वाली चीजें, फास्ट फूड, तली-भुनी चीजों, प्रोसेस्ड मीट, और रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट से बचें। ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को टालने के लिए जरूरी है कि स्मोकिंग और अल्कोहल पीने की आदतों से दूरी बनाई जाए। इसके अलावा शारीरिक तौर पर खुद को एक्टिव रखें। इसके लिए रोजाना योग या एक्सरसाइज करें। अपने वेट को नियंत्रण में रखें। स्तनपान कराने से ब्रेस्ट कैंसर का खतरा कम होता है। स्तनपान कराने से हार्मोन एस्ट्रोजन का स्तर कम होता है, जिससे स्तन कैंसर कोशिकाओं का विकास कम होता है।

प्रस्तुति : आर. मोहन चौहान, सोलन

बदलते मौसम में सेहत का रखें खास ध्यान

मौसम का बदलाव और बच्चों की परीक्षाएं, दोनों एक साथ आती हैं, इसलिए माता-पिता को बच्चे की देखभाल और जीवन-शैली का विशेष ध्यान रखना चाहिए, ताकि बच्चे बीमार न पड़ें और परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। बच्चों के सही आहार, नींद, व्यायाम और खेलकूद पर भी ध्यान देना चाहिए। इस मौसम में बच्चों को बुखार, नाक बंद होना, खांसी, गले में खराश, छींक आना, शरीर में दर्द और संक्रमण होने लगते हैं। इस मौसम में बच्चों को केवल सर्दी-जुकाम ही परेशान नहीं करता, बल्कि उल्टी, दस्त, त्वचा में संक्रमण, पेट के रोग, डिहाइड्रेशन, निमोनिया भी हो सकता है। अपनी जीवन शैली को भी मौसम के अनुकूल बनाने का प्रयास करें। अक्सर देखा गया है कि बच्चे खान-पान और रहन-सहन को लेकर लापरवाही बरतते हैं, जिससे वे बीमारी का शिकार हो जाते हैं। बच्चे जरा-सी गर्मी महसूस होते ही टोपी और जुराब आदि पहनना बंद कर देते हैं। शाम को अचानक सर्दी शुरू होते ही वे ठंड की चपेट में आ जाते हैं। इस समय साफ-सफाई का ध्यान रखना भी जरूरी होता है, क्योंकि मौसम बदलते ही बैक्टीरिया जनित बीमारियां भी शुरू हो जाती हैं।

तबीयत खराब है तो घर पर ही रहें

अगर आपकी तबीयत खराब है तो आप घर पर ही रहकर आराम करें या फिर वर्क फ्रॉम होम कर लें, ताकि बाकी लोग बीमार पड़ने से बच जाएं। इंफेक्शन से बचने के लिए भीड़-भाड़ वाले इलाके में न जाएं। अगर कोई व्यक्ति पहले से ही जुकाम या बुखार से पीड़ित है तो उससे हाथ मिलाने या गले लगने से बचें और दूरी बनाकर रखें। मौसम तेजी से बदल रहा है, इसलिए सुबह-शाम ठंड और दोपहर में गर्मी महसूस होती है। ऐसे में जो लोग दोपहर को बाहर से आते हैं, उन्हें घर आते ही एसी या पंखा चलाने की इच्छा महसूस होती है, लेकिन ऐसी गलती भूलकर भी न करें, क्योंकि बीमारी की सबसे बड़ी वजह यही है। इससे सर्दी-गर्मी हो जाती है, जिससे कुछ देर बाद बुखार महसूस होने लगता है। इसलिए जब भी बाहर से आए, गर्मी महसूस हो तो भी पंखा न चलाएं, बल्कि कुछ देर आराम से बैठें। तापमान अपने आप सामान्य लगने लगेगा।

अपने हाथों को रखें साफ

जुकाम और फ्लू जैसी बीमारियों से बचने का सबसे आसान तरीका है हाथों को साफ रखना। हमारे हाथ हमेशा ही गंदे रहते हैं, क्योंकि ज्यादातर लोग अपने हाथों को सामने रखकर खांसते या छींकते हैं या फिर पूरे समय अपनी नाक को हाथों से ही पोंछते रहते हैं। इसलिए अपने हाथों को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोना बेहद जरूरी है। अगर आप ऐसी जगह पर हैं, जहां आप हैंडवॉश नहीं कर सकतीं, तो सैनिटाइजर अपने साथ रखें और इसका इस्तेमाल करती रहें। अस्थमा से पीड़ित हैं तो खुद को गरम रखें और डॉक्टर के बताए सभी निर्देशों का पालन करती रहें। अगर एक्जिमा हो गया है तो त्वचा पर नारियल या सूरजमुखी का तेल लगाती रहें और डॉक्टर की सलाह पर दवा का इस्तेमाल करें।

डॉ. शैलेंद्र रावल
एमडी मेडिसिन
देवभूमि अद्वैता हार्ट एंड मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, ऊना

ग्रीन या ब्लैक टी पीएं

जिन्हें जल्दी जुकाम, बुखार जैसी बीमारियां जकड़ लेती हैं, उनका इम्यून सिस्टम कमजोर होता है। ऐसी महिलाओं को अपने आहार में ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए, जो इम्यूनिटी को मजबूत बनाएं। आप ग्रीन टी या ब्लैक टी पी सकती हैं, लेकिन दिन में केवल एक या दो कप ही पीएं। इसे ज्यादा पीना नुकसानदायक हो सकता है। इसके अलावा आप कच्चा लहसुन, दही, ओट्स, विटामिन डी और सी युक्त पदार्थ, जैसे कि नींबू और आंवले का सेवन कर सकती हैं।

आहार में कार्बोहाइड्रेट ज्यादा मात्रा में लें

बदलते मौसम में मूड स्विंग ज्यादा होता है, इसलिए आप आहार में कार्बोहाइड्रेट ज्यादा मात्रा में लें। ये आहार मूड स्विंग और अवसाद से दूर रखने में सहायक होते हैं और दिल-दिमाग को अच्छा महसूस कराता है। चावल, गेहूं, सेब और ड्राई फ्रूट्स में कार्बोहाइड्रेट ज्यादा पाया जाता है। आप अपने आहार में विटामिन डी को भी शामिल करें। इस मौसम में फल और सब्जियों का ज्यादा सेवन करना चाहिए। गाजर, मूली, टमाटर जैसी सब्जियां अधिक मात्रा में लेनी चाहिए, क्योंकि इन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपको बीमारियों से बचाते हैं। अधिक जानकारी के लिए अपने चिकित्सक से संपर्क करें।

प्रस्तुति : राजेश शर्मा, ऊना

न्यूज ब्रीफ

डॉ. अंजू राणा ने उत्तीर्ण की नीट परीक्षा

अनंत ज्ञान, शाहपुर। शाहपुर के धारकंडी क्षेत्र केगांव डिब्बा निवासी छिद्दर सिंह व श्रेष्ठा देवी की बेटी डॉ. अंजू राणा ने कठिन मेहनत कर 98.88 प्रतिशत के साथ देशभर में 2.55 लाख छात्रों में से 2576वीं की अखिल भारतीय रैंक के साथ नीट पीजी परीक्षा उत्तीर्ण की है। डॉ. अंजू राणा ने अच्छा रैंक हासिल कर महाराष्ट्र के वर्धा में स्थित महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस में एमडी जनरल मेडिसिन में दाखिला हासिल किया है।

दिल्ली में भाजपा की जीत पर जताई खुशी

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। पूर्व वन मंत्री राकेश पठानिया ने रविवार को रैहन में समर्थकों सहित मिठाई बांटते हुए दिल्ली में हुई भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर खुशी जाहिर की। इस दौरान मिडिया से रू-ब-रू होते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें टीम सहित दिल्ली के जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र में उक्त चुनावों दौरान प्रभारी के रूप में कार्य करने का मौका था। टीम के सहयोग से हम आजादी के बाद पहली बार वहां के प्रत्याशी को चुनाव जीताने में सफल रहे। अब दिल्ली की जीत के बाद विधानसभा फतेहपुर में पिछले करीब 22 सालों से चल रहे सूखे को भी खत्म करना है।

स्वयंसेवियों को दी जैविक खेती की जानकारी

अनंत ज्ञान, शाहपुर। राजकीय महाविद्यालय लंज में रविवार को सात दिवसीय एनएसएस शिविर के अंतर्गत स्वयंसेवियों को क्लस्टर कॉर्डिनेटर अजय कुमार ने जैविक खेती एवंवातावरण संरक्षण से सबंधित जानकारी दी। वहीं, पूजा देवी, जोकि किसी एनजीओ में ब्लॉक कॉर्डिनेटर हैं, नेक्लाइमेट चेंज और क्लाइमेट जस्टिस विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। अजय कुमार ने स्वयंसेवियों को जलवायु परिवर्तन के कारण, इससे हमारे जीवन और भविष्य में होने वाले प्रभावों की गहन जानकारी के साथ इससे बचाव के बारे में भी बताया। यह व्याख्यान बच्चों, उनके परिवार और समाज में बदलाव लाने हेतु बहुत ही ज्ञानवर्धक और प्रशंसनीय था।

थुरल की प्राची शैक्षणिक भ्रमण पर विदेश रवाना

अनंत ज्ञान, डरोह। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थुरल की छात्रा प्राची शर्मा 50 मेधावी छात्र छात्राओं संग कंबोडिया और सिंगापुर में शैक्षणिक भ्रमण करेगी। प्राची शर्मा को शिमला छोड़ने गए उसके माता-पिता शीतल व अजय शर्मा ने बताया प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा हरि झंडी दे कर रवाना किया। साथ ही उन्होंने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को रवाना करने से पहले उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश के इतिहास में पहली बार सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को विदेश भ्रमण पर भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस 11 दिवसीय शैक्षिक भ्रमण में बच्चे कंबोडिया और सिंगापुर में न केवल ऐतिहासिक धरोहरों का भ्रमण करेंगे, बल्कि वहां की संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों, वास्तुकला, विज्ञान और तकनीकी विकास को भी जान पाएंगे, और 17 फरवरी को वापस स्वदेश लौटेंगे। मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को टेबलेट और किट भी वितरित कीं। रवाना होने से पहले प्रधानाचार्य अनुपम बाला सहित स्कूल के सभी शिक्षकों ने प्राची शर्मा को उज्वल भविष्य की कामनाओं करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

जागोरी ने हेल्थ सेंटर नेरटी में लगाया शिविर

अनंत ज्ञान, गगल। जागोरी संस्था द्वारा नेरटी के हेल्थ सेंटर में शिविर लगाया गया जहां पैंतीस लड़कियों का स्वास्थ्य जांचा गया। जानकारी देते हुए जागोरी संस्था की कार्यकर्ता सोनिका ठाकुर और उर्मिला ने बताया कि नेरटी के हेल्थ सेंटर में शिवानी और हेल्थ वर्कर प्रसन्नता की अध्यक्षता में पैंतीस किशोरियों का चेकअप किया तो ज्यादातर किशोरियों में एनीमिया की कमी पाई गई। शिवानी ने बताया के किशोरियों में भार और ऊंचाई में बढ़ने की कमी पाई गई। उन्होंने किशोरियों को स्वास्थ्य के प्रति आह्वान किया के ज्यादातर लड़कियां जंक फूड से परहेज करें और फल और दूध जैसे पदार्थ जायदा से जायदा लें, ताकि सेहत अच्छी बने। इस अवसर पर शिविर में आशा वर्कर कामनी,निशा और आशा उपस्थित रहीं।

धार के कांगड़ी में स्थापित होगा 33केवी का सब-स्टेशन : गोमा

मंत्री ने मझेड़ा में पटवार वृत्त ऑफिस और पंचायत भवन लोगों को किए समर्पित

अजय पाल, पंचरुखी

आयुष युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री यादविंद्र गोमा ने ग्राम पंचायत मझेड़ा में 10 लाख से निर्मित पटवार वृत्त कार्यालय और 6 लाख से पंचायत भवन का लोकार्पण किया। गोमा ने लोगों को दोनों भवनों की बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र से हमेशा बहुत प्यार और समर्थन प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि जयसिंहपुर हलके का धार प्रमुख स्थान है और इस क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र की मांग के अनुरूप विकास को आगे बढ़ाया जाएगा। गोमा ने कहा कि धार क्षेत्र में बिजली की समस्या के स्थायी हल के लिए 33केवी सब-स्टेशन की स्वीकृति सरकार ने दे दी है और इसका निर्माण कार्य शीघ्र कांगड़ी में आरंभ होगा।

उन्होंने कहा कि टम्बरु में जल शक्ति विभाग का इंस्पेक्शन हट भी स्वीकृत किया गया है और इसका कार्य भी 3-4 माह में आरभ हो जायेगा। उन्होंने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन मझेडा का कार्य भी युद्ध स्तर पर जारी है और इसे शीघ्र लोगों को समर्पित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इलाके के सभी महिला मंडलों को प्रोत्साहन के रूप में राशि उपलब्ध करवाई गई है, ताकि महिला मंडल अपनी गतिविधियों को सही रूप में संचालित कर सकें।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भी स्वीकृत

आयुष मंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भी स्वीकृत किया गया है। अब तक सड़क से वंचित चिल्ला दी खोली तक सड़क पहुंचा दी गई है और शेष कार्य को भी शीघ्र पूर्ण करने के आदेश विभाग को दिए गए हैं। गांव रिड़ी और लुगट तक सड़क की टारिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त तिनबड़ में रेंन शेल्टर और सोलर हाई मास्क लाइट स्थापित कर दी गई है। मंत्री ने स्थानीय शमशानघाट तक सड़क बनाने, द्रुमका शमशानघाट के लिए धन उपलब्ध करवाने तथा विद्यालय की मांगों को पूर्ण करने और पटवार वृत्त कार्यालय के समीप डंगे और बाउंडरी वाल के लिए राशि देने की घोषणा की।

प्रेस परिषद के अध्यक्ष अंकित सूद के पिता सुभाष सूद का निधन

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। बैजनाथ प्रेस परिषद के अध्यक्ष अंकित सूद के पिता सुभाष सूद (81) का रविवार को निधन हो गया। वह पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। अंकित सूद पिछले 30 वर्षों से पत्रकारिता से जुड़े होन के साथ साथ गोसदन, श्मशान घाट कमेटी काली माता मंदिर कमेटी के अलावा भी कई अन्य सामाजिक संगठनों में भी अहम भूमिका अदा करते हैं। उनका अंतिम संस्कार बिनबा नदी के किनारे गणपति मुक्तिधाम में किया गया। सुभाष सूद के बड़े बेटे अरूनित सूद ने चिता को मुखाग्नि दी। उनके निधन पर लोकसभा सांसद राजीव भारद्वाज, राज्यसभा सांसद इंदु गोस्वामी, स्थानीय विधायक किशोरी लाल, पूर्व विधायक मुल्ख राज प्रेमी, पूर्व विधायक दूलो राम, बैजनाथ व्यापार मंडल के प्रधान मनोज कपूर, बैजनाथ प्रेस क्लब के अध्यक्ष विकास बाबा, महासचिव मनीष दीक्षित, पपरोला व्यापार मंडल के प्रधान मनोज सूद तथा अन्य सामाजिक संगठनों ने गहरा दुख जताया है।

हैप्पी बर्थडे

बुसकाड़ा (जवाली) की तन्वी चौधरी को जन्मदिन पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

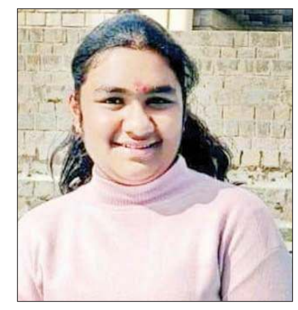

जोगिंद्रनगर की अनवेशा बावा को जन्मदिन पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

जोगिंद्रनगर की वृतांशी बंटा को जन्मदिन पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

एयरपोर्ट का केस हाईकोर्ट में है, अवार्ड घोषित न हो : मोना

अनंत ज्ञान, गगल

एयरपोर्ट विस्तार की बैठक आज संघर्ष समिति के अध्यक्ष रजनीश मोना की अध्यक्षता में हुई, जिसमें एयरपोर्ट से विस्थापित हो रहे सभी लोग शामिल हुए। उन्होंने कहा है कि जब तक यह मामला हाईकोर्ट में चल रहा है, तब तक हमारे गांव में कोई भी अवार्ड घोषित न किया जाए।

उन्होंने कहा है कि यह जमीन सरकारी है व सरकार की है फिर ये लोगों को पैसा क्यों दे रहे हैं। फिर भी सरकार ने कोर्ट में कहा है कि हम किसी को भी उजाड़ नहीं रहे हैं उन्होंने कहा की मांजी के ऊपर बीस मीटर ऊंचे पुल पर बापकोस कंपनी पुल का निर्माण करने जा रही है, जिस पर ग्रामीणों ने सरकार को सूचित किया कि यही पुल कुल्लू एयरपोर्ट के ब्यास नदी में क्यों नहीं बना रही है, जबकि कुल्लू मनाली में सबसे ज्यादा टूरिस्ट आते हैं। रजनीश मोना ने कहा है कि पर्यटन विभाग के उपनिदेशक विनय धीमान कौन होते हैं, जो राजनेताओं की तरह बयान दे रहे हैं कि बापकोस कंपनी इस पुल का कार्य जल्द शुरू करने जा रही है। ग्रामीण ने दो टूक शब्दों में कहा है कि एयरपोर्ट सरकार बनाएं, लेकिन यहां के बजाय और कहीं। उन्होंने कहा कि बौड़क्कालू और दलोह बाग में सैकड़ों कनाल भूमि बंजर पड़ी हुई है, वहां पर इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी बन जाएगा और लोगों के लिए रोजगार के साधन भी खुल जाएंगे। उन्होंने कहा कि जब तक हमारे गांव में अवार्ड घोषित नहीं होता है तब तक कोई भी बैंक कर्मचारी गांव के अंदर प्रवेश न करे। इस बैठक में संघर्ष समिति के अध्यक्ष रजनीश मोना ने वो पत्र भी ग्रामीणों को दिखाया तथा पत्रकारों को भी उसकी प्रतिलिपियां दीं, जो मुख्यमंत्री के विशेष सचिव ने 21 जनवरी को जिलाधीश कांगड़ा को लिखा है।

विधायक ने चनियारा में महिला मंडल भवन का किया लोकार्पण

कहा, प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए वचनबद्ध

अनंत ज्ञान, बैजनाथ

विधायक किशोरी लाल ने ग्राम पंचायत कुदैल के कटोच बस्ती चनियारा में 5 लाख की लागत से निर्मित महिला मंडल भवन का लोकार्पण कर स्थानीय जनता को समर्पित किया। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए वचनबद्ध है।

उन्होंने कहा कि गांवों में बेहतर सड़क, स्वास्थ्य तथा शिक्षा की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बैजनाथ विस क्षेत्र में पंचायतों में विकास कार्यों के लिए किसी भी स्तर पर धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। विधायक किशोरी लाल ने महिला मंडल भवन निर्माण के लिए जमीन दान करने पर शकुंतला देवी का आभार प्रकट किया। शकुंतला देवी ने समाज सेवा की भावना से प्रेरित होकर इस भवन के लिए अपनी भूमि दान की, जिससे क्षेत्र की महिलाओं को एक समर्पित सभा स्थल उपलब्ध हुआ है।

उन्होंने कहा कि यह भवन महिलाओं के सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह केंद्र महिला मंडल की बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सामाजिक गतिविधियों के लिए उपयोगी साबित होगा। उन्होंने कटोच बस्ती चनियारा में भद्र घर बनवाने के लिए 2 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त स्थानीय निवासियों द्वारा रखी सभी मांगों को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने का आश्वासन दिया।

धमेटा की टीम ने नूरपुर को हराया

अनंत ज्ञान, जवाली। खेल मैदान जवाली में डोबा प्रीमियर लीग-3 क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ, जिसमें समाजसेवी दिनेश निखिल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। खेल मैदान में पहुंचने पर आयोजक अजय जंबाल, सात्विक व अखिल सहित सदस्यों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। उनको स्मृति चिंह देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद मुख्यातिथि ने दोनों टीमों के साथ परिचय किया। धमेटा व नूरपुर की टीमों के बीच पहला मैच हुआ। मुख्यातिथि ने सिक्का उछालकर टॉस किया, जिसमें धमेटा टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम ने निर्धारित पांच ओवरों में 74 रन बनाए, जबकि नूरपुर की टीम मात्र 18 रन बनाकर आउट हो गई। धमेटा की टीम विजेता रही। आयोजक अजय जवाल ने कहा कि इस प्रतियोगिता में 50 टीमें भाग लेंगी। समाजसेवी दिनेश निखिल ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। उन्होंने आयोजकों को 5100 रुपए की नकद राशि देकर प्रोत्साहित किया।

विवेका फाउंडेशंज स्कूल पालमपुर में विदाई समारोह आयोजित

सोनल को मिस, उदय कटोच को मिस्टर विवेका फाउंडेशंज के खिताब से नवाजा

राकेश डोगरा, डरोह

शनिवार को प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान विवेका फाउंडेशंज वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पालमपुर में बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए रंगारंग विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत सरस्वती वंदना व ज्योति प्रज्ज्वलित करके की गई। कार्यक्रम में मजेदार खेलों की एक श्रृंखला थी, जिसने दिन में उत्साह भर दिया।

इसके बाद विद्यालय की संस्थापक, प्राचार्य एवं निर्देशिका कुसुम राणा, प्राचार्या मनीषा अग्रवाल और प्रधानाध्यापिका, सुषमा सिंह के प्रेरणादायक शब्दों से विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। उनके प्रोत्साहन और ज्ञान के शब्दों ने छात्रों को आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ अपने जीवन के अगले चरण में कदम रखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करके बारहवीं के विद्यार्थियों को आगामी शैक्षणिक अध्ययन के लिए शुभकामनाएं दीं। विदा होने वाले विद्यार्थियों को विभिन्न टाइटल एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने अपने-अपने विद्यालय में बीते दिनों की खट्टी मीठी यादों को साझा किया, जिसको सुनकर सभी भावविभोर हो उठे। समारोह के दौरान मिस व मिस्टर विवेका फाउंडेशंज का खिताब उदय कटोच व सोनल को दिया और मिस्टर पर्सनैलिटी व पर्सनैलिटी का खिताब मिस्टर सूर्यांश कटोच व सोनल पठानिया को दिया। इसके साथ ही मिस फेयरवेल व मिस्टर फेयरवेल का खिताब ऋषि और शिवांशी को दिया गया। विद्यालय की मैनेजमेंट कमेटी ने इस अवसर पर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। (अनंत ज्ञान)

एसएसबीएमटी के तीसरे दिन खेले क्रिकेट और वॉलीबाल के 4-4 मैच

अनंत ज्ञान, पालमपुर

52वें एसएसबीएमटी आउटडोर फाइनल्स के तीसरे दिन रविवार को माहौल उमंग से भरा था। आज के दिन 4 क्रिकेट एवं 4 वॉलीबाल के लीग मैच खेले गए तथा दोपहर बाद दोनों खेलों के सेमीफाइनल मुकाबले हुए। डॉ. सुदेश कुमार यादव, निदेशक सीएसआईआर-आईएचबीटी, ने टॉस के साथ आज के मैचों की शुरुआत की। गत दिनों की तरह आईएचबीटी कृषि विवि पालमपुर, जीएसएसएस चौंतरा एवं बैजनाथ मैदान में ये मैच खेले गए।

ये टीमें रहीं विजेता

क्रिकेट सेमीफाइनल्स सीएसआईआर-सीडीआरआई, लखनऊ और सीएसआईआर-आईआईसीटी हैदराबाद तथा सीएसआईआर-एनएएल बेंगलुरु और सीएसआईआर-एनआईओ गोवा के बीच खेले गए। रोमांचक प्रतिस्पर्धा के बाद सीएसआईआर-एनएएल बेंगलुरु और सीएसआईआर-आईआईसीटी हैदराबाद ने अपने मैच जीत लिए। वहीं, वॉलीबॉल सेमीफाइनल में अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराने के बाद सीएसआईआर-एनएएल, बेंगलुरु और सीएसआईआर-सीईईआरआई, पिलानी ने फाइनल में प्रवेश किया। टूर्नामेंट के फाइनल मैच 10 फरवरी यानी आज खेले जाएंगे।

चुनावों में दिल्ली की जनता का जनादेश स्वीकार : सुदर्शन शर्मा

भूषण शर्मा, नूरपुर

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजे सामने आ चुके हैं और भारतीय जनता पार्टी को 48 सीटें मिली है। वहीं, लगातार तीन बार सरकार बनाने का सपना देख रही आम आदमी पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर कांग्रेस एक बार फिर शून्य पर सिमट गई। दिल्ली चुनाव में कांग्रेस के 70 में से 67 उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त हो गई। 70 सीटों पर हारने के बाद भी कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली चुनाव में खेला कर दिया। परिणामों को लेकर हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुर्दशन शर्मा का बयान सामने आया है। उन्होंने दिल्ली चुनाव में हार स्वीकार की है व कहा है कि वह दिल्ली की जनता का जनादेश कबूल करते हैं।

उन्होंने बीजेपी को बधाई भी दी है। एक वीडियो संदेश जारी कर कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली की जनता का जो भी फैसला है, हम उसे स्वीकार करते हैं। साथ ही बीजेपी को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने चुनावों के समय जो गरंटियां दी थीं, उनमें से आदि गारंटियां पूरी हो गई हैं। बाकी भी अगामी समय में पूरी हो जाएंगी। (अनंत ज्ञान)

चेलियां में बकरियों को शिकार बना रहे आवारा कुत्ते

अनंत ज्ञान, जवाली

उपमंडल जवाली के अंतर्गत आने वाले पंचायत नढोली के वार्ड नंबर 5 चेलियां में पिछले कुछ समय से आवारा और बेसहारा कुत्तों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे स्थानीय निवासियों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गली-मोहल्लों में इन कुत्तों की अराजक स्थिति के कारण लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

चेलियां गांव में रविवार को एक दुखद घटना सामने आई जब मोहिंदर सिंह की बकरी को आवारा कुत्तों ने नोचकर मार डाला। स्थानीय निवासी हरनाम सिंह विक्की,जीत कुमार, मोहिंदर सिंह, पंचायत सदस्य सुरेंद्र कुमार ने बताया कि इन कुत्तों के लगातार हमले से लोग भयभीत हैं। खासकर बच्चे और बुजुर्गों के लिए यह समस्या और भी गंभीर हो गई है। क्षेत्रवासियों ने इस बढ़ते खतरे के मद्देनजर प्रशासन और से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि आवारा कुत्तों के आतंक के कारण रोजमर्रा के कामों में भी बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं और यह स्थिति जल्द नियंत्रण में लाने की आवश्यकता है।

अच्छे नागरिक बनने के साथ लक्ष्य को पाने के लिए करें कड़ी मेहनत : राकेश

लिटिल फ्लावर स्कूल दुराना में जमा दो के विद्यार्थियों को दी विदाई पार्टी

अनिल छांगू, जवाली

लिटिल फ्लावर वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल दुराना में जमा दो के विद्यार्थियों को जमा एक के बच्चों ने विदाई पार्टी दी। बच्चों का स्कूल पहुंचने पर तिलक लगाकर स्वागत कियागया। प्रिंसिपल राकेश कुमार ने बच्चों को अच्छे नागरिक बनकर अपने लक्ष्य को पाने के लिए कड़ी मेहनत करने को कहा। उन्होंने कहा कि यही मौका होता है, जब बच्चे स्कूल से निकल कॉलेज या अन्य विश्वविद्यालयों में कोर्स करने जाते हैं। ऐसे में आगे के लिए इन चार से पांच वर्ष में खूब मेहनत करें,

ताकि जिंदगी के अगले 40 साल आराम से निकलें। उन्होंने बच्चों से नशे से दूर रहकर अपने लक्ष्य पर ही फोकस रखने को कहा। कार्यक्रम में दिव्यांश कौशल को मिस्टर फेयरवेल व वंशिका राणा को मिस फेयरवेल के टाइटल से नवाजा गया। इस दौरान बच्चों ने डीजे की धुन पर नाचकर खूब मस्ती की। स्कूल के चैयरमैन किशोर चंद ने जमा दो के बच्चों को वार्षिक परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उज्वल भविष्य की कामना की। (अनंत ज्ञान)

ज्वालामुखी मंदिर में भिखारियों की फौज कर रही श्रद्धालुओं का स्वागतः सुरुचि शर्मा

अनंत ज्ञान, ज्वालामुखी। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत सह विशेष संपर्क प्रमुख सुरुचि शर्मा ने अपनी टीम सहित मां ज्वालादेवी जी के दरबार में शीश नवाया। उन्होंने देखा कि मंदिर परिसर के अंदर भिखारियों की फौज श्रद्धालुओं को भीख मांगने के नाम पर परेशान कर रही है, जोकि एक गंभीर विषय है। इसमें छोटे बच्चों से लेकर महिलाएं भी भीख मांगकर श्रद्धालुओं को परेशान कर रही हैं। मंदिर परिसर में भीख मांगना सनातन संस्कृति के विरुद्ध है। भीख मांग कर सनातन संस्कृति को बदनाम किया जा रहा, जिसके चलते श्रद्धालुओं की आस्था को भी गहरी ठेस पहुंच रही है। उन्होंने मंदिर प्रशासन से आग्रह किया है कि मंदिर परिसर से इन भिखारियों को हटाया जाए। उन्होंने मंदिर प्रशासन से आग्रह किया है कि इन भिखारियों के खिलाफ प्रशासन कड़ा संज्ञान ले, अन्यथा विहिप इन भिखारियों को खदेड़ने के लिए स्वयं संज्ञान लेने पर मजबूर होना पड़ेगा। इस अवसर पर विहिप के प्रांत सह विशेष संपर्क प्रमुख सुरुचि शर्मा, देहरा के पालक पवन बजरंगी,बलविंदर शर्मा हिल व्यू सोसाइटी झाड़माजरी, प्रधान वासु जमवाल,दीप आर्य सचिव,कपिल भाटी कोषाध्यक्ष, अजय सिंह, एसएस ठाकुर, विशाल व देशराज भाटिया आदि ने मां ज्वालादेवी की दिव्य ज्योतियों के दर्शन किए।

पुलिस ने पंचरुखी बाजार में काटे चालान

अनंत ज्ञान, पंचरुखी। पंचरुखी बाजार में प्रतिदिन लग रहे ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए थाना प्रभारी विद्या सागर की अगुवाई में पुलिस ने अभियान छेड़ दिया है। रविवार को पंचरुखी पुलिस ने बाजार में बेतरतीब खड़े वाहनों के चालान काटे व दुकानों से बाहर फुटपाथ पर रखे सामान को भी हटवाया। बताते चले कि पंचरुखी बाजार मे खरीददार व कुछ दुकानदार दुकानों के आगे वाहन खड़े कर देते थे, जिससे कारण घंटों जाम की स्थिति बनी रहती थी, जिसके कारण रोजमर्रा के कार्यों पर निकले लोगों को बहुत मुश्किल होती थी। थाना प्रभारी विद्या सागर ने बताया कि बहुत दिनों से लोगों कि शिकायत आ रही थी कि सड़क किनारे खड़े वाहनों के कारण जाम लग रहा है, जिसके चलते हमने अभियान छेड़ दिया है। थाना प्रभारी ने कहा कि जिन दुकानदारों ने अपनी दुकान से बाहर फुटपाथ पर सामान लगाया है आज हमने उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया है। अगर दोबारा उन्होंने सामान लगाया तो चालन काट दिया जाएगा।

गुरचाल के ग्रामीणों को पेयजल की समस्या

अनंत ज्ञान, नूरपुर। नूरपुर उपमंडल मंडल के अंतर्गत गुरचाल गांव में जनजातीय समुदाय के 6 परिवार कई महीनों से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं उन्हें कभी भी नियमित रूप से पानी की सप्लाई नहीं आ रही है। हिमाचल कांग्रेस कमेटी जनजातीय विभाग के पूर्व प्रदेश महासचिव व गद्दी यूनियन नूरपुर मंडल के मुख्य सलाहकार जगदीश चौहान ने बताया कि इन छह घरों में 12 दिनों से पानी की कोई भी सप्लाई नहीं आई है। उन्होंने समस्या बारे कनिष्ठ अभियंता से संपर्क किया तो उन्होंने दूसरे सर्कल के कर्मचारियों को एक दिन भेजा, जिन्होंने मात्र 20 मिनट पानी छोड़ा और उसकी फोटो खींचकर चले गए। प्रभावित परिवारों ने मांग की है कि उनके लिए एक अलग पानी की लाइन डालकर इसका स्थायी समाधान किया जाए।

निर्देश — प्रदेश कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन संजय चौहान ने मालग में सुनीं लोगों की समस्याएं

अधिकारियों को पेयजल की समस्या तुरंत हल करने के निर्देश

अनंत ज्ञान, डरोह

हिमाचल प्रदेश कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन संजय सिंह चौहान ने आज मालग में स्थानीय जनता तथा आसपास लगती पंचायतों से आए जनमानस की जन समस्याएं सुनीं। इन समस्याओं में पेयजल की मुख्य शिकायतें थीं, जिन्हें अध्यक्ष ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से वार्ता करके तुरंत हल कर दिया तथा हाल ही में मालग गांव में लगाए गए हैंडपंप का जल पी कर उसकी गुणवत्ता आंकी। चौहान ने कुछ दिन पहले खैरा में आ रहे प्रदूषित पेयजल की शिकायतों को देखते हुए मालग में लगाए गए हैंडपंप का जल स्वयं पीकर देखने का निर्णय लिया है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि वह जनता के स्वास्थ्य के साथ कोई खिलवाड़ बर्दास्त नहीं करेंगे। संजय सिंह चौहान ने अपने संबोधन में यह

भी कहा कि मालग गांव की भौगोलिक स्थिति इस प्रकार है कि एक ओर जंगल है जहां से सांभर व सूअर खेतों में घुसकर फसलों को उजाड़ देते हैं और दूसरी ओर गहराई में होने के कारण जल की समस्या सदैव बनी रहती है, इसलिए वह संबंधित विभागों से वार्ता कर माननीय मुख्यमंत्री से आग्रह करेंगे कि खेतों की विशेष विद्युतीय बाड़ाबंदी करवाने और पेयजल एवं सिंचाई जल आपूर्ति की विशेष परियोजना इस क्षेत्र को दी जाए। उन्होंने मालग गांव में पिछले वर्ष हुई बरसात में तबाह हुए मकानों व सड़क की करवाई गई मरम्मत का भी निरीक्षण किया।

अभिषेक सूद को अध्यक्ष, पंकज शर्मा को चुना उपाध्यक्ष

अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर। कंवर दुर्गा चंद राजकीय महाविद्यालय जयसिंहपुर में पूर्व छात्र संघ का गठन किया गया। प्राचार्य प्रो. उपेंद्र शर्मा के संरक्षण में नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया, जिसमें अभिषेक सूद को अध्यक्ष, पंकज शर्मा को उपाध्यक्ष, प्रो. रविंद्र कुमार को सचिव, आशुतोष अवस्थी को सह सचिव, प्रो. विकास कलोत्रा को कोषाध्यक्ष, नितिन सूद और विशाल कुमार को कार्यकारी सदस्य नियुक्त किया गया।

शिमला-बिलासपुर

न्यूज ब्रीफ

शैक्षणिक संस्थानों ने जारी किए कक्षाओं के शेड्यूल

अनंत ज्ञान, शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू) द्वारा अकादमिक कैलेंडर व तय टीचिंग दिवस के अनुसार शैक्षणिक गतिविधियां अमल में लाने के लिए जारी किए गए आदेशों के बाद विभिन्न विभागों, संस्थानों व केंद्रों ने कक्षाओं का टाइम टेबल/शेड्यूल जारी करना शुरू कर दिया है। कुछ विभागों व संस्थानों ने यह शेड्यूल जारी कर दिया है। अब आगामी दिनों में शेष विभाग व संस्थान भी कक्षाओं का शेड्यूल जारी कर देंगे। शीतकालीन अवकाश समाप्त होने के तुरंत बाद विभिन्न शैक्षणिक विभागों के अलावा संस्थानों व केंद्रों में नियमित कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। कक्षाएं 18 फरवरी से शुरू होंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने 13 फरवरी तक अकादमिक कैलेंडर व टाइम टेबल डीन ऑफ स्टडीज कार्यालय में सबमिट करने के निर्देश विभागों, संस्थानों व केंद्रों के अध्यक्षों/निदेशकों/मुखिया को दे रखे हैं। एचपीयू ने सभी विभागों व संस्थानों को टाइम टेबल अपने नोटिस बोर्ड व वैबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। उसके बाद अगर कोई बदलाव किया जाता है तो संबंधित विभाग व शिक्षण संस्थान को इस संबंध में सूचना डीन ऑफ स्टडीज को भेजने के निर्देश दे रखे हैं।

मोदी सरकार मददगार सरकार : राकेश

अनंत ज्ञान, शिमला। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता राकेश जम्वाल ने कहा कि केंद्र ने हिमाचल के लिए किसी भी प्रकार की कमी नहीं रखी है। अफसोस की बात यह है कि कुछ कांग्रेस के नेता विधानसभा समिति के दौरे के दौरान भी केंद्र सरकार बारे दुष्प्रचार कर रहे है। उन्होंने कहा कि हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते है कि केंद्र की भाजपा सरकार ने हिमाचल प्रदेश को हर संभव मदद दी है। प्रदेश में प्राकृतिक खेती को विकसित करने के लिए केंद्र सरकार भी हर संभव मदद दे रही है। अभी तक हिमाचल सरकार अपने दम पर इस काम को आगे बढ़ा रही थी मगर अब केंद्र सरकार ने जो मिशन पूरे देश के लिए लागू किया है, उसमें हिमाचल को केंद्र से विशेष सहायता मिल जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार ने कुछ दिनों पहले ही विस्तृत प्रोजेक्ट बनाकर भेज दिया है, जिसकी मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है। इसमें अब क्लस्टर कम कर दिए गए हैं। पहले 1100 क्लस्टर बताए जा रहे थे, मगर अब जो प्रोजेक्ट भेजा है उसमें 435 कलस्टर भेजे हैं, जिनमें प्राकृतिक खेती का काम किया जाएगा। एक क्लस्टर 50 हेक्टेयर का होता है। हिमाचल ने केंद्र सरकार को नेशनल मिशन के तहत 161 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट भेजा है। इसमें दस फीसदी हिस्सेदारी राज्य सरकार को वहन करनी होगी, 90 फीसदी सबसिडी होगी।

भाजपा की जीत पर जुब्बल में मनाया जश्न

दशमी रावत, जुब्बल। रविवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली जीत का जोरदार जश्न मनाया। प्रदेश प्रवक्ता चेतन बरागटा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता जुब्बल बाजार में एकत्रित हुए। जहां आतिशबाजी और जय श्रीराम नारों का उद्घोष करते हुए जश्न मनाया गया। बरागटा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक विजय दिलाने के लिए दिल्ली की देवतुल्य जनता का हृदय से आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार की नीतियों पर यह जनता की मुहर हैं। यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत और पार्टी की जन-कल्याणकारी नीतियों पर जनता के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली में नई सरकार बनने की बात कही। बरागटा ने कहा कि दिल्ली की जनता ने केजरीवाल के झूठे वादों को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि दिल्ली में शुरू हुई विकास यात्रा अन्य प्रदेशों में भी जारी रहेगी। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जुब्बल मंडल अध्यक्षा मीनाक्षी मांटा सहित वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छटोल जटा और आसपास आज पावर कट

अनंत ज्ञान बिजली बंद

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। विद्युत उपमंडल नं.1 के अंतर्गत आने वाले अनुभाग घागस में 11केवी बैरी घागस फीडर पर लाइनों की मरम्मत व आवश्यक रखरखाव का कार्य किया जाना है। इसके कारण छटोल जटा, सुंगल, सिहडा, नोग बैरी, कुड्डी भराथू जंगल सुंगल व आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति 10 फरवरी को प्रातः 11 बजे से शाम से 4बजे तक बाधित रहेगी। जानकारी देते हुए सहायक अभियंता ई. दिनेश कौंडल ने बताया कि मौसम व परिस्थितियों के अनुसार कार्य में बदलाव किया जा सकता है।

भाजपा पचा नहीं पा रही करोड़ों की सौगातें : संदीप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व मीडिया कोऑर्डिनेटर संदीप सांख्यान ने जारी वक्तव्य में कहा है कि केंद्र सरकार की निरंकुश वित्तिय नीतियों के बाबजूद भी प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने करोड़ो की सौगातें श्री नयना देवी जी विधानसभा क्षेत्र के लोंगो को दी जो वहां से भाजपा के तीन बार के विधायक और भाजपा के मुख्य प्रवक्ता पचा नहीं पा रहे हैं। संदीप सांख्यान ने प्रश्न खड़े करते हुए भाजपा के श्री नयना देवी जी विधानसभा क्षेत्र के विधायक से पूछा है कि प्रदेश से सात सांसद दिल्ली की केंद्र सरकार में बैठे हैं। वह प्रदेश को फूटी कौड़ी तक नहीं दिलवा पा है ऐसे में आपकी बयानबाजी प्रदेश के मुख्यमंत्री पर ठीक नहीं है, जबकि इसके विपरीत प्रदेश के मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार द्वारा प्राप्त राजस्व से श्री नयना देवी जी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए कई नई परिभाषाएं लिख दी हैं, जो भाजपा नेताओं को समझ नहीं आ रही है।

बिलासपुर कॉलेज परिसर में की साफ-सफाई

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में डॉ. पीएस कटवाल के निर्देशन में स्वच्छता अभियान के तहत जीव विज्ञान और वनस्पति विभाग के द्वारा कॉलेज परिसर की साफ-सफाई की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने लगन और उत्साह के साथ महाविद्यालय परिसर व बाहर झाड़ी कटान, प्लास्टिक और पॉलिथीन एकत्रित कर सफाई की तथा वनस्पति विभाग ने हर्बल गार्डन की साफ-सफाई की। महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर कटवाल ने बताया कि महाविद्यालय के अलग-अलग क्षेत्र में विभिन्न संकायो के द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय की प्रोफेसर कॉलोनी के साथ के क्षेत्र को साफ सफाई करके बगीचे में बदल दिया गया है , जिससे यहां का वातावरण हरा भरा रह। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व से अवगत भी करवाया और इसे अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

विशेष हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण सत्र होगा आयोजित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। ऑन्कोलॉजी विभाग, जूनियर रेजिडेंट्स और नर्सिंग ऑफिसर्स के लिए **chemoport** इम्प्लांटेशन, **pleure** कैथेटर इन्सर्शन और बायोप्सी गन के उपयोग पर विशेष हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण सत्र का आयोजन कर रहा है। यह प्रशिक्षण इन महत्वपूर्ण चिकित्सा प्रक्रियाओं में व्यावहारिक कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, ताकि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में काम कर रहे पेशेवरों को इन तकनीकों में महारत हासिल हो सके। डॉ. चित्रेश शर्मा, डॉ. प्रवेश धीमान और डॉ. मुनींदर नेगी के नेतृत्व में आयोजित इस प्रशिक्षण में लगभग 100 डॉक्टरों और नर्सों को इन आवश्यक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा, जो कैंसर रोगियों के उपचार और देखभाल में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संस्कार सोसायटी ने जागरूक किए लोग

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान के अंतर्गत घर-गांव जागरूकता अभियान को आगे बढ़ाते हुए घुमारवीं की अग्रणी संस्था संस्कार सोसायटी द्वारा कोटलु ब्रह्मणा, पनोह, कोट, पडयालग गांव मे जाकर स्थानीय लोगों को जागरूक किया । संस्था के संस्थापक महेंद्र धर्माणी ने कहा कि अगर किसी का बच्चा चिट्टा के नशे का आदि हो तो हमें उसे डराने के बजाए उसकी काउंसलिंग करनी चाहिए और चिट्टा बेचने वालों की सूचना पुलिस को देनी चाहिए । उन्होंने कहा कि जब लोगों को पता है कि चिट्टा बेचने वाले कौन लोग है तो पुलिस को क्यों पता नहीं होता या पुलिस जानबूझ कर नशे के सप्लायरों को नहीं पकड़ती है इसलिये पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध है । पुलिस को भी चिट्टा सप्लायरों के साथ सख्ती बरतनी होगी। महेंद्र धर्माणी ने लोगो से घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान से जुड़ने की अपील की और युवा पीढ़ी को चिट्टे से कैसे बचाया जाए इसपर सोचने को कहा । उन्होंने गांव के बड़े बजुर्गो से आग्रह किया कि इस अभियान में आगे आये और अपनी युवा पीढ़ी को बचाने में अपनी भागीदारी दे। संस्था पिछले एक वर्ष से इस अभियान को निरंतर चला रही है। घुमारवीं के पंचायतों के प्रतिनिधियों, शिक्षण संस्थानों में जाकर जागरूकता का कार्यक्रम कर चुकी है और स्कूली बच्चों के लिए उपमंडल स्तर की पेंटिंग प्रतियोगिता भी करवा चुकी है।

कोलडैम जलाशय में स्टिल वाटर गतिविधियां शुरू होने से तत्तापानी बना मिनी गोवा

साहसिक व रोमांचकारी पर्यटन गंतव्य के रूप में उभरा तत्तापानी

महेंद्र कुमार/लक्की, सुन्नी/करसोग

हिमाचल को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने के प्रदेश सरकार के प्रयास रंग लाने लगे हैं। यहां की झीलों व जलाशयों में स्टिल वाटर गतिविधियां शुरू होने से साहसिक व रोमांचकारी पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है।

सरकार की सोच का ही परिणाम है कि झील में विभिन्न मनोरंजक जलीय गतिविधियों के कारण तत्तापानी मिनी गोवा बन कर उभरा है। करसोग और ऋषि जम्दाग्नि की तपोभूमि तत्तापानी में सतलुज नदी पर बनी झील में होने वाली विभिन्न जलीय गतिविधियां करवा रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

जेट स्की, स्पीड वोट आदि उपलब्ध

तत्तापानी झील में चलने वाली जेट स्की, स्पीड वोट, बंपर वोट, बनाना राइड, ई-फॉयल, वाटर स्की, एटीवी बाइक आदि पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं। वर्तमान में यहां 8 जेट स्की, 10 स्पीड वोट, एक बंपर वोट, एक बनाना राइड, 2 जेटोवेटर, 4 ई-फॉयल, 2 वाटर स्की और 2 एटीवी बाइक संचालित की जा रही हैं। प्रशिक्षित गाइड व चालकों की देखरेख में इनका संचालन किया जा रहा है।

पर्यटन सीजन में प्रतिदिन पहुंच रहे 500 पर्यटक

कारोबारी एवं तत्तापानी वाटर स्पोर्ट्स एसोशिएसन के सचिव प्रेम रैना ने बताया कि झील में स्टिल वाटर एक्टिविटीज शुरू होने से क्षेत्र साहसिक व रोमांचक पर्यटन गंतव्य के रूप में उभरा है। पर्यटन सीजन में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां और प्रतिदिन 400 से 500 पर्यटक तत्तापानी पहुंच रहे हैं। राज्य सरकार को भी अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हो रहा है।

2015 में बनी थी झील

कोलडैम बनने से वर्ष 2015 में तत्तापानी में जलाशय बना था। झील में स्टिल वाटर एक्टिविटी शुरू करने के लिए सरकार द्वारा नियम बनाए गए। जलक्रीड़ा से संबंधित गतिविधियां शुरू करने के लिए एजेंसी का पंजीकरण हुआ।

मनोरंजन के साथ रोजगार

यहां लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार भी मिला है। यहां पर लगभग 200 से 250 लोग रोजगार से जुड़े हैं, जिनमें 35 को प्रत्यक्ष रोजगार झील में होने वाली जलक्रीड़ा गतिविधियों से मिला है। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से व्यापारियों को भी लाभ मिल रहा है।

देशभर से पहुंच रहे पर्यटक

झील में देशभर से पर्यटक तत्तापानी पहुंच रहे हैं। इनमें मुख्य रूप से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों के पर्यटक शामिल हैं। शिमला की सैर पर आने वाले पर्यटक इसका लाभ होटलियर्स को भी मिल रहा है।

भूकंप रोधी तकनीक से भवन और मकानों का होगा निर्माण

अनंत ज्ञान, शिमला

हिमाचल प्रदेश एक भूकंपीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र है, जहां समय-समय पर भूकंप का खतरा बना रहता है।

जापान, नेपाल, ताइवान, इंडोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी और वानुअतु जैसे देशों में आए भूकंपों से हुए भारी नुकसान से सबक लेते हुए, हिमाचल प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने राज्य में भूकंप रोधी मकानों के निर्माण को बढ़ावा देने की योजना बनाई है।

इस योजना के तहत प्रदेश में भवनों को भूकंपरोधी बनाने के लिए विशेष तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे भूकंप के प्रभाव को न्यूनतम किया जा सके।

लोग सीख रहे निर्माण की आधुनिक तकनीक

प्रशिक्षण समन्वयक जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राकेश का कहना है कि जिला कुल्लू के विकास खंड कुल्लू और बंजार में पेशेवर लोग निर्माण की आधुनिक तकनीक सीख रहे हैं। कुल्लू के तहत आने वाले पेशेवरों को राजकीय बहुतकनीकी संस्थान से उबाग तथा बंजार के पेशेवरों को खंड विकास अधिकारी कार्यालय में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

भूकंप रोधी निर्माण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रदेश सरकार और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने इस योजना को सफल बनाने के लिए निर्माण से जुड़े पेशेवरों को प्रशिक्षित करने की पहल की है। इसके तहत प्रत्येक पंचायत से पांच-पांच निर्माण पेशेवरों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि वे अपने स्थानीय स्तर पर भूकंपरोधी मकान बनाने में सहयोग कर सकें।

कर्मचारियों व पेंशनरों को देश में समान वेतन व पेंशन दी जाए : विपन

दशमी रावत, रोहड़ू

राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ संबंधित एवं हिमाचल पेंशनर महासंघ ने केंद्र व प्रदेश सरकारों से पुरे देश में कार्यरत कर्मचारियों को एक समान वेतनमान, पेंशन व अन्य सुविधाएं देने की मांग की है।

केंद्र सरकार द्वारा 8वें वेतन आयोग के गठन व आयकर में 12 लाख रुपए तक की आय में छूट के लिए प्रधानमंत्री मोदी व वित्त मंत्री का धन्यवाद व्यक्त किया है।

राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपन कुमार डोगरा, हिमाचल पेंशनर महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष ईंद्र ठाकुर, प्रांतीय महामंत्री बृज लाल शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम लाल शर्मा, प्रांतीय उपाध्यक्ष सुरजीत राणा सहित आदि ने केंद्र सरकार से पूरे देश में सभी विभागों, बोर्डों व निगमों में पुरानी पेंशन लागू करने की मांग की हैं। उन्होंने बताया कि एनपीएस व यूपीएस कर्मचारी हित में नहीं है।

कर्मचारी नेताओं ने हिमाचल सरकार से भी 2026 से संशोधित होने वाले वेतनमान भी केंद्र के समान देने की मांग की हैं।

महासंघ ने हिमाचल सरकार द्वारा विद्युत बोर्ड में समाप्त किए जा रहे पदों पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए अविलंब इस कार्यवाही को रद्द करने की मांग की है। महासंघ ने बजट में कर्मचारियों व पेंशनरों की पूरी करने की मांग की है।(अनंत ज्ञान)

ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बना रहा हिमइरा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

महिलाओं को सशक्त और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की हिमाचल प्रदेश सरकार की पहल के आशाजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री सुक्खू ने 3 जनवरी 2025 को आधिकारिक तौर पर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म लॉन्च किया था और अब तक इसे अति उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है।

केरल, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के ग्राहकों को अब तक 1,050 ऑनलाइन ऑर्डर सफलतापूर्वक वितरित किए जा चुके हैं जोकि प्लेटफॉर्म की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। ई-कॉमर्स में एकीकरण के साथ स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद अब पेटीएम और मॉय स्टोर प्लेटफॉर्म पर

स्वचालित रूप से सूचीबद्ध हो रहे हैं जिससे वे देश भर के खरीदारों के लिए सुलभ हो जाते हैं। राज्य भर के स्वयं सहायता समूहों ने इस कदम का तहे दिल से स्वागत किया है। साईनाथ स्वयं सहायता समूह में शामिल होने के बाद सोलन जिले की नालागढ़ निवासी जसविंद्र कौर के जीवन में अहम बदलाव आया है। वित्तीय सहायता और पशुधन तथा गैर-कृषि गतिविधियों के लिए 60,000 रुपए के ऋण के साथ उन्होंने गाय के गोबर से उत्पाद बनाने का काम शुरू किया। उनकी मासिक आय जो कभी मात्र 1,000 रुपए हुआ करती थी अब 20 हजार रुपए हो गई है।

कांगड़ा जिले के सुलह की मेघा देवी की सफलता की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। श्री गणेश स्वयं सहायता समूह में शामिल होने के बाद उन्होंने डोना-पत्तल का उद्यम शुरू किया। उनकी मासिक आय 5 हजार रुपए से बढ़कर 20 हजार रुपए हो गई है।

लाहौल-स्पीति जिले के केलांग में रिग्जिन को कांगला बेरी स्वयं सहायता समूह के माध्यम से जीवन में आगे बढ़ने का एक नया अवसर मिला। कृषि, पशुपालन, हस्तशिल्प और हथकरघा से जुड़कर मासिक आय 4 हजार से बढ़कर 25 हजार रुपए हो गई है।

दिल्ली चुनाव में चेतन बरागटा ने निभाई जिम्मेदारी

अनंत ज्ञान, जुब्बल। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा राष्ट्रीय नेतृत्व ने चेतन बरागटा को आईटी व सोशल मीडिया के प्रदेश प्रभारी का दायित्व सौंपा था। चुनाव के दौरान दो माह तक बरागटा ने दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों के बूथों में जाकर कार्यकर्ताओं की बैठकें ली। दिल्ली फतह करने में बतौर प्रदेश प्रभारी बरागटा ने अहम भूमिका निभाई।

जुब्बल पहुंचने पर भाजपा मंडल के कार्यकताओं द्वारा बरागटा का अभिनंदन भी किया गया। नवंबर 2024 को भाजपा राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा चेतन बरागटा को दिल्ली चुनाव के लिए आईटी एवं सोशल मीडिया का प्रभारी नियुक्त किया। बीते दो माह से बरागटा दिल्ली चुनाव में बूथ स्तर पर जाकर कार्य करते रहे।

नशा माफिया के खिलाफ गांव-गांव निकाली जाएगी शव यात्रा : अख्तर

परिवार के लिए बोझ बन जाता है नशे का आदी इंसान : दिव्यगंना

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

हिमाचल रेनबो स्टार क्लब एवं लाडली फाउंडेशन द्वारा स्थानीय सर्किट हाउस बिलासपुर में ऑपरेशन मुक्ति नशा निवारण अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिमाचल रेनबो स्टार क्लब के संस्थापक अध्यक्ष इशान अख्तर द्वारा की गई। इसमें ऑपरेशन मुक्ति नशा निवारण अभियान के राज्य सह संयोजक दिव्यगंना मेहता ने बतौर मुख्यातिथि एवं विशेष अतिथि शीला सिंह ने शिरकत की। हिमाचली परंपरा अनुसार आयोजक इशान अख्तर, श्याम लाल पंवार, सुशील पुंडीर नीलम सूद ने मुख्यातिथि दिव्यगंना मेहता एवं विशेष अतिथि शीला सिंह को हिमाचल टोपी, शाल एवं माता वैष्णो देवी से लाई चुनरी देकर सम्मानित किया गया।

इशान अख्तर ने कहा कि ऑपरेशन मुक्ति नशा निवारण अभियान के तहत हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में गांव

स्तर पर नशा माफिया के खिलाफ शव यात्रा निकाली जाएगी। नशे के दलदल में फंसे युवाओं को बाहर निकालने हेतु उनकी काउंसलिंग की जाएगी।

वहीं, कार्यक्रम की मुख्यातिथि दिव्यगंना मेहता सेमिनार में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नशे करने वाला व्यक्ति परिवार के लिए बोझ स्वरूप हो जाता है, उसकी समाज एवं राष्ट्र के लिया उपादेयता शून्य हो जाती है। वह नशे से अपराध की ओर अग्रसर हो जाता है तथा शांतिपूर्ण समाज के लिए अभिशाप बन जाता है। विशेष अतिथि शीला सिंह ने कहा कि समाज में ज्यादातर अपराध नशे की वजह से अंजाम दिए जाते है। जब लोगों की नसों में खून की जगह नशा दौड़ता है तो परिवार और समाज पतन की तरफ चले जाते हैं। जो युवा अपनी काबिलियत और रचनात्मक कार्यों की बदौलत समाज को ऊंचाइयों पर ले जाते सकते हैं वही युवा नशे की वजह से समाज पर बोझ बन कर खोंखला और कमजोर बना देते हैं।

घुमारवीं में मिला मृत बारहसिंगा

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

वन विभाग परिक्षेत्र घुमारवीं के तहत रविवार सुबह शहर के समीप एक बारहसिंगा मृत अवस्था में पाया गया। मामला नगर परिषद घुमारवीं के तहत वार्ड नंबर एक बड़ड़ू वार्ड का है, जहां पर रविवार सुबह लोक निर्माण विभाग के विश्रामगृह के पास लोगों ने एक बारहसिंगा को मृत अवस्था में पाया। रविवार सुबह जब कुछ लोग खेतों की तरफ निकले तो उन्होंने एक बारहसिंगा जमीन पर गिरा हुआ देखा। काफी देर इंतजार करने के बाद नजदीक जाने पर पता चला कि बारहसिंगा की मौत हो चुकी है।

लोगों ने इसकी जानकारी वन विभाग घुमारवीं को दी। वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे।

उन्होंने जांच की तो पाया कि उसकी मौत हो चुकी है। विभाग के अनुसार बारहसिंगा की एक टांग पर कुछ चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे अनुमान लगाया जा रहा की ऊंचाई से गिरने के कारण उसकी मौत हुई है। हालांकि मौत के असल कारणों का पता पोस्टमार्टम करवाने के बाद ही चल पाएगा। वन विभाग के अनुसार सोमवार को बारहसिंगा का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। उधर, वन विभाग परिक्षेत्र घुमारवीं के बीओ देशराज संधू ने बताया कि सूचना मिली थी कि घुमारवीं विश्राम गृह के पास एक बारहसिंगा मृत अवस्था में मिला है। सोमवार को पोस्टमार्टम करवाया जाएगा, इसके बाद मौत के कारण का पता चल पाएगा।

झंडूता में आज लगेगा स्वास्थ्य जांच शिविर

अनंत ज्ञान, झंडूता। सर्व हितकारी मंच झंडूता व व्यापार मंडल झंडूता द्वारा 10 फरवरी को 10 बजे से 3 बजे तक निशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप लायुल ट्राइबल वेलफेयर संगठन, सांसद मोबाइल अस्पताल, जिला चिकित्सा अधिकारी बिलासपुर के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। यह कैंप देवभूमि फार्मा बस स्टैंड झंडूता में लगाना सुनिश्चित हुआ है। इस कैंप में हेपेटाइटिस बी, वीसी, मधुमेह, यौन रोग, एचआईवी /एड्स व अन्य रोगों की जांच एवं निशुल्क दवाई वितरण किया जाएगा।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कल लेगी कैंपस इंटरव्यू

अनंत ज्ञान घुमारवीं। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड, घुमारवी ब्रांच द्वारा 11 फरवरी को उपरोजगार कार्यालय घुमारवी में कैंपस इंटरव्यू का आयोजन किया जाएगा। इस इंटरव्यू में डेवलपमेंट मेनेजर के 3 पदों और बिसनेस एसोसिएट के 2 पदों हेतु चयन किया जाएगा। इच्छुक उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता ग्रेजुएट रखी गई है, जबकि आयु सीमा 18 से 40 वर्ष है। पूर्व सैनिक उम्मीदवारों के लिए आयु सीमा 45 वर्ष तक और शैक्षणिक योग्यता 10+2 निर्धारित की गई है। चयनित उम्मीदवारों को 3 लाख वार्षिक वेतन, पीएफ और इंसेंटिव भी प्रदान किए जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी राजेश महता ने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार अपने सभी अनिवार्य दस्तावेजों सहित दिनांक 11-02-2025 को उप-रोजगार कार्यालय घुमारवी, जिला बिलासपुर पहुंचकर कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं।

जम्वाल ने बैरी-नवगांव सड़क को लेकर घेरी प्रदेश सरकार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने बैरी-नवगांव सड़क को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने हाल ही में इस सड़क के लिए सेंट्रल रोड फंड से 79.25 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। गत शनिवार को नयना देवी विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर आए मुख्यमंत्री ने इस सड़क का शिलान्यास किया। पैसा मंजूर करने के लिए आभार जताने के बजाए वह न केवल केंद्र सरकार पर हिमाचल की अनदेखी का रटा-रटाया राग अलापते रहे, बल्कि इसका श्रेय प्रदेश सरकार को देने में भी उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। झूठा श्रेय बटोरने का प्रयास करके कांग्रेस सरकार खुद को झूठी तसल्ली देना चाहती है, लेकिन प्रबुद्ध जनता हकीकत को अच्छी तरह से जानती है। त्रिलोक जम्वाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए वह पूरे देश का एक समान विकास सुनिश्चित कर रहे हैं। हिमाचल में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद मोदी सरकार इस राज्य के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ रही है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और नाबार्ड के तहत कई अन्य सड़कों के लिए धनराशि जारी करने के साथ ही सेंट्रल रोड फंड से बिलासपुर व सोलन जिला को आपस में जोड़ने वाली 37 किलोमीटर लंबी बैरी-नवगांव सड़क के सुधारीकरण व विस्तारीकरण के लिए 79.25 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

केंद्र सरकार ने इस सड़क के लिए 79.25 करोड़ किए हैं मंजूर

राजपुरा में 22 से शुरू होगी रामकथा

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। ग्राम पंचायत राजपुरा के अंतर्गत महाकाली मंदिर नोआ में 22 फरवरी से दो मार्च तक रामकथा का आयोजन किया जाएगा। इस रामकथा में आचार्य देवराज शास्त्री प्रवचनों की अमृतवर्षा करेंगे।

सम्मान केंद्र सरकार उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को कर रही प्रोत्साहित : राजेंद्र गर्ग

प्रगतिशील बागवान हरिमन शर्मा को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

घुमारवीं भाजपा ने प्रगतिशील बागवान हरिमन शर्मा को पद्मश्री अवार्ड के लिए चयनित होने पर रविवार को एक सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेंद्र गर्ग ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि हरिमन शर्मा का यह सम्मान न केवल घुमारवीं बल्कि पूरे हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व की बात है। गर्ग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित कर प्रोत्साहित

कर रही है। हरिमन शर्मा को मिला यह सम्मान अन्य बागवानों के लिए भी प्रेरणादायक साबित होगा। उन्होंने कहा कि हरिमन शर्मा ने गर्म क्षेत्रों में सेब की सफल पैदावार कर भारत सहित कई देशों में बागवानी क्षेत्र में नई क्रांति लाई है। उनकी इस उपलब्धि से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने में भी योगदान मिल रहा है। आमतौर पर सेब की खेती ठंडे इलाकों में होती है, लेकिन हरिमन शर्मा ने 'एचआरएमएन-99' किस्म विकसित कर यह धारणा बदल दी। यह किस्म समुद्र तल से 1800 फीट की ऊंचाई पर भी सफलतापूर्वक उगाई जा रही है। अब तक इस किस्म के 14 लाख से अधिक पौधे भारत और विश्व के विभिन्न देशों में भेजे जा चुके हैं। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेश ठाकुर, भराड़ी भाजपा मंडल अध्यक्ष जोरावर सिंह, महामंत्री पंकज चंदेल ,सरवन जमवाल, ब्रह्मदास गौतम संजय ठाकुर, राजेश शर्मा व बबीता कुमारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

ढलोग के लोग खराब मोबाइल सिग्नल से परेशान

अनंत ज्ञान, डलहौजी। जिला चंबा में दो कंपनियां अपनी 5त्र सेवा के लिए एक दूसरे को पीछे छोड़ने की होने लगी हुई है लेकिन विकासखंड भटीयत के तहत ग्राम पंचायत ढलोग के कई गांव इन दिनों कमजोर मोबाइल सिगनल से परेशान हैं। बताते चलें कि ढलोग पंचायत के गांव बासा, धारद, ढलोग, बन्नी, बधाटू एवं थम्म गांव के सैकड़ों ग्रामवासी 5जी सिग्नल तो दूर की बात है 2जी सेवा से भी वंचित दिख रहे हैं। गौर हो क्षेत्र के सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलों में सर्दियां शुरू होते ही फाइनल पेपर हो जाते हैं तथा परिणाम भी घोषित कर दिए जाते हैं। आज के इस हाई टेक जमाने में अगली कक्षा की पढ़ाई के लिए बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई का ही सहारा लेना पड़ता है जिसके लिए इन गांवों के बच्चे पढ़ाई के लिए पीछे रहे हैं। जिसको लेकर अभिभावकों ने एयरटेल एवं जिओ पर ठगी के आरोप लगाते हुए बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ के आरोप जड़ दिए हैं। स्थानीय ग्राम वासियों की माने तो जिओ एवं एयरटेल का रिचार्ज लगभग 299 रुपए प्रति माह का किया जाता है जिसमें की 1 महीने की कॉलिंग एवं डेढ़ जीबी प्रतिदिन के हिसाब से 500 एसएमएस भी फ्री दिए जाते हैं ,लेकिन यह रिचार्ज मानो इन कंपनियों की देनदारी है जो पिछले काफी समय से यह ग्रामवासी देते आ रहे हैं ना तो ढंग से घरों के अंदर बात ही हो पाती है ना ही इंटरनेट सुविधा का यह पूरा फायदा ही उठा पाते हैं। जिला चंबा के जो ग्रामीण क्षेत्र हैं वह आज भी पूरी तरह से इंटरनेट सेवा का भरपूर लाभ नहीं उठा पा रहे यह लाभ सिर्फ और सिर्फ ज्यादा आबादी वाले क्षेत्रों को ही मिल पा रहा है और जहां आबादी कम है वहां के लोग तो महज़ रिचार्ज सिर्फ कंपनी की देनदारी के रूप में ही पैसे बर्बाद करते आ रहे हैं। लेकिन जो सुविधा कंपनियां देने की दावे करती हैं उन सुविधाओं का लाभ इन्हें नहीं मिल पा रहा है। मानसिंह ने मोबाइल कंपनियों को चेताया है कि अगर भविष्य में इन दोनों कंपनियों द्वारा इन इलाका वासियों की शिकायत का निवारण नहीं किया गया तो कोई बहुत जल्द कंज्यूमर कोर्ट का दरवाजा खटखटाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

अखंड चंडी पैलेस की क्यूआर कोड से मिलेगी जानकारी

अनंत ज्ञान, चंबा। जिले के ऐतिहासिक स्थल अखंड चंडी पैलेस और चंबा पुस्तकालय की पूरी जानकारी अब एक क्लिक पर क्यूआर कोड के जरिये स्थानीय लोगों और पर्यटकों को मिलेगी। क्यूआर कोड स्कैन करते हुए संबंधित स्थल की पूरी जानकारी लिखित तौर पर उपलब्ध होने के साथ ही ऑडियो के माध्यम से भी उपलब्ध रहेगी। शनिवार को अखंड चंडी पैलेस का डिजिटाइजेशन करते हुए क्यूआर कोड जारी किया गया। यह क्यूआर कोड बुक माई एक्सपीरियंस पर वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा। जैसे ही पर्यटक इसे स्कैन करेंगे तो उन्हें अखंड चंडी पैलेस के इतिहास से लेकर इसके महत्व सहित तमाम जानकारी उपलब्ध हो जाएगी। पर्यटक मंदिर के बारे में पूरी जानकारी सुन सकते हैं। क्यूआर कोड नॉट ऑन मैप और एक्ट संस्था की ओर से तैयार किया गया है। जिला मुख्यालय चंबा में शनिवार को नाट ऑन मैप, जिला पर्यटन विभाग चंबा, बुक माई एक्सपीरीयंस, भाषा विभाग, एक्ट संस्था तथा सेवा हिमालया के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भाषा एवं संस्कृति, शिक्षा, सूचना एवं जनसंपर्क और उर्जा विभाग के सचिव राकेश कंवर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। संस्था के सह संस्थापक मनुज शर्मा भी मौजूद रहे।

बिना इलाज करवाए मायूस होकर लौट रहे मरीज

अनंत ज्ञान, चंबा। सिविल अस्पताल किहार में चिकित्सक व पैरा मेडिकल स्टाफ की कमी के चलते मरीजों का मर्ज दोगुना होकर रह गया है। अस्पताल में स्टाफ की कमी के चलते लोगों को चिकित्सीय परामर्श के लिए घंटों इंतजार में खड़ा होकर इंतजार करना पड़ता है। मरीज बिना इलाज करवाए मायूस होकर लौट रहे हैं। इन दिनों अस्पताल में चिकित्सीय स्टाफ के नाम पर एक चिकित्सक व दो स्टाफ नर्स तैनात है। अस्पताल में पर्याप्त स्टाफ न होने से मरीजों को मजबूरन निजी क्लीनिकों या मेडिकल कालेज चंबा का रूख करना पड़ रहा है। ग्रामीण नरेश कुमार, मंजूर मोहम्मद, गुलजार, ताहिर हुसैन, मनोहर लाल, राकेश कुमार, शकील अहमद व ओमी चंद का कहना है कि सिविल अस्पताल किहार में कुछ अरसा पहले सात-आठ चिकित्सक व दस के करीब स्टाफ नर्स अपनी सेवाएं दे रहे थे। इसी बीच करोड़ों रूपए की लागत से सिविल अस्पताल किहार के नए भवन का निर्माण कार्य भी मुकम्मल हुआ। मगर बड़े खेद का विषय है कि अभी तक इस नए भवन का आगाज न होने से पुराने भवन में ही कामकाज चलाया रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ अरसे के भीतर ही सिविल अस्पताल किहार से चिकित्सक व स्टाफ नर्स के धड़ाधड़ तबादले भी हो गए। अब अस्पताल एक ही चिकित्सक के सहारे चल रहा है। उन्होंने बताया कि सिविल अस्पताल पर सलूणी की दर्जनों पंचायतों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने का भार है।

23 प्रवासियों की झुग्गियों में लगी आग

अनंत ज्ञान, नादौन। नादौन पुलिस थाना के अंतर्गत पंचायत भूंपल के गांव रंघाड़ मौनी बाबा कुटिया के नजदीक प्रवासियों की 23 झुग्गियों में अचानक आग लग गई, जिससे लाखों का नुकसान हुआ है हालांकि गनीमत यह रही की कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग लगने की खबर मिलते ही एसडीएम राकेश शर्मा फायर ब्रिगेड व पुलिस टीम के साथ मौका पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड व पुलिस आग बुझाने में जुट गई जिसके चलते 8 झुग्गियों को जलने से बचा लिया। घटना रविवार शाम की है। सभी प्रवासी मजदूर बिहार के रहने वाले थे। सभी झुग्गियां साथ-साथ थी। मिली जानकारी के अनुसार एक ही बिजली के मीटर से सभी को बिजली के कनेक्शन दिए गए थे। एसडीएम राकेश शर्मा पीड़ित परिवारों परिवारों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। उन्होंने सभी झोपड़ी वालों के रहने खाने पीने में बिस्तर आदि का प्रबंध किए जाने के लिए संबंधित पंचायत को निर्देश दिए जिस पर साथ है चार-पांच कमरों में उनके रहने , कपड़ों व खाना आदि समुचित व्यवस्था कर दी गई है। संबंधित पटवारी को हुए नुकसान की रिपोर्ट तैयार करके भेजने को कहा गया है। पुलिस को इस संदर्भ में मामला दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों ने ध्यान में लाया है कि अधिक पैसा कमाने के चक्कर में कुछ लोगों ने प्रवासी लोगों को ठहराया है उनसे कराया तो ले लेते हैं लेकिन व्यवस्था सही नहीं रखते जिसके चलते ऐसे हादसों को न्योता मिलता है।

खैरी मुख्य मार्ग पर एक कार दुर्घटनाग्रस्त, बच्ची की मौत

हादसे के वक्त कार में दो पुरुष, एक महिला और पांच बच्चे थे सवार

मुकेश कुमार, डलहौजी

रविवार सुबह 10 बजे करीब बनीखेत-खैरी मुख्य मार्ग पर स्थित दुलार गांव में एक मारुति कार के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक 8 साल की मासूम बच्ची की मौत तथा अन्य सवार के गंभीर रूप से घायल होने का मामला प्रकाश में आया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिल्वर रंग की मारुति ऑल्टो कार नंबर जेके 08पी 6770 जो सुबह करीब 10 बजे अनियंत्रित होकर 150 फुट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के वक्त कार में दो पुरुष, एक महिला और पांच बच्चे सवार थे।

घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू कर दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस सेवा भी घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को सिविल अस्पताल डलहौजी पहुंचाया।

अस्पताल में जांच के बाद डॉक्टरों ने 8 वर्षीय बच्ची बॉबी रानी पुत्री सुरेश कुमार निवासी गांव खजूरा, तहसील बसोहली, जिला चंबा को मृत घोषित कर दिया जबकि अन्य सात घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज टांडा रेफर कर दिया गया। (अनंत ज्ञान)

घायलों को मेडिकल कॉलेज टांडा किया रेफर

घायलों में ये रहे शामिल

घायलों में बारह वर्षीय मीना देवी, साठ वर्षीय काकू राम , पांच वर्षीय मानसी , तेरह वर्षीय अंकिता सात वर्षीय उर्वी , चौवन वर्षीय गुड्डी देवी और पच्चीस वर्षीय रघुनंदन शामिल हैं ।

पीड़ित परिवार को दी फौरी राहत

तहसीलदार रमेश चौहान ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित परिवार को पच्चीस हजार रुपए की फौरी राहत प्रदान करने की घोषणा की और कहा कि घायलों के उपचार के लिए भी नियमानुसार सहायता राशि दी जाएगी। उधर एसपी चंबा अभिषेक यादव ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला को एक हजार ऑनलाइन भेजकर लगाया 70 हजार का चूना

अनंत ज्ञान, चंबा। साइबर ठगों ने एक हजार रुपए गूगल पे के जरिए भेजकर महिला को 70 हजार रुपए का चूना लगा दिया। विधानसभा क्षेत्र डलहौजी के तहत तेलका क्षेत्र की मौड़ा पंचायत के हठेड़ गांव में ये मामला सामने आया है। खाते से पैसे डेबिट होने का मैसेज देखकर पीड़िता के पांव तले जमीन खिसक गई। पीड़िता ने इसकी ऑनलाइन शिकायत किहार थाना में कर दी है। पीड़िता लता देवी पत्नी अजय कुमार ने बताया कि कुछ समय पहले उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया है। बच्ची के जन्म के उपरांत उनके खाते में महिला एवं बाल विकास परियोजना विभाग की ओर से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पैसे आने हैं।

उन्होंने बताया कि छह फरवरी की सुबह उन्हें एक नंबर से कॉल आई। उन्हें बताया गया कि उनके घर बेटी के जन्म पर अब विभाग की ओर से उन्हें एक हजार रुपए भेजे गए हैं, जिसका स्क्रीन शॉट भी मोबाइल नंबर पर भेजा गया है।

साइबर ठग ने उनके मोबाइल पर एक और लिंक भेजकर उसे क्लिक करने की बात कही। महिला ने साइबर ठग के कहे अनुसार भेजे गए लिंक पर जैसे ही क्लिक किया तो उसके खाते से सीधे 70 हजार रुपए डेबिट हो गए। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस में ऑनलाइन शिकायत दी।

निरंकार प्रभु सृष्टि के कण-कण में हैं विराजमान : बहन अर्पिता

प्रवचन करती हुई बहन अर्पिता व मौजूद लोग।

अनंत ज्ञान, डलहौजी

रविवार को स्थानीय निरंकारी सत्संग भवन बनीखेत में सत्संग का आयोजन किया गया, जिसमें प्रवचन करते हुए बहन अर्पिता ने फरमाया कहा कि निरंकार-प्रभु जो कण-कण में बसा है, बेरंगा है, इसको जानकर इसके एहसास में हर पल रहते हुए सहज जीवन जीना संभव है।

निरंकार को मन की गहराइयों में बसाने से वैर, नफरत और अहंकार जैसे अन्य दुर्गुण भी समाप्त होते जाएंगे, फिर मन में प्रेम, सुकून, समदृष्टि व अपनत्व जैसे मानवीय गुणों का समावेश होता जायेगा, जिससे हमारा जीवन एक मुकम्मल जीवन बन सकता है।

अर्पिता ने कहा कि एकत्व में सुकून है। यह एकत्व, यह रिश्ता परमात्मा और आत्मा का । जब आत्मा को पता चल जाता है कि असली रूप क्या है? शरीर में आत्मा है, परंतु शरीर इसकी असली पहचान नहीं है, यह परमात्मा का ही रूप है, यही असल पहचान है ।

परमात्मा प्रेम का रूप है। जब इस परमात्मा से मेल हुआ तो ये जीते जी भी जीवन प्रेम ही बन गया, हम स्वयं ही प्रेम बन गए और फिर जब प्रेम बन ही गए तो फिर ये प्रेम ही बांटेंगे। मन में हमेशा करुणा, दया, विनम्रता रहेगी और पूरे संसार के लिए सेवाभाव होगा।

आगे फरमाया कि हमें निरंकार के साथ अपनी लिव जोड़कर रखनी है ताकि मन में भक्ति व सुकून का भाव बना रहे और यह तभी संभव है जब निरंकार का अहसास करते हुए इससे प्यार किया जाए।

सुकून पल दो पल का नहीं बल्कि हर परिस्थिति में रहने वाला होता है । सुकून हमारे सकारात्मक व नकारात्मक भाव से जुड़ा नहीं है। यह हमारे जीवन में तब प्रवेश करेगा जब हम प्रभु को अपने हृदय में स्थान देंगे।

कुलदीप पठानिया 12 को रविदास जयंती कार्यक्रम में लेंगे हिस्सा

अनंत ज्ञान, चंबा

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया 12 फरवरी से भटियात विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे। विधानसभा अध्यक्ष के जारी प्रवास विभागीय प्रवक्ता ने बताया कि कुलदीप सिंह पठानिया 12 फरवरी को संत रविदास जयंती के अवसर पर गांव छलाड़ा में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे इसके पश्चात वह ग्राम पंचायत अवांह तथा होवार में पुस्तकालय का शुभारंभ करने के साथ जनसभा को भी संबोधित करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष 13 फरवरी को ग्राम पंचायत रायपुर के तहत मराड गांव के लिए संपर्क मार्ग निर्माण की आधारशिला रखने के पश्चात सांय मनहोता गांव में लाइब्रेरी का शुभारंभ भी करेंगे।

कुलदीप सिंह पठानिया अपने प्रवास कार्यक्रम की निरंतता में 14 फरवरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समोट के भवन निर्माण की आधारशिला रखेंगे । इसके पश्चात वह ग्राम पंचायत टुंडी के तहत भराड़ी- कुरला संपर्क मार्ग निर्माण के लिए भूमि पूजन करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष 15 फरवरी को सुबह चंडीगढ़ प्रस्थान करेंगे।

बेटे से मारपीट कर रहा था दंपति, बचाव करने आई मां पर दराट से किया हमला

अनंत ज्ञान, चंबा

जिला के भटियात क्षेत्र की सिहुंता पंचायत के सलाड़ा गांव में एक महिला पर दराट से हमला किया गया, जिससे उसकी बाजू में गंभीर चोट आई है। मामले की शिकायत सिहुंता थाना में दर्ज करवाई गई है, जिसमें महिला ने पड़ोसी दंपति पर मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दिए बयान में घायल महिला स्वर्णा देवी पत्नी वीरेंद्र गांव सलाड़ा डाकघर वलाणा सिहुंता ने बताया कि उसका बेटा किसी काम से घर से बाहर जा रहा था। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले एक दंपति ने उसे रास्ते से गुजरने के लिए मना किया तथा कहासुनी के बाद उसके बेटे के साथ मारपीट शुरू कर दी। जब वह अपने बेटे को उनके चंगुल से छुड़ाने के लिए गई तो व्यक्ति ने उस पर दराट से हमला कर दिया, जिससे उसके बाजू में चोट आई है। इसके अलावा दंपति ने सभी को जान से मारने की धमकी भी दी।

शनिवार को मेडिकल कॉलेज चंबा में घायल महिला का मेडिकल करवाया गया। उधर, एसपी चंबा अभिषेक यादव ने बताया कि मारपीट मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पांगी में 22 सड़कें व 15 पेयजल लाइनें बंद

अनंत ज्ञान, चंबा। बारिश व बर्फबारी के 5 दिन बाद भी पांगी घाटी में हालात पूरी तरह से सामान्य नहीं हो पाए हैं। क्षेत्र में अब भी 22 सड़कें बाधित पड़ी हुई हैं। वहीं लोक निर्माण विभाग द्वारा घाटी में 6 सड़कों को बहाल किया गया है। लोक निर्माण विभाग की मशीनरी और मैन पावर मार्गों को बहाल करने के कार्य में जुटी हुई है, लेकिन शेष सड़कों को खोलने में अभी समय लगेगा।

उधर, भरमौर व पांगी में 23 पेयजल योजनाएं बंद पड़ी हुई हैं जिसमें जनजातीय क्षेत्र भरमौर की 8 व पांगी की 15 पेयजल लाइनें बंद पड़ी हुई हैं।

हिमाचल में कांग्रेस सरकार से जनता दुखी : जयराम

अनंत ज्ञान, मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणामों के बहाने प्रदेश की सुक्खू सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि दिल्ली की तरह यहां भी आपदा सरकार से जनता दु:खी है। न तो कोई नए काम शुरू हो रहे हैं और न पिछली सरकार में शुरू हुए कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। हैरानी इस बात की है कि ये सरकार हर माह ऋण पर ऋण लिये जा रही है और खर्च कहां किया जा रहा वो कहीं दिखाई नहीं दे रहा है।

चुनाव से पूर्व झूठी गारंटियां देकर इन्होंने सत्ता तो हथिया ली लेकिन दो साल बीत जाने के बाद भी कोई गारंटी धरातल पर नहीं उतार पाए हैं। ऐसी ही झूठी गारंटी दिल्ली की आप सरकार ने दी थी और पांच साल पूरे होने पर भी जब ये गारंटियां पूरी नहीं हुई तो जनता ने इस आपदा सरकार को भी बाहर का रास्ता दिखाकर केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर भरोसा जताते हुए भाजपा को सत्ता की चाबी सौंपी।

उन्होंने कहा कि जनता को अब केवल प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर ही भरोसा है। जो वो कहते हैं वो उसे पूरा करके भी दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जनता ने अपना फैसला सुना दिया है कि वो विकास के लिए केंद्र सरकार के साथ चलना चाहते हैं और इसी तरह अब हिमाचल की जनता भी बेसब्री से बदलाब चाह रही है ताकि डबल इंजन सरकार से प्रदेश का विकास हो। उन्होंने कहा कि यहां दस विधानसभा क्षेत्रों वाले मंडी जिला में भी विकास को ग्रहण लग गया है। जो काम हमारी सरकार में शुरू हुए थे उन्हें तो इस सरकार ने आगे बढ़ने ही नहीं दिया और न कोई नया बजट जिला को दिया जा रहा है। सरकार का दो साल का कार्यकाल पूरा हो चुका है लेकिन मुख्यमंत्री अभी तक मंडी जिला में विकास कार्यों की समीक्षा करने तक नहीं आए।

जिला के स्वास्थ्य संस्थानों की हालत बद से बदतर हो गई है। नेरचौक मेडिकल कालेज में व्यवस्था सुधारने के लिए न तो स्वास्थ्य मंत्री के पास रोगी कल्याण समिति की मीटिंग करने के लिए दो साल से वक्त मिल रहा है और न मुख्यमंत्री कोई सुध ले रहे हैं। हालत ये हो गई है कि व्यवस्था पटरी से उतर रही है।

बनीखेत और पद्दर में लगाए जाएं सीसीटीवी कैमरे : अरुण

अनंत ज्ञान, डलहौजी

गांव बनीखेत के ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन तथा पुलिस विभाग से मांग की है की बनीखेत के मुख्य बाजार एवं पद्दर में भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं ताकि सुरक्षा तथा यातायात के मध्य नजर कानून को अपने हाथ में लेने वालों पर नजर रखी जा सके।

व्यापार मंडल कमेटी के प्रधान संजीव ठाकुर तथा अन्य व्यापारियों ने भी इसमें अपनी पूरी सहमति जताई है। इस बारे में जब ग्राम पंचायत प्रधान अरुण राणा से बात की गई तो उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में ऐसे कई दुर्घटनाओं के मामले अभी ज्वलंत हैं उन्हीं के मध्य नजर तेज रफ्तार दोपहियां वाहनों तथा तेज रफ्तार मोटर कारों पर भी नकेल कसी जा सकेगी एनएच154ए पर स्पीड ब्रेकर लगाए गए जाएं जैसे नैनीखड़ में बनाए गए हैं उससे बाजार में तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाया जा सकता है।

यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों पर रखी जा सकती है निगरानी

उन्होंने मुख्य बाजार तथा पद्दर बाजार में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की भी बात कही उन्होंने कहा कि मुख्य बाजार में तथा पद्दर कैमरे लगाए जाने अत्यंत जरूरी है हालांकि कई दुकानदारों तथा होटल के बाहर सीसीटीवी कैमरे तो जरूर लगे हैं किंतु अगर कोई विशेष घटना हो तो ही उनकी मदद ली जाती है लेकिन अगर इन कैमरा का एक्सेस पुलिस प्रशासन के पास रहेगा तो पुलिस प्रशासन कंट्रोल रूम से ही यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों तथा अन्य पर भी निगरानी रखी जा सकती है।

थाना प्रभारी डलहौजी जगबीर सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि यह मांग उचित है और वो जल्द ही इस बारे में पुलिस जिला मुख्यालय में सूचित कर दिया जाएगा ताकि जल्द से जल्द इस प्रक्रिया को अंजाम दिया जा सके।

सूडोकु नवताल- 7337

****** मध्यम**

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7336 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

बाबा बालक नाथ की गुफा के दर्शनों को उमड़ी भक्तों की भीड़

एसके ठाकुर बड़सर

उत्तरी भरत के प्रसिद्ध शक्तिपीठ बाबा बालक नाथ मंदिर दियोट सिद्ध में रविवार को हिमाचल और अन्य राज्यों से बाबा के भक्तों की काफी भीड़ रही।

बताते चलें कि बाबा बालक नाथ मंदिर में लगने वाले वार्षिक चैत्र मास के मेलों को अभी एक महीना है लेकिन विशेष कर रविवार को भक्तों की भीड़ में लगातार इजाफा होने लगा है।

रविवार को भक्तों की भीड़ के साथ - साथ ट्रेफिक व्यवस्था भी भक्तों को काफ़ी परेशान कर रही है। अगर समय रहते ट्रेफिक व्यवस्था और पार्किंग का सही समाधान नहीं निकला तो आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं के साथ-साथ आम जनता को भी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

श्रद्धालुओं ने मंदिर न्यास प्रशासन से गुहार लगाई है कि मंदिर के ऊपरी बाजार को जाने वाले वाहनों के लिए सही व्यवस्था की जाए, ताकि जो श्रदालू पैदल चल कर नहीं पहुंच पाते हैं उनको बाबा की गुफा के दर्शनों के लिए कोई परेशानी न हो।

सड़क पर वाहनों की लगी कतारें, श्रद्धालु हुए परेशान

रविवार को बेरीयर नंबर 2 और ऊपरी बाजार को जाने वाली सड़क पर वाहनों की लम्बी-लम्बी कतारें लगी रहीं जिसके चलते श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम इतना लंबा था कि श्रद्धालुओं को गुफा दर्शन करने के लिए घंटा इंतजार करनापड़ रहा था।(अनंत ज्ञान)

वाहनों का लगा हुआ जाम जिससे लोग काफी परेशान हुए।

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

मेष: दिन सामान्य रहेगा। मन विचलित रहेगा। धन का लाभ होगा। धर्म कार्य में वृद्धि होगी। राजकाज में विशेष सफलता मिलेगी।

वृषभ: पराक्रम में वृद्धि होगी। परिजनों की समस्या रहेगी, निराकरण के बाद समय अच्छा होगा। अच्छे कार्य में धन खर्च होगा।

मिथुन: दिन ठीक रहेगा। रोज के कार्य अनियमित समय से होंगे। परिवार से खिन्नता हो सकती है। धन का व्यय और आंशिक लाभ मिलेगा।

कर्क: समस्या से थोडी निजात मिलेगी। कारोबार से लाभ मिलेगा। राजकाज के कार्य में अच्छा परिणाम आयेगा। साझेदारी से लाभ होगा।

सिंह: अकस्मात व्यय होगा। शत्रु पर विजय प्राप्त होगी। प्रतिष्ठा, यश, ख्याति प्राप्त होगी। समस्या का समाधान होगा।

कन्या : धन का लाभ होगा। किसी प्रियजन से मुलाकात होगी। पराक्रम प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अफसरों से सम्बन्ध मधुर बनेंगे।

तुला: कारोबार में प्रगति होगी। कोई अच्छा समाचार मिलेगा। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। राजकाज में सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक: स्वास्थ्य लाभ होगा। अकस्मात व्यय होगा और दूर-समीप की यात्रा होगी तथा पारिवारिक सुख मिलेगा।

धनु : धन का लाभ होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। प्रोप्र्टी पर धन खर्च होगा। शिक्षा का लाभ मिलेगा।

मकर : घर में प्रसन्नता का समाचार मिलेगा। मन खुश रहेगा। राजाकज में उत्साह बनेगा। निर्माण कार्य में प्रगति होगी।

कुंभ : दिनचर्या अच्छी रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा। व्यय अवश्य होगा। दूर-समीप की यात्रा होगी। आंशिक धन लाभ होगा।

मीन : संतान से मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार में धन लाभ होगा। अच्छी सूचना की प्राप्ति होगी। मित्रों का सहयोग और धन लाभ होगा।

आज का पंचांग

10 फरवरी, 2025, सोमवार

विक्रमी संवत : 2081, **शक संवत :**1946 (क्रोधी), **मास :** माघ, **तिथि** त्रयोदशी (07:00): **नक्षत्र** पुनर्वसु (06:01), **पक्ष :** शुक्ल, **योग :** प्रीति (10:26) **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (12:13-12:57), **राहुकाल** (08:26 -09:49)।

विशेष दिन

- 10 फरवरी 2025 : सोम प्रदोष व्रत आज।
- 10 फरवरी : श्री विश्वकर्मा जयंती आज।

अपील — हर जिले में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुविधा केंद्र हो स्थापित : डॉ. अशोक अवस्थी

चिट्टे के खात्मे के लिए वरिष्ठ नागरिकों की सेवाएं ले सरकार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य, दिन के समय मनोरंजन हेतु बैठने का स्थान, हेल्पलाइन व अन्य जरूरी सेवाओं के लिए हर जिले में सुविधा केंद्र स्थापित करने के लिए ज्येष्ठ एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद सक्रिय हो गई है।

रविवार को इन मुद्दों को लेकर सोलन जिले के नालागढ़ में प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अशोक अवस्थी की अध्यक्षता में की गई। बैठक की जानकारी देते हुए मौके पर मौजूद रहे मंडी के प्रधान उमेश शर्मा ने बताया कि बैठक में वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित मुद्दों विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए हर जिले में स्वास्थ्य, बैठने के लिए तथा मनोरंजन संबंधित सुविधा के लिए वरिष्ठ नागरिक सुविधा केंद्र की स्थापना, स्टेट हेल्पलाइन तथा समाज में शिक्षा और खेलकूद के प्रति तथा नशे के रोकथाम के प्रति जागरूक करने के लिए सरकार से इस क्षेत्र से संबंधित विशेषज्ञ वरिष्ठ नागरिकों की सेवाओं को लेने जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से यह निर्णय भी लिया गया कि अतिशीघ्र प्रदेश कार्यकारिणी वरिष्ठ नागरिकों तथा समाज से संबंधित मुद्दों पर सरकार को ज्ञापन सौंपेगी। कार्यकारिणी ने सरकार द्वारा वर्तमान में नशा विशेष रूप से चिट्टे के संबंधित कार्रवाई पर संतोष प्रकट किया तथा धन्यवाद किया, जिसके लिए प्रदेश कार्यकारिणी ने भी दिसंबर 2024 बिलासपुर की बैठक में सरकार से आग्रह किया था। बैठक में आर एस राणा मुख्य संरक्षक, मस्तराम वर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, घनश्याम सेन वित्त सचिव, एडवोकेट राजेंद्र शर्मा मुख्य सरकार सलाहकार आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान मौजूद वरिष्ठ नागरिक व अन्य।

युवाओं के साथ वरिष्ठ नागरिकों ने लिया भाग

वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद हिमाचल प्रदेश के मुख्य सलाहकार राजेंद्र शर्मा और फेडरेशन के अन्य द्वारा आयोजित मास्टर्ज स्पोर्ट्स समारोह के मुख्यातिथि विधायक नालागढ़ हरदीप सिंह बाबा के साथ बैठक से पहले राज्य परिषद के सभी सदस्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। इन खेलों में 30 वर्ष की आयु से अधिक के युवाओं के साथ वरिष्ठ नागरिकों ने भी बढ़कर भाग लिया। मास्टर गेम्स के सफल आयोजन पर वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद नालागढ़ इकाई को बधाई दी।

शक्ति के अभाव में विश्वास व्यर्थ है। विश्वास और शक्ति, दोनों किसी महान काम को करने के लिए आवश्यक हैं। - **सरदार वल्लभ भाई पटेल**

संपादकीय

उम्मीदों पर पानी

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल की ओर से हिमाचल प्रदेश सरकारी कर्मचारी भर्ती एवं सेवा की शर्तें विधेयक 2024 को अपनी मंजूरी देने के साथ ही सूबे के अनुबंध कर्मचारियों में एकदम से निराशा छा गई है। इस बिल के मंजूर होने के साथ ही अब हिमाचल प्रदेश में सरकारी अनुबंध कर्मचारियों को नियमित होने के बाद ज्वाइनिंग तिथि से वरिष्ठता और वित्तीय लाभ नहीं मिलेंगे। यह बिल अब राजपत्र में प्रकाशित हो गया है। निश्चित रूप से इस बिल के मंजूर होने के मायने होंगे। बिल के लागू होने से करीब 80 हजार अनुबंध कर्मचारियों पर प्रभाव पड़ेगा जो अब अपनी अनुबंध अवधि को नियमित सेवाकाल में जोड़ने का लाभ नहीं ले पाएंगे। यह बिल हाल ही में धर्मशाला में आयोजित हिमाचल प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान ध्वनिमत से पारित किया गया था। हालांकि, तब इस विधेयक पर विपक्षी दल भाजपा ने कड़ा विरोध जताया था।

भाजपा विधायकों का तर्क था कि यह विधेयक अनुबंध कर्मचारियों के हितों के खिलाफ है और इससे हजारों कर्मचारियों को नुकसान होगा और अब हुआ भी। वहीं, सरकार ने तर्क दिया था कि यदि अनुबंध कर्मचारियों को ज्वाइनिंग तिथि से वरिष्ठता और वित्तीय लाभ दिया गया तो पहले से नियमित कर्मचारी डिमोट हो जाएंगे। इससे न केवल प्रशासनिक जटिलताएं बढ़ेंगी, बल्कि सरकारी खजाने पर भी अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। अनुबंधित कार्यकाल को स्थायी सेवा के बराबर नहीं गिना जाएगा, यानी कर्मचारी जिस दिन से नियमित होंगे, उसी दिन से उनको वरिष्ठता और अन्य लाभों की गणना होगी। यह नियम वर्ष 2003 से लागू माना जाएगा जब प्रदेश में पहली बार अनुबंध कर्मचारियों की नियुक्तियां शुरू हुई थी।

सरकार का कहना है कि इस कदम से वित्तीय बोझ को कम करने में मदद मिलेगी, क्योंकि यदि अनुबंध कार्यकाल को वरिष्ठता में जोड़ा जाता है, तो राज्य सरकार को भारी वित्तीय भार उठाना पड़ सकता है। यह तो सर्वविदित है कि हिमाचल की वित्तीय स्थिति इस समय ठीक नहीं है। इसके कई कारण हैं। राजस्व घाटा अनुदान वर्ष 2023-24 में 8,058 करोड़ रुपए था, जो इस वर्ष 1,800 करोड़ कम होकर 6,258 करोड़ रुपए रह गया है। वहीं, हिमाचल प्रदेश को हर महीने सैलरी और पेंशन के लिए 2000 करोड़ चाहिए होते हैं। इसमें से 1200 करोड़ वेतन के तौर पर दिए जाते हैं और 800 करोड़ पेंशन रुपए के रूप में दिए जाते हैं। ऐसे में सुक्खू सरकार का राज्यपाल के हवाले से अनुबंध कर्मिचारियों को वरिष्ठता का लाभ न देना कहीं न कहीं सही प्रतीत होता है। बेशक इसमें सरकार को तो फायदा हो रहा है, लेकिन कई कष्टों के बाद अनुबंध पर लगे कर्मचारियों का क्या? जबकि अनुबंध पर लगे कर्मचारियों ने तमाम तरह के लाभ लेने के लिए कोर्ट की शरण ली थी और न्यायालय ने भी उन्हें सारे वित्तीय लाभ देने के लिए हरी झंडी दे दी थी, बावजूद इसके अब प्रदेश सरकार ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

सबसे ज्यादा घाटा उन कर्मचारियों को होगा जो पांच-छह महीने के फेर में अपनी रिटायरमेंट का लाभ तक नहीं ले पाएंगे। ऐसे में उनका सुक्खू सरकार के प्रति गुस्सा स्वाभाविक है। अब अनुबंध कर्मचारी नए सिरे से अपनी अगली रणनीति पर काम करने लग पड़े हैं। अनुबंध कर्मचारी अब अपने हकों के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की जुगत भिड़ा रहे हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री ने विधानसभा में स्पष्ट कर दिया था कि यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद-309 के तहत लाया गया है, जो सरकारी कर्मचारियों की भर्ती और सेवा शर्तों को नियंत्रित करता है। वर्ष 2003 में अनुबंध नियुक्तियों की शुरुआत के समय ही सेवा शर्तों को स्पष्ट कर दिया गया था। नियुक्ति पत्रों में यह साफ उल्लेख किया गया था कि अनुबंध अवधि को न तो वरिष्ठता सूची में जोड़ा जाएगा और न ही नियमित कर्मचारियों को मिलने वाले वित्तीय लाभ दिए जाएंगे।

इन सब परिस्थितियों के मद्देनजर आने वाले समय में अनुबंध कर्मचारी संघर्ष की राह अपनाकर सड़कों पर भी उतर सकते हैं। दूसरी ओर सरकार एक साल में 25000 नई नौकरियां देने का वादा भी कर रही है, लेकिन सवाल यह है कि जब सरकार के खजाने में पैसे ही नहीं हैं तो वह नए कर्मचारियों को वेतन कैसे दे पाएगी। विपक्षी भाजपा इस ताजातरीन मसले को मुद्दा बना सकती है और इसकी एवज में अनुबंध कर्मचारी जल्द ही शुरू होने वाले विधानसभा के बजट सत्र के दौरान अपना धरना-प्रदर्शन कर सकते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाला समय अनुबंध कर्मचारियों के लिए कोई सुखद खबर लेकर आएगा। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

हिंदी भाषा के एक अग्रणी कवि

डॉ. कुमार विश्वास हिंदी भाषा के एक अग्रणी कवि हैं। श्रृंगार रस के गीत इनकी विशेषता है। कुमार विश्वास का जन्म पिलखुआ (उत्तर प्रदेश) में हुआ था। चार भाइयों और एक बहन में सबसे छोटे कुमार विश्वास ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा लाला गंगा सहाय स्कूल, पिलखुआ में प्राप्त की। उनके पिता डॉ. चंद्रपाल शर्मा आरएसएस डिग्री कॉलेज पिलखुआ में प्रवक्ता रहे। उनकी माता श्रीमती रमा शर्मा गृहिणी हैं। उनके पिता उन्हें इंजीनियर बनाना चाहते थे। डॉ. कुमार विश्वास का मन मशीनों की पढ़ाई में नहीं रमा और साहित्य के क्षेत्र में आगे बढ़ने के ख्याल से उन्होंने स्नातक और फिर हिंदी साहित्य में स्नातकोत्तर किया, जिसमें उन्होंने स्वर्ण-पदक प्राप्त किया। तत्पश्चात उन्होंने 'कौरवी लोकगीतों में लोकचेतना' विषय पर पीएचडी प्राप्त किया। उनके इस शोध-कार्य को 2001 में पुरस्कृत भी किया गया। ■

कुमार विश्वास
जन्म : 10 फरवरी, 1970

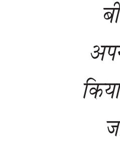

कविता

राहतों की बरसात

अशोक सिंह गुलेरिया नगरोटा सूरियां (जिला कांगड़ा)

राहतों की बरसात हुई सत्ता के गलियारों से।
देंखे किसको क्या दिया, इन दानवीर सरकारों ने।
जय-जयकार की गूंज है, गलियों और चौबारों में।
झूठ का पर्दाफाश हुआ, जब सच छापा अखबारों ने।
तिनका-तिनका उड़ गया, हालात के सब मारों का।
अपने घर सब भर लिए, चालाक सरमाएदारों ने।
दरियादिली सब देख ली, धनबानों के दरबारों की।
बीच मझधार छोड़ दिए, मुफलिस बिन पतबारों के।
अपना-अपना फर्ज निभाया, बड़े ज्ञानशील किरदारों ने।
किया कराया खाक किया, कुछ गिने-चुने सलाहकारों ने।
जान हथेली पर सजाकर, बीर बहादुर रणबीरों का।
हृदय दिल से नमन करो जंग लड़ते शूरवीरों का।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 पर भेज सकते हैं।

भविष्य के ईंधन ग्रीन हाइड्रोजन से भारत भरेगा उड़ान

अरबों वाहनों की भीड़ से दुनिया प्रदूषण की चपेट में है, लेकिन जरा कल्पना कीजिए कि जब वाहन ही नहीं चलेंगे तो क्या होगा? प्रदूषण से कुछ हद तक मुक्ति तो मिलेगी, लेकिन दुनिया कैसे चलेगी? इंसान का जीन मुश्किल हो जाएगा। जीवन चक्र थम सा जाएगा और अर्थव्यवस्था भी ठप हो जाएगी। निश्चित रूप से ये सवाल और उनके जवाब विचलित करने वाले हैं। जिस हिसाब से वाहनों को चलाने वाले ईंधन के स्रोत खासकर पेट्रोल, डीजल और प्राकृतिक गैस की खपत हो रही है उस हिसाब से जीवन बेहद कठिन हो जाएगा। अगर हमें कोई अतिरिक्त तेल भंडार नहीं मिलता है, तो अनुमान है कि हमारे ज्ञात तेल भंडार 2052 तक खत्म हो सकते हैं।

कोयला और प्राकृतिक गैस थोड़े और चल सकते हैं, लेकिन 2060 तक इनके भी खत्म होने की संभावना है। ऐसे में रिन्यूएबल एनर्जी के स्रोत जीवाश्म ईंधन के लिए अधिक पर्यावरण अनुकूल विकल्प माने जा रहे हैं। सौर और पवन ऊर्जा जैसे ऊर्जा स्रोत तेल, कोयला या गैस का स्थान ले सकते हैं। इन स्रोतों के उपयोग से कोई कार्बनडाइऑक्साइड भी उत्पन्न नहीं होगी। ईंधन खत्म होने की आशंकाओं के बीच आज पूरे विश्व में रिन्यूएबल एनर्जी की चर्चा जोरों से हो रही है। भारत भी इस दिशा में काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी सरकार ने ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया बनाने के लिए पॉलिसी का ऐलान तक कर रखा है। नेशनल हाइड्रोजन मिशन के तहत सरकार भारत को ग्रीन हाइड्रोजन हब बनाना चाहती है और दूसरों देशों को भारत से सप्लाई करने की सोच रखती है। सरकार ने 2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन बनाने का लक्ष्य रखा है। भारत ने 2070 तक प्रदूषण मुक्त होने का संकल्प लिया है और उसके लिए ग्रीन हाइड्रोजन एक बढ़िया तरीका है। दूसरी ओर हिमाचल की सुक्खू सरकार ने इसकी शुरुआत हाल ही में नालागढ़ के दभोटा में उत्तर भारत के पहले हाइड्रोजन प्लांट की नींव रखकर कर दी है। अगर आपको स्कूल की प्रयोगशाला के पाठ याद हैं तो आपको यह भी याद होगा कि जब हम धातु की दो पट्टियां पानी में डूबोकर उन्हें बैटरी से जोड़कर उनमें बिजली प्रवाहित करते थे तो बुलबुले उभरते थे। ये और कुछ नहीं, बल्कि ऑक्सीजन और हाइड्रोजन के बुलबुले होते थे यानी एच2ओ। पानी के तत्वों का विघटन होकर वो ऑक्सीजन और हाइड्रोजन में बदल जाते थे।

इस हाइड्रोजन का इस्तेमाल जलाने के लिए भी हो सकता है। यानी इसके इस्तेमाल से आग जलाकर खाना भी पकाया जा सकता है। गाड़ियां ही नहीं, ट्रेन दौड़ाने और हवाई जहाज उड़ाने के लिए भी इस ऊर्जा का इस्तेमाल हो सकता है। हाइड्रोजन की सबसे अच्छी बात है यह है कि जलने के बाद ऑक्सीजन और हाइड्रोजन फिर मिलकर पानी में बदल जाते हैं। यह रिन्यूएबल एनर्जी साबित हो सकता है और जलवायु परिवर्तन की समस्या को सुलझाने में भी फायदेमंद साबित हो सकता है। अब सवाल उठता है कि क्या हाइड्रोजन वाकई हमारी ऊर्जा आपूर्ति की समस्या का हल हो सकता है? दरअसल, हाइड्रोजन को कई तरीकों से जलाकर ऊर्जा बनाई जा सकती है। हाइड्रोजन के जलने से भाप बनती है। हाइड्रोजन को वाहनों के कंबस्चन इंजन में भरकर जलाया जा सकता है या बैटरी के सेल में रखकर ऊर्जा पैदा की जा सकती है। हाइड्रोजन तो कई तरीके से बनाई जा सकती है, मगर जरूरी यह है कि उसे स्वच्छ तरीके से कैसे बनाया जाए? हाइड्रोजन धरती पर प्राकृतिक रूप से नहीं मिलती, लेकिन पानी हाइड्रोकार्बन के रूप में कोयले, गैस और तेल में मिलती है। हाइड्रोकार्बन स्रोत यानी प्राकृतिक गैस से हाइड्रोजन निकालने की प्रक्रिया को स्टीम मीथेन रिफॉर्मिंग (एचएमआर) कहते हैं और दुनियाभर में इसका इस्तेमाल हो रहा है। दुनियाभर में प्रति वर्ष 12 करोड़ टन हाइड्रोजन इस प्रक्रिया से बन रही है, लेकिन इसमें समस्या यह है कि इससे कार्बन गैस का उत्सर्जन भी होता है इसलिए हाइड्रोजन बनाने का सबसे बेहतर तरीका है उसे पानी से निकलने का, जिसे रासायनिक प्रक्रिया इलेक्ट्रोलिसिस कहते हैं। इस प्रक्रिया में सिर्फ ऑक्सीजन ही बाहर निकलती है। हाइड्रोजन बनाने की प्रक्रियाओं नीले हरे या भूरे रंग के चार्ट में दिखाया जाता है, जो यह बताते हैं कि प्रक्रियाएं कितनी स्वच्छ हैं यानी उस प्रक्रिया से कितनी कार्बन बाहर निकलती है। फिलहाल मीथेन स्टीम रिफॉर्मिंग की जो प्रक्रिया है वह भूरी प्रक्रिया है, क्योंकि इस प्रक्रिया से कार्बन गैस भी निकलकर हवा में फैलती है।

यथार्थ

लेखक : समरजीत
संपादक, अनंत ज्ञान

ब्लू यानी नीली प्रक्रिया भी अलग नहीं है। फर्क सिर्फ इतना है कि इससे निकलने वाली कार्बन गैसों को पकड़कर और बंद कर उसका कुछ और तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन प्रक्रिया है ग्रीन प्रक्रिया और वो है इलेक्ट्रोलिसिस यानी पानी से हाइड्रोजन बनाने की प्रक्रिया। बेहतर तो यह होगा कि हम अपनी जरूरत की पूरी ऊर्जा नीली या हरी प्रक्रिया से ही बना पाएं। भारत ने जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए कार्बन उत्सर्जन कम करने का जो नेट जीरो लक्ष्य रखा है उसके लिए आवश्यक मात्रा में इलेक्ट्रोलिसिस से हाइड्रोजन नहीं बन रहा है। उसके लिए जिस किस्म की टेक्नोलॉजी चाहिए उसके बनने में समय लगेगा तब तक हमें भूरी और नीली प्रक्रिया वाली हाइड्रोजन का ही इस्तेमाल करना होगा। हाइड्रोजन के मॉलिक्यूल बहुत सूक्ष्म होते हैं और आसानी से हवा में रिस जाते हैं, इसलिए हाइड्रोजन को बड़े कंटेनर में भरकर भेजने की कोशिश की जाए, तो उसमें से बड़ी मात्रा में हाइड्रोजन अपनी मंजिल तक पहुंचने से पहले रिस जाएगा। दूसरी बात उसे लाने के लिए पानी के बड़े जहाजों की जरूरत होगी जो डीजल पर चलते हैं तो कार्बन कम करने का लक्ष्य तो वहीं हवा हो जाएगा। इससे तो यही लगता है कि बेहतरीन तरीका यह है कि जहां हाइड्रोजन इस्तेमाल होनी है उसी जगह के पास इसे बनाया जाए। अब सवाल उठता है कि क्या इसे बनाने के लिए घर के आसपास इलेक्ट्रोलाइजर उपकरण लगाए जा सकते हैं? सैद्धांतिक तौर पर संभव तो है, लेकिन चुनौती इससे बड़े पैमाने पर सस्ती कीमत बनाने की है ताकि यह व्यवहारिक और टिकाऊ विकल्प बन जाए जो फिलहाल आसान नहीं है। ऊर्जा काफी बड़ी मात्रा में हमारी यात्रा के साधनों में खर्च हो जाती है और यह कार्बन उत्सर्जन का एक बड़ा स्रोत भी है। अब हम सड़कों पर बिजली से चलने वाली गाड़ियां देख रहे हैं जो लिथियम बैटरी से चलती है, मगर बड़े ट्रक, ट्रेन और नौकाओं को चलाने के लिए बैटरी की क्षमता काफी नहीं होती। इन साधनों को चलाने में हाइड्रोजन का इस्तेमाल हो सकता है। समान ढोने वाली बड़ी नाव और ट्रकों को हाइड्रोजन से चलाया जा सकता है।

हाइड्रोजन से चलाया जा सकता है। दुनिया में यातायात के साधनों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन का 2 से 3 प्रतिशत हिस्सा बड़ी मलवाहक नौकाएं जो दुनियाभर में सामान लाती और ले जाती हैं, उनसे होता है। इन नौकाओं में अमोनिया यानी नाइट्रोजन और हाइड्रोजन को ईंधन की तरह इस्तेमाल करने से कार्बन मिशन में कमी लाई जा सकती है। अब सवाल उठता है कि सामान की ढुलाई के लिए इस्तेमाल होने वाले ट्रकों में बैटरी की जगह अगर कंबस्चन इंजन में हाइड्रोजन भरकर चलने से क्या मदद मिल जाएगी? ट्रक लंबी दूरी की यात्रा करते हैं और बैटरियों पर उन्हें चलाने में समस्या यह है कि उन्हें पूरे सफर के दौरान कई बार बैटरी चार्ज करनी पड़ेगी।

यह बैटरियां बहुत बड़ी होती हैं और 1000 किलोवाट की बैटरी चार्ज करने में पांच घंटे तक का समय लगता है, लेकिन इसी ट्रक में हाइड्रोजन भरने में सिर्फ 20 मिनट लगते हैं, मगर हाइड्रोजन के साथ भी समस्या यह है कि इसे भरने के लिए पेचीदा किस्म के उपकरणों की जरूरत पड़ती है, क्योंकि दबाव की वजह से यह बहुत गर्म हो जाते हैं तो यह सुनिश्चित करना बहुत जरूरी होता है कि ट्रक में डालते समय हाइड्रोजन गैस सही कंडीशन में हो और दबाव बिलकुल सही रहे। अगर उपकरणों और टेक्नोलॉजी की समस्या सुलझ भी जाए तो यह सुनिश्चित करना होगा कि हर जगह पर्याप्त संख्या में हाइड्रोजन पंप उपलब्ध हों। आपको याद होगा कि जब बैटरी पर चलने वाली कारें बाजार में आई तो कई लोग उन्हें खरीदने से पहले हिचकिचाते थे, क्योंकि उन्हें शक होता था कि बैटरी चार्ज करने के लिए पर्याप्त चार्जिंग स्टेशन होंगे या नहीं। यही चुनौती हाइड्रोजन गैस स्टेशन की उपलब्धता को लेकर भी हो सकती है। इसके लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने होंगे और इसे बढ़ावा देने के लिए सरकार की तरफ से रियायतें भी देनी होगी। क्या हवाई जहाज चलाने के लिए हाइड्रोजन का इस्तेमाल हो सकता है? हवाई यातायात में हाइड्रोजन के इस्तेमाल से काफी बदलाव लाए जा सकते हैं। दुनिया में यातायात से होने वाले कार्बन उत्सर्जन का 10 प्रतिशत विमानों से होता है। खास तौर पर छोटे विमानों में ईंधन के लिए हाइड्रोजन के इस्तेमाल के प्रयोग के अच्छे नतीजा दिखाई दिए हैं।

हवाई जहाज के इंजन को बदला जा रहा है ताकि वह हाइड्रोजन का इस्तेमाल कर सकें। यह भी ध्यान रखना होगा कि हवाई जहाज में हाइड्रोजन का इस्तेमाल करने में कम से कम 10 साल लग सकते हैं। यातायात के साधनों में ईंधन के तौर पर हाइड्रोजन के इस्तेमाल पर प्रयोग चल रहे है, मगर इसका इस्तेमाल रसोई में खाना बनाने और घरों को गर्म रखने के लिए भी किया जा सकता है। पूरी दुनिया इस वक्त प्राकृतिक गैस की कीमत में आए उछाल से निपट रही है। ऐसे में हाइड्रोजन के इस्तेमाल की क्या कीमत होगी? स्वाभाविक है कि हाइड्रोजन गैस महंगी होगी। कुछ विशेषज्ञ यह तर्क भी देते हैं कि हाइड्रोजन को ईंधन के रूप में अपनाने के शुरुआती दौर में इसका इस्तेमाल इमारत को गर्म करने के बजाय अगर बड़े उद्योगों में किया जाए, तो बेहतर होगा। हाइड्रोजन का इस्तेमाल शुरुआत में उद्योगों को सप्लाई करने में होना चाहिए जैसे कि शीशा धातु और रसायन उत्पादक फैक्ट्रियां जहां ऊंचे तापमान की आवश्यकता पड़ती है। वहां हाइड्रोजन का इस्तेमाल शुरुआत में अधिक व्यवहारिक हो सकता है। जहां तक घरों और इमारत को गर्म रखने का सवाल है तो उसके लिए फिलहाल हमें दूसरे ईंधन का इस्तेमाल करना चाहिए।

रिस्पांसकर्ता: editoranantgyaan@gmail.com

शिक्षा मनुष्य में पहले से मौजूद पूर्णता की अभिव्यक्ति है

प्रकृति ने अपनी असीम बुद्धि से प्रत्येक मनुष्य को एक अलग पहचान दी है- हमारी अंगुलियों के निशान से लेकर आंखों की पुतलियों तक, हमारे अनुभव से लेकर विचारों तक, हमारी प्रतिभाओं से लेकर उपलब्धियों तक। मानवीय विशिष्टता के बारे में यह गहन सत्य हमारे समाज की विशेषता रही है और हमारी शिक्षा प्रणाली को इस विशेषता को प्रतिबिंबित करना चाहिए। प्रत्येक बच्चे में कुछ जन्मजात प्रतिभा होती है, कुछ शैक्षिक प्रतिभा से चमकते हैं, अन्य रचनात्मकता के लिए तत्पर होते हैं, कई अन्य एथलेटिक और पेशेवर कौशल से युक्त होते हैं। इस विशिष्टता को दर्शाते हुए, स्वामी विवेकानंद ने एक बार कहा था, 'शिक्षा मनुष्य में पहले से मौजूद पूर्णता की अभिव्यक्ति है।' एक बच्चे की प्राकृतिक प्रतिभा को निखारना और उसे उसकी पसंद के शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों में रचनात्मक रूप से शामिल करना हमारे शैक्षणिक संस्थानों के सामने कठिन चुनौतियां रही हैं।

लेखक : धर्मेंद्र प्रधान
केंद्रीय शिक्षा मंत्री

शिक्षकों और नीति निर्माताओं के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनूठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुने हुए लक्ष्य में श्रेष्टता प्राप्त कर सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने प्रतिभा को परिभाषित करने और उसको विकसित करने के तरीके में एक विलक्षण बदलाव किया है। यह एक दार्शनिक ढांचा है जो वास्तव में हमारे प्रत्येक बच्चे में मौजूद विशिष्टता की सूक्ष्म रूपरेखा का वर्णन कर सकता है जो हमारे देश की उन्नति में योगदान देता है। हमारे प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, हम शिक्षा में संपूर्ण सुधार लागू कर रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बच्चे की शैक्षिक यात्रा हमेशा रोमांचकारी और यादगार बनी रहे। बच्चे पढ़ाई और परीक्षा के दौरान किसी भी तरह के तनाव और दबाव से मुक्त रहें। यह दृष्टिकोण हमारे शैक्षिक सुधारों का केंद्र है, बुनियादी शिक्षा से लेकर शिक्षा और अनुसंधान के उच्चतम स्तरों तक। कुछ साल पहले, हमारे युवा शिक्षार्थियों के लिए बाल वाटिका या खिलौना-आधारित शिक्षा ने व्यापक संदेह को आमंत्रित किया होगा।

आज, एनईपी की बदौलत, ये अभिनव दृष्टिकोण प्रारंभिक शिक्षा में आमूल परिवर्तन ला रहे हैं, जिससे सीखना कष्टदायक होने के बजाय एक आनंददायक कार्य बन गया है। हमारी नई शिक्षा प्रणाली यह मानती है कि प्रत्येक बच्चा अपनी प्राकृतिक प्रतिभा के अनुसार विकास करता है। हमारी क्रेडिट ट्रांसफर नीति जो एक अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट स्थापित करती है, एक और उन्नतिशील कदम आगे बढ़ाती है। यह माना जाता है कि जीवन का मार्ग हमेशा सीधा नहीं हो सकता है, बल्कि इसमें उतार-चढ़ाव भी हो सकते हैं और सीखना विभिन्न परिस्थितियों में विभिन्न गति से हो सकता है। शिक्षार्थी औपचारिक शिक्षा को रोक सकते हैं, क्योंकि वे अपनी रुचि के अनुसार काम करते हैं, व्यवहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं तथा अपने परिवार का समर्थन करते हैं।

जब वे औपचारिक शिक्षा में वापस लौटते हैं, तो उनके अपने अनुभव और उपलब्धियां काम आती हैं और इन्हें महत्व दिया जाता है जो उनके क्रेडिट अकादमिक रिकॉर्ड में शामिल किया जाता है। यह अनुकूलनियता इस बात को जोर देती है कि सीखने के दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं, जो लोगों को उनके जीवन के किसी भी मोड़ पर सीखने के पारिस्थितिकी तंत्र में वापस लाते हैं। सरकार ऐसी संस्कृति विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां परीक्षा में सफलता कभी भी संपूर्ण विकास पर हावी न हो, जिससे हमारे युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान न हो। इस महत्वपूर्ण चुनौती को पहचानते हुए, हमारी सरकार ने परीक्षा से संबंधित तनाव को दूर करने में मदद करना एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बना दिया है। प्रधानमंत्री की अभूतपूर्व 'परीक्षा पे चर्चा' पहल छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के मूल्यांकन के तरीके को बदलने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। छात्रों और अभिभावकों के साथ प्रधानमंत्री की बातचीत ने परीक्षा की चिंता को राष्ट्रीय संवाद में बदल दिया है। प्रधानमंत्री के अपने जीवन और अनुभवों से लिए गए व्यवहारिक सुझावों को परीक्षार्थियों ने खूब सराहा है, जिससे उनका परीक्षा में तनाव मुक्त प्रदर्शन आश्वस्त हुआ है। सच्चे नेतृत्व के एक उदाहरण में, हम भारतीयों की भावी पीढ़ी को बढ़ावा देने के लिए एक दूरदर्शी नेता के समर्पण को देख रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण में योगदान देता है और राष्ट्र की प्रगति की ओर निरंतर अग्रसर होना सुनिश्चित करता है।

माता-पिता और समाज तथा नागरिक पर ये परिवर्तन केंद्रित है। परीक्षा पे चर्चा मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षण सहायक, वातावरण के महत्व को उजागर करने में परिवर्तनकारी रही है। यह एक ऐसी मानसिकता है जिसे केवल 10वीं और 12वीं के छात्रों की बोर्ड की कक्षाओं के अलावा सभी कक्षाओं और सभी उम्र के छात्रों में बढ़ावा दिया जाना चाहिए। परीक्षा के समय दबाव और तनाव को दूर करने के सभी चरणों को सिखाया जाना चाहिए।

रवींद्रनाथ टैगोर के बुद्धिमान शब्दों में, 'बच्चे को अपनी शिक्षा तक सीमित न रखें, क्योंकि वह किसी और समय में पैदा हुआ है।' शैक्षिक परिवर्तन के प्रति हमारा दृष्टिकोण इसी ज्ञान से निर्देशित है। यह विचार कि शिक्षा में तनाव अनिवार्य है, इस समझ को बदलने की आवश्यकता है कि वास्तविक शिक्षा पोषण करने वाले वातावरण में पनपती है। जब समुदाय, शिक्षक और परिवार मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं जहां छात्र का विकास हो सकें, तो सफलता अवश्य मिलती है। कक्षा से लेकर खेल के मैदान तक, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों से लेकर अनुसंधान प्रयोगशालाओं तक, हमें ऐसे स्थान बनाने चाहिए जहां अलग-अलग प्रतिभाएं अपनी चमक पा सकें और विकास कर सकें। हमारे बच्चे हमारा भविष्य हैं। वे अपनी अनूठी प्रतिभा से चमकेंगे और देश को गौरवान्वित करेंगे। एक उज्ज्वल भविष्य हमारा आह्वान करता है। हम मानते हैं कि प्रत्येक बच्चे की अद्वितीयता में भारत के भविष्य की विलक्षणता निहित है। तनाव मुक्त शिक्षा हमारे बेहद प्रतिभाशाली छात्रों के अनुपम योगदान को निखारने की कुंजी होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के पुनर्जागरण का काल बना सदी का प्रथम चरण

इक्कीसवीं सदी के पच्चीसवें वर्ष में प्रवेश के साथ ही हम सदी के दूसरे चरण में प्रवेश कर रहे हैं। संयोगवश यही काल भारतीय स्वतंत्रता के अमृतकाल का भी समय है। इस काल का यदि मूल्यांकन किया जाए तो अतिश्योक्ति न होगी कि यह समय भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं सनातन मूल्यों के पुर्जागरण का काल भी कहा जा सकता है। सामाजिक राजनीतिक एवं आंशिक तौर पर आर्थिक क्षेत्र में भारतीय सांस्कृतिक मानकों की प्रतिष्ठा स्थापित हुई है। जिसका सिलसिलेवार उल्लेख में यहां करना चाहूंगा। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि जब भारत के परिप्रेक्ष्य में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की बात आती है तो वैदिक दर्शन एवं पौराणिक आख्यानों द्वारा निर्देशित जीवन शैली ही सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को निरूपित करती है।

लेखक : अजय श्याम
भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को लेकर स्वामी विवेकानंद की जिस अवधारणा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आगे बढ़ाया है लगभग वही मानक सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मानकों को संतुष्ट करते हैं जिसे कभी-कभी सनातन मूल्यों के साथ भी अंतर्निहित किया जाता रहा है। इसी दर्शन को राजनीति के क्षेत्र में अपनी पंचनिष्ठाओं में भारतीय जनता पार्टी ने भी अंगीकार किया है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भी यदि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की भूमिका को देखा जाए तो निश्चित तौर पर इतिहास साक्षी है कि स्वराज की इच्छा के पीछे राजनीतिक कारणों के साथ-साथ सांस्कृतिक आजादी एवं स्वसंस्कृति के संरक्षण के मनोभाव के कारण ही आजादी के आंदोलन में आम जनमानस ने अपनी सहभागिता निभाई एवं सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के बीज के कारण ही प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 की क्रांति मंगल पांडेय द्वारा आरंभ की गई। महर्षि अरविंदो रवींद्रनाथ टैगोर के विचार बाल गंगाधर तिलक द्वारा गणेश पूजा महात्मा गांधी जी द्वारा प्रेरित स्वदेशी आंदोलन इस बात का परिचायक है कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ने स्वतंत्रता आंदोलन में आम आदमी के लिए उत्प्रेरक की भूमिका निभाई।

आजादी के बाद भले ही विकासशील भारत में कुछ समय तक राष्ट्र स्व के दर्शन से दूर हीन भावना से ग्रसित होकर पश्चिमुखापेक्षी रहा हो जिसके लिए अनेक सामाजिक कुरीतियां एवं राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव कारण रहा हो, परंतु नब्बे के दशक के बाद सूचना एवं संचार के साधनों की आम आदमी तक पहुंच एवं आज से संयोगवश सौ वर्षों पूर्व गठित संघ के जमीनी विस्तार एवं संघ आधारित विविध संगठनों के विचार संप्रेषण ने सांस्कृतिक पुर्जागरण की नींव रखने का कार्य किया। विश्व हिंदू परिषद ने जहां संत समाज को एकत्र किया वहीं छात्रों में विवेकानंद आधारित राष्ट्र दर्शन का विकास करने में विद्यार्थी परिषद की अहम भूमिका रही। राजनीतिक क्षेत्र में नब्बे के ही दशक में राम मंदिर आंदोलन को भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प का हिस्सा बनाकर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का राजनीतिकरण कर इस जागरण को धार देने का काम किया। बीसवीं सदी के अंत में घर-घर पहुंचे टेलीविजन ने पौराणिक धारावाहिकों रामायण एवं महाभारत के माध्यम एवं अनेक धार्मिक चैनलों के माध्यम से कथावाचकों ने सांस्कृतिक पुर्जागरण के लिए जमीन तैयार की। इक्कीसवीं सदी के आरंभ में योग ऋषि रामदेव द्वारा योग के साथ-साथ राजनीतिक चेतना का जागरण भी सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अभिव्यक्ति है। इतना ही नहीं शासकीय नीतियों में वोकल फॉर लोकल मेक इन इंडिया जैसे अभियानों ने स्वदेशी आंदोलन को धार देने का काम किया। इसी काल में भारत को जानने एवं समझने की इच्छा विदेशियों में भी जागृत हुई।

नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय गौरव को जिस रूप में प्रस्तुत किया गया उसके परिणामस्वरूप ओबामा की हनुमान भक्ति, ऋषि सुनक की सनातन शैली को स्वीकार्यता पापुआ न्यू गिनी के राष्ट्रपति द्वारा मोदी के चरण स्पर्श, यूएई में मंदिर निर्माण आदि घटनाओं के साथ-साथ विदेशों में रह रहे भारतीयों में गौरव की अनुभूति भी राष्ट्रीय पुनर्जागरण का हिस्सा है। मोदी और योगी के आविर्भाव के साथ राजनीति में सांस्कृतिक मुद्दों का समावेशन राज पथ का कर्तव्यपथ हो जाना अनेक नगरों का नाम परिवर्तन बजट प्रस्तुतीकरण का भारतीयकरण कानून के क्षेत्र में भारतीय न्याय संहिता जैसे परिवर्तन राजनीतिक रूप से सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ही उदाहरण है। हाल ही में वैश्विक चर्चा में आया कुंभ एवं करोड़ों लोगों का कुंभ के प्रति आकर्षण इक्कीसवीं सदी में सांस्कृतिक पुर्जागरण की ही अभिव्यक्ति है। आज भारत ही नहीं भारत से बाहर भी लोग भारतीय संन्यास परंपरा को जानने के इच्छुक है। स्वामी प्रेमानंद जैसे संतों की वैश्विक स्वीकृति इस बात का उदाहरण है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के पुनर्जागरण के इन्हीं शुभ लक्षणों के बीच ही आम भारतीय आज 2047 तक विकसित एवं गौरवान्वित भारत का स्वप्न देख रहा है जिस संकल्प की सिद्धि के लिए सामाजिक सोहार्द राजनीतिक स्थायित्व को बनाए रखना एक चुनौती होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक समरजीत, समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN01099
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

न्यूज ब्रीफ

देव खुड्डीजहल महाशिवरात्रि पर्व पर करेंगे शिरकत

अनंत ज्ञान, मंडी। देव खुड्डीजहल महाराज हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय महाशिवरात्रि महोत्सव मंडी को शिरकत करेंगे। कारदार शोभा राम ठाकुर, कमेटी के अध्यक्ष नेत्र सिंह, प्रताप सिंह, सचिव ओम व गंगा राम सोनी सहित सभी सदस्यों ने फैसला लिया है कि 12 फरवरी को खुड्डीगाड़ में तुआर पर्व विधिवत रूप से कारदार शोभा राम ठाकुर की अध्यक्षता में निभाया जाएगा। इस दौरान मंडी महाशिवरात्रि को जाने के बारे चार गांव के लोग व छह गाड़ के देवलू मीटिंग करेंगे। बैठक में तय समय पर मंडी महाशिवरात्रि पर्व के लिए जाने पर निर्णय लेंगे।

चिट्टे के खिलाफ अभियान चलाएगी जबना

अनंत ज्ञान, नेरचौक। देश की सबसे कम उम्र की चर्चित सेलिब्रिटी पंचायत प्रधान रही प्रदेश स्तरीय समाजसेवी संस्था ओरिएंटल फाउंडेशन की संस्थापक जबना चौहान चिट्टे के खिलाफ अभियान चलाएगी। इस अभियान के तहत बच्चों युवाओं व महिलाओं को जागरूक किया जाएगा। इसके लिए जबना चौहान ओरिएंटल फाउंडेशन के बैनर तले पंचायत स्तर पर बैठकों का आयोजन कर चिट्टे के खिलाफ समाज में वातावरण तैयार करने का प्रयास करेगी ताकि समाज का हर वर्ग चिट्टे जैसे जानलेवा नशे के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर सके। जबना चौहान ने बताया कि इस अभियान को शुरू करने के लिए बुद्धिजीवी लोगों के साथ विचार विमर्श कर योजना तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि देश की युवा पीढ़ी आज चिट्टे की गिरफ्त में फंसती जा रही है जिससे युवा पीढ़ी जहां रास्ते से भटक रही है वहीं कई युवा अपनी जान तक खो चुके हैं। समाज के लिए यह एक गंभीर समस्या है और एक बड़ी चुनौती है जिसका हम सबको मिलकर मुकाबला करना होगा।

बीबीएमबी प्रशासन के कार्यालय परिसर में जमा हुआ कूड़ा

अनंत ज्ञान, महादेव। केंद्रीय बीएसएल (बीबीएमबी) परियोजना सुंदरनगर के अंतर्गत आते मुख्य कार्यालय यानि चीफ इंजीनियर कार्यालय परिसर में ही कागजों आदि के ढेर लगे देखे जा सकते हैं। जबकि ऐसे कार्यालयों के कूड़े को जलाने के लिए खास चिमनियों का प्रबंध होता है। मगर यहां यह सब देखकर तो लगता है कि यहां तो मनमानी एवं लापरवाही का ही बोलबाला है, जिससे केंद्र के सांसद तथा संबंधित मंत्री इस दिशा में यानि स्वच्छता अभियान व गोपनीयता के प्रति कतई गंभीर नहीं है। लोगों का कहना है कि बीबीएमबी की सुस्त कार्यप्रणाली पर अंगुली उठना स्वाभाविक सी बात इसलिए भी है, क्योंकि इनके एक बड़े भाग में सुधारात्मक कार्य ठंडे बस्ते में पड़ा है। लोगों ने चेयरमैन बीबीएमबी व केंद्र सरकार से पुरजोर मांग की है कि शीघ्र ही कार्यालय के कार्यालय परिसर में ही जमा होते जा रहे कचरे को जलाने के लिए विशेष प्रकार की चिमनी का इंतजाम किया जाए।

सीवरेज की गंदगी खुले में बहने से फैला प्रदूषण

भीम बसेड़ू, महादेव। शहरी क्षेत्र सुंदरनगर के अंतर्गत आते डेंटल कॉलेज से सटी सिंडी खड्ड में सिवरेज होल तो जगह-जगह बने हैं मगर स्वच्छता अभियान को ठेंगा दिखाते होल के ढक्कन गायब होने से बदबूदार गंदगी खुले में बह रही है जिससे हवा में जहर घुल रहा है यानि आते जाते लोग यहां प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। लोगों का कहना है कि ऐसे कई बड़े क्षेत्र में मैन होल इत्यादि के भी ढक्कन गायब होने से प्रदूषण की समस्या बद से बदतर होती जा रही है जिसका सुधार करने के लिए संबंधित विभाग कोई गंभीरता नहीं दिखा रहा है। लोगों ने उपायुक्त मंडी से गुहार लगाई है कि शीघ्र ही सिवरेज व्यवस्था का स्तर बेहतर बनाने के लिए संबंधित विभाग को निर्देश जारी किए जाएं। (अनंत ज्ञान)

नशे के खिलाफ अभियान तेज करेगी ज्ञान विज्ञान समिति

अनंत ज्ञान, मंडी। हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति की राज्य कमेटी की बैठक रविवार को मंडी में हुई। बैठक में कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ भविष्य के लिए भी कार्ययोजना बनाई गई। इस बैठक में प्रदेश के 9 जिलों से 41 सदस्यों ने भाग लिया। समिति के सचिव सत्यवान पुण्डीर ने जानकारी देते हुए कहा कि समिति 2025 में संगठन को मजबूत करने के लिए सदस्यता अभियान चलाएगी और वार्ड स्तर तक कमेटियों का गठन किया जाएगा। इसके लिए 5 जून को एक दिवसीय राज्यव्यापी सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। हालांकि सदस्यता जनवरी से शुरू कर दी गई है। अप्रैल 2026 में होने वाले 21वें राज्य सम्मेलन से पहले समिति हर इकाई में सम्मेलन करेगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की समझ को बढ़ाने के लिए आगामी 10 और 11 मई को संगठनात्मक शिविर आयोजित होगा। 7 अप्रैल विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर शिमला में राज्य स्तरीय अधिवेशन का आयोजन किया जाएगा जिसमें अन्य संगठनों को भी आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में जलवायु परिवर्तन, शिक्षा, नई शिक्षा नीति, जेंडर और जनवाचन अभियान पर भी चर्चा की गई और इन विषयों पर काम करने की योजना तैयार की गई।

भाजपा की जीत पर छोटाभंगाल और चौहार घाटी में जश्न

अनंत ज्ञान, बरोट। दिल्ली में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली ऐतिहासिक जीत पर देशभर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया। इसी कड़ी में जिला कांगड़ा की छोटाभंगाल और जिला मंडी की चौहार घाटी के भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी जीत का जश्न मनाया। धरमान पंचायत के पूर्व प्रधान व बैजनाथ भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष संजय ठाकुर, धरमान पंचायत की प्रधान रेखा देवी, बड़ा ग्रां पंचायत की प्रधान चंद्रमणी, पूर्व उपप्रधान रूप लाल, कोठी कोहड़ पंचायत की पूर्व प्रधान बबिता ठाकुर, पूर्व बीडीसी सदस्य जनक राज, मुल्थान पंचायत की प्रधान दुर्गेश कुमारी, लोआई पंचायत के उपप्रधान तिलक , स्वाड़ पंचायत की प्रधान गुड्डी देवी, बड़ा भंगाल पंचायत के प्रधान मनसा राम, पूर्व प्रधान चुनीलाल, चौहार घाटी की खलैहल पंचायत के प्रधान भागमल, बरोट पंचायत की पूर्व प्रधान विंद्ना देवी, लपास पंचायत के उपप्रधान देश राज सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व को जीत की बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने कहा किमोदी की लोकप्रियता देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी बढ़ रही है।

विद्यार्थियों ने नशे के दुष्प्रभावों पर पेंटिंग बनाकर अभियान को दी मजबूती

नशे के खिलाफ अनंत ज्ञान का अभियान स्कूलों से चलकर पहुंचेगा पंचायत स्तर तक

लॉर्ड्स कॉन्वेंट स्कूल सरकाघाट।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सरकाघाट।

नव ज्योति स्कूल सरकाघाट।

बलद्वाड़ा स्कूल।

अनिल शर्मा, मंडी

हिमाचल प्रदेश में चिट्टे के सेवन से मौत के बढ़ते मामलों को लेकर दैनिक समाचार पत्र एवं वेब टीवी 'अनंत ज्ञान' ने नशे के खिलाफ सार्वभौमिक अभियान आरंभ कर दिया है। इस कड़ी में 365 दिनों तक लगातार चलने वाला जन जागरण अभियान जिला मंडी के उपमंडलों के स्कूलों में विद्यार्थियों से लेकर हर पंचायत तक शुरू किया है।

नशे के खिलाफ अनंत ज्ञान का महाअभियान

जिला के स्कूलों के होनहार विद्यार्थियों ने नशे के दुष्प्रभावों पर पेंटिंग बना कर इस अभियान को मजबूती प्रदान की है। इसमें उपमंडल स्तर पर सभी स्कूलों के प्रतिभागियों में से तीन विजेताओं का चुनाव भी होगा। इसके साथ ही प्रतिभागी विद्यार्थियों ने नशा रोकने के लिए वाक्य भी इंगित किए हैं।

इन बेहतर वाक्यों को प्रतिदिन दैनिक समाचार पत्र अनंत ज्ञान में प्रकाशित किया जाएगा। आप भी इस अभियान से जुड़ने के लिए 9418980288 नंबर पर संपर्क कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। गौर हो कि मंडी में गत एक माह में 22 से अधिक युवा नशे के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। तो सोचिए एक वर्ष में कितने युवा नशे का शिकार हो रहे हैं।(अनंत ज्ञान)

पेंशनरों का वित्तीय मांगों पर रोष सरकार से समाधान की अपील

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। हिम आंचल पेंशनर संघ इकाई जोगिंदर नगर (चौंतड़ा खंड) की मासिक बैठक मिनी सचिवालय में संघ के प्रधान नेक राम शास्त्री की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित पेंशनरों ने सरकार द्वारा लंबित वित्तीय लाभों के न मिलने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की।

चिकित्सा बिलों का नहीं हुआ भुगतान

बैठक में वक्ताओं ने बताया कि तीन वर्षों से पेंशनरों के चिकित्सा बिलों का भुगतान नहीं हुआ है, जिससे वे गंभीर आर्थिक संकट में हैं। लाखों रुपए की राशि अभी भी लंबित है, जो पेंशनरों के साथ अन्याय और विश्वासघात के समान है। संघ के जिला सलाहकार सुभाष ठाकुर और खंड उपाध्यक्ष प्रकाश वर्मा ने सरकार से पेंशन पर लगने वाले आयकर को समाप्त करने की मांग उठाई, जिससे वरिष्ठ नागरिकों को राहत मिल सके।

संघ के प्रधान नेक राम शास्त्री ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा 2016 से 2022 तक के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की वेतन संशोधन से संबंधित ग्रेच्युटी, संशोधित लीव इनकैशमेंट और कम्युटेशन की बकाया राशि दो वर्षों में जारी करने की घोषणा की गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने सरकार से शीघ्र समाधान की अपील की।

नेक राम शास्त्री ने बैठक में संघ की गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित पेंशनरों ने सराहा। उन्होंने बताया कि सदस्यता अभियान में जोगिंदरनगर इकाई जिला मंडी में दूसरे स्थान पर है और भविष्य में इसे शीर्ष स्थान पर पहुंचाने का प्रयास जारी रहेगा।

जिला उपप्रधान एवं खंड कोषाध्यक्ष रविंद्र शर्मा ने कहा कि पेंशन संशोधन के मामलों का वर्षों से महालेखाकार कार्यालय में लंबित रहना पेंशनरों की परेशानी का मुख्य कारण है। उन्होंने सरकार से महंगाई भत्ते की किश्तों का बकाया एरियर शीघ्र जारी करने की भी मांग की। बैठक में हरदेव सिंह राणा, प्रकाश वर्मा, शरद सिंह ठाकुर, भगतराम वर्मा, दान सिंह ठाकुर, नरेंद्र सिंह ठाकुर, श्री राम, राज कुमार वालिया, भीम सिंह ठाकुर, केसी कटोच, बृजगोपाल अवस्थी, दयाल सिंह ठाकुर, नारायण सिंह राणा सहित कई वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

अमर सिंह ने राष्ट्रीय मास्टर एथलेटिक्स में जीते पदक

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय मास्टर एथलेटिक्स खेलों में शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। केरल के एर्नाकुलम तालुका में आयोजित इस प्रतियोगिता में हिमाचल की टीम ने भाग लिया, जिसमें मंडी जिले के 68 वर्षीय अमर सिंह ने लंबी कूद में कांस्य पदक और तिहरी कूद में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

अमर सिंह के अलावा ऊना जिले के खिलाड़ियों ने भी उम्दा प्रदर्शन किया। 70 वर्षीय ओम प्रकाश शर्मा ने 10 किलोमीटर दौड़

में कांस्य पदक जीता, जबकि 65 वर्षीय अजीत सिंह ने कांस्य पदक हासिल कर प्रदेश का नाम रोशन किया।

यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 31 जनवरी से 3 फरवरी तक चली, जिसमें देशभर के 2200 से अधिक महिला और पुरुष एथलीटों ने भाग लिया। इस आयोजन में विभिन्न आयु वर्गों के दिग्गज खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

अमर सिंह और अन्य पदक विजेताओं की इस उपलब्धि से मंडी और ऊना जिले में खुशी का माहौल है। अमर सिंह खनोइड़िया और अन्य विजेताओं ने भविष्य में भी इसी तरह के प्रदर्शन को जारी रखने का संकल्प लिया है। खेल प्रेमियों को उम्मीद है कि आने वाले समय में हिमाचल के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छाप छोड़ेंगे।

परसदा हवाणी में स्कूटी स्किड होने से व्यक्ति की मौत

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

दवाड़ु से परसदा हवाणी सड़क पर एक स्कूटी स्किड हो जाने से व्यक्ति की मौत हो गई।

जानकारी अनुसार बलदेव कुमार उम्र 60 साल गांव परसदा हवानी परसदा से द्वारडू रोड से अपने घर की ओर जा रहा था कि रास्ते में इंटरलॉक टाइल के लिए ठेकेदार ने सड़क उखाड़ी थी वहां पर स्कूटी स्किट होने से वह नीचे पत्थरों पर सिर के बल जा गिरा और उसके सिर पर गहरी चोट आई। उसे तत्काल नागरिक अस्पताल सरकाघाट लाया गया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। गांव वासी और मृतक के स्वजनों ने इस दुर्घटना के लिए ठेकेदार और विभाग को जिम्मेदार ठहराया है।

जहां पर यह एक्सीडेंट हुआ वहां पर ठेकेदार ने काफी दिनों से काम अधूरा छोड़ा था। अगर टाइलें डाल दी होती तो यहां पर दुर्घटना नहीं होनी थी। डीएसपी संजीव गौतम ने पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच चल रही है।

भूतनाथ मंदिर में तिलिंग भोले बाबा के हुए दर्शन

अनंत ज्ञान, मंडी। एतिहासिक बाबा भूतनाथ मंदिर मंडी के शिवलिंग पर रविवार को असम के छोटे से शहर बोरदुबी में स्थित तिलिंग मंदिर में विराजमान भोले बाबा के स्वरूप को उकेरा गया।

भूतनाथ मंदिर के महंत स्वामी देवानंद सरस्वती ने बताया कि ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिण में लगभग 15 मील की दूरी पर पूर्वोत्तर असम के छोटे से शहर बोरदुबी में तिलिंग अनोखा घंटी मंदिर है।

दुनियाभर के अधिकांश अन्य तीर्थ स्थलों की तुलना में तिलिंग मंदिर अपेक्षाकृत एक नया पवित्र स्थान है।

फार्मेसी अधिकारियों के 241 पदों को शीघ्र भरने की मांग

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर

हिमाचल प्रदेश अस्पताल फार्मेसी अधिकारी संघ ने प्रदेश में रिक्त चल रहे 14 मुख्य फार्मेसी अधिकारी पदों पर पदोन्नति करने के लिए मुख्यमंत्री सुक्खू, स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य सचिव एम. सुधा देवी, स्वास्थ्य निदेशक डॉ. प्रकाश सिंह दरोच एवं संपूर्ण स्वास्थ्य विभाग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

संघ के राज्याध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि यह पदोन्नति न केवल मुख्य फार्मेसी अधिकारियों के रिक्त पदों को भरने में सहायक सिद्ध होगा, बल्कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा इसके साथ ही संघ ने प्रदेश सरकार से अपील की कि स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ की हड्डी कहे जाने वाले फार्मेसी अधिकारियों के लंबे समय से रिक्त 241 पदों को शीघ्र भरा जाए। इससे प्रदेश की संपूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली और अधिक सशक्त होगी तथा जनसामान्य को सुचारु एवं गुणवत्तापूर्ण दवा व स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल पाएगा। राज्य महासचिव कुशाल सिंह ने सभी फार्मेसी अधिकारियों से वार्षिक रिपोर्ट ऑनलाइन भरने का आग्रह किया।

महिलाओं-युवतियों को खूब भा रहा लोंग कोट

मंडी। लोंग कोट वेस्टर्न और इंडियन दोनों ही ड्रेस के साथ स्टाइलिश लुक देता है। लोंग कोट इन दिनों काफी ट्रेंड में है। रिज पर महिलाएं और युवतियां दोनों ही लोंग कोट में नजर आती है। ठंड से बचने के लिए लोग कपड़ों की लेयरिंग करते है, वहीं महिलाएं और युवतियां लोंग कोट पहनना सबसे ज्यादा पसंद कर रही है।

राजधानी में पर्यटकों के साथ-साथ शहर की लड़कियां भी वेस्टर्न वेयर के साथ लोंग कोट पहन रही है। लोंग कोट स्टाइलिश लुक देने के साथ-साथ अरामदायक भी है। महिलाएं सूट, जीन्स और साड़ी के साथ लोंग कोट को पहनती है ।

सर्वोदय समिति ने कैंसर पीड़ित को दी आर्थिक सहायता

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

सर्वोदय जन कल्याण समिति चोलथरा की एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें समाज सेवा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभिन्न निर्णय लिए गए। बैठक में समिति द्वारा कांगो का गहरा की 16 वर्षीय आरुषि, पुत्री राजेंद्र कुमार, जो कि ब्लड कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित है और चंडीगढ़ पीजीआई में उपचाराधीन है, को 11,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

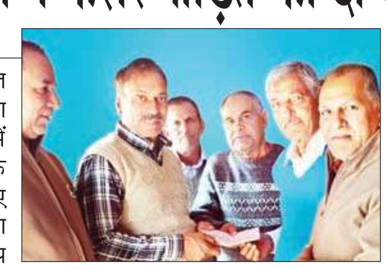

बैठक में समिति के प्रधान परजा राम, कैप्टन ओमकार सिंह, गांधी राम, वेद प्रकाश आदि उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से आरुषि के इलाज में सहायता प्रदान करने के निर्णय का समर्थन किया और भविष्य में भी जरूरतमंदों की मदद जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

बैठक में स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की संख्या में वृद्धि और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं को लेकर भी चर्चा हुई। समिति ने निर्णय लिया कि स्वास्थ्य केंद्र में अधिक से अधिक लोगों को इलाज मिल सके, इसके लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा और प्रशासन से आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने की मांग की जाएगी।

इसके साथ ही, अप्रैल महीने में समिति द्वारा एक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। सर्वोदय जन कल्याण समिति समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्यरत है और भविष्य में भी समाज सेवा व जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहेगी।

कृषक उत्पादक संगठन को आगे बढ़ाने में मन से करें कार्य : नवीन

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

कृषि विज्ञान केंद्र सुन्दरनगर द्वारा कृषक उत्पादक संगठनों की समीक्षा बैठक का आयोजन केंद्र के परिसर पर किया गया।

यह समीक्षा बैठक केन्द्र द्वारा जिले में बतौर सी बी बी ओ संचालित किए जा रहे तीन कृषक उत्पादक संगठनों के लिए आयोजित की गई जिसमें लगभग 25 बोर्ड ऑफ डायरेक्टर सदस्यों ने भाग लिया। इस समीक्षा बैठक में कृषक उत्पादक संगठनों की वर्तमान स्थिति, समस्याओं का अवलोकन किया गया, साथ ही भविष्य के लिए रोड़ मैप बनाने पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।इस कार्यक्रम में चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डा. नवीन कुमार बतौर मुख्यतिथि उपस्थित हुए। कुलपति डा. नवीन कुमार के कहा कि कृषक उत्पादक संगठन को आगे बढ़ाने के लिए मन से कार्य करने की आवश्यकता है ताकि संगठन चलते रहें।

लकड़ी पर प्रतिबंध के खिलाफ लामबंद हुए किसान

आदर्श यादव, नेरचौक

प्रदेश सरकार द्वारा बालन लकड़ी के कटान पर लगाए गए प्रतिबंध को लेकर बल्ह घाटी का किसान लामबंद होने लगा है।

किसान इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। रविवार को ऐतिहासिक कंसा मैदान में किसानों ने एक बैठक का आयोजन किया जिसमें प्रदेश सरकार के इस फैसले का जमकर विरोध किया गया। किसानों ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के विरोध में फैसला ले रही है जिससे आम किसान हताश है। सरकार के इन किसान विरोधी फैसलों में घरेलू उपयोग के लिए पेड़ के कटान पर लगाए गए प्रतिबंध से आम जनता हताश है।

पेड़ों के कटान पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ लामबंद हुए किसान।

बैठक में मौजूद किसान शिवलाल, लेखराज, चमन, विजय, गोरखु, निका राम, बंसीलाल, मीनू आदि ने बताया कि बल्ह क्षेत्र में सफेदा, पॉपुलर, मृहनू, खिड़क व चयूहली के पेड़ की लकड़ी घरेलू उपयोग में इस्तेमाल की जाती है जिसके कटान पर प्रतिबंध लगने से आम आदमी परेशान है। किसानों ने मुख्यमंत्री से पेड़ों के कटान से प्रतिबंध हटाने की मांग की है। इसके अलावा बांस के कटान में भी किसानों को राजस्व व वन विभाग के झमेले से दूर करने की अपील की है। (अनंत ज्ञान)

इंदिरा गांधी मेडिकल अस्पताल में एमआरआई मशीन बंद

मंडी। इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज व अस्पताल में शुक्रवार शाम से एमआरआई मशीन बंद पड़ी है। अस्पताल आ रहे मरीजों को एमआरआई करवाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आईजीएमसी में आए दिन या तो मशीनें खराब रहती हैं या फिर मरीजों के समय से टेस्ट नहीं हो पाते है।

मशीन खराब होने के चलते शनिवार को भी मरीजों के एमआरआई टेस्ट नहीं हो पाया। अस्पताल आए मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

घांघल खड्ड की टनल के सामने लगा मलबे का ढेर, हटाने की मांग

भीम बसेड़ू, महादेव

ग्राम पंचायत महादेव से सटी घांघल खड्ड आसपास के कूड़े-कचरे - मलबे से की डंपिंग साइट बनकर रह गई है जिससे खड्ड के अवैध कब्जे की गिरफ्त से एक बड़ा भाग बीबीएमबी द्वारा बनाई गई टनल के मुहाने को ढक रहा है, वहीं भारी मात्रा में डंप किया गया कूड़ा-कर्कट भी सुरंग के लिए आफत बना पड़ा है क्योंकि बरसात के मौसम एवं बाढ़ की स्थिति में पानी निकासी के लिए बड़े पैमाने पर इस बाधा को

हटाना जरूरी ही नहीं बल्कि समय की भी मांग है।

लोगों ने चेयरमैन बीबीएमबी व उपायुक्त मंडी से गुहार लगाई है कि शीघ्र ही घांघल सहित अन्य टनलों को क्लीयर करने हेतु कारगर ढंग से जांचा जाए।

टूर्नामेंट राष्ट्रीय खेलों में प्रदेश के दो खिलाड़ी ही पदक पर जीत कर पाए दर्ज

बॉक्सिंग में चेतन चौधरी ने जीता कांस्य पदक

उमेश, सुंदरनगर

देश और प्रदेश के लिए एक से बढ़कर एक बेहतरीन खिलाड़ी देने वाले सुंदरनगर के जरल गांव के चौधरी परिवार का एक और सितारा राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में चमका है।

बीते शुक्रवार को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में संपन्न हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों की बॉक्सिंग प्रतियोगिता में सुंदरनगर के चेतन चौधरी ने कांस्य पदक जीता है। चेतन चौधरी हेवी वेट 92 किलोग्राम में अपना भाग्य आजमा रहे थे। प्रतियोगिता में उत्तराखंड के कपिल पोखरिया से हुए शानदार

मुकाबले में चेतन को हार का सामना करने पर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा, लेकिन चेतन के बेहतरीन प्रदर्शन ने दर्शकों और अन्य खिलाड़ियों का मन जीत लिया है। राष्ट्रीय खेलों में प्रदेश को मिले मात्र 2 मेडल में एक मेडल चेतन चौधरी और दूसरा मंडी जिला

92 किलोग्राम के हैवी वेट कैटेगरी में प्रदेश के लिए जीता कांस्य पदक

के जोगिंद्रनगर के धावक सावन बरवाल को 10 हजार मीटर दौड़ में मिला है।

गौरतलब है कि चौधरी परिवार से संबंधित चेतन चौधरी भारत का बॉक्सिंग में प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व ओलंपियन आशीष कुमार के भाई हैं। चेतन के दादा का नाम जीआर चौधरी,पिता अंकुर चौधरी और माता समीक्षा है। जानकारी देते हुए रेसलिंग खिलाड़ी जौनी चौधरी ने बताया कि उनके परिवार के बॉक्सिंग खिलाड़ी चेतन चौधरी द्वारा राष्ट्रीय खेलों में कांस्य पदक जीतना संपूर्ण परिवार और क्षेत्र के लिए एक गौरव का पल है।

उन्होंने चेतन को भविष्य में अधिक अभ्यास कर अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मेडल प्राप्त करने की उम्मीद जताई है। जौनी चौधरी ने इस उपलब्धि पर विशेष रूप से हिमाचल बॉक्सिंग फेडरेशन के महासचिव राजेश भंडारी, कोच नरेश कुमार, सुरेश और पूर्व ओलंपियन आशीष कुमार का हर मोड़ पर चेतन को दिशानिर्देश देने पर आभार प्रकट किया है।(अनंत ज्ञान)

बरोट-मियोट सड़क मार्ग पर वर्षाशालिकाओं की मांग तेज

रूपी ठाकुर, बरोट। लोक निर्माण विभाग के उपमंडल झटिंगरी के अंतर्गत आने वाले बरोट-मियोट नौ किलोमीटर सड़क मार्ग पर वर्षाशालिकाओं के निर्माण की मांग जोर पकड़ रही है। इस सड़क मार्ग से जुड़े बड़ी झरवाड़, छोटी झरवाड़, खलैहल और मियोट गांवों के लोगों ने कहा कि सड़क के बीच स्थित सात प्रमुख बस ठहरावों में कहीं भी वर्षाशालिकाएं नहीं हैं।

गांववासियों प्रेम सिंह, सुख राम, अनिल कुमार, उषा देवी और संतोषी देवी सहित खलैहल पंचायत के प्रधान भागमल ने लोक निर्माण विभाग के उच्चाधिकारियों और ट्रंग के विधायक पूर्ण चंद ठाकुर से मांग की है कि वर्षाशालिकाओं का निर्माण किया जाए। विधायक पूर्ण चंद ठाकुर ने कहा कि समस्या का समाधान करवाएंगे।(अनंत ज्ञान)

मिस्टर एंड मिस नॉर्दन सीजन-2 होगा शुरू

अनंत ज्ञान, मंडी

मिस्टर एंड मिस नॉर्दन का सीजन-2 शुरू होने जा रहा है। इसके लिए आयोजक कल यानी 10 फरवरी से ऑनलाइन ऑडिशन की प्रक्रिया शुरू करने जा रहे हैं। यह जानकारी मिस्टर एंड मिस नॉर्दन के आयोजक अमित भाटिया और राजा सिंह मल्होत्रा ने दी।

आज से शुरू होंगे ऑनलाइन ऑडिशन

अमित भाटिया ने बताया कि सीजन-1 की अपार सफलता के बाद सीजन-2 की शुरूआत कर दी गई है। सीजन-1 में नॉर्थ इंडिया के बहुत से प्रतिभागी ऑडिशन के लिए नहीं पहुंच पाए थे। इसलिए ऐसे सभी प्रतिभागियों के लिए इस बार

ऑनलाइन ऑडिशन की व्यवस्था की गई है। जो भी प्रतिभागी भाग लेना चाह रहे हैं वे अपना इंट्रोडक्शन और मॉडलिंग का एक शॉर्ट वीडियो बनाकर 9805792007 पर व्हट्सएप से भेज सकते हैं। भेजे गए वीडियो के आधार पर ही उनका चयन आगामी प्रक्रिया के लिए होगा। 10 फरवरी से शुरू होने जा रही ऑडिशन की यह प्रक्रिया मार्च महीने के अंत तक जारी रहेगी और विभिन्न स्थानों पर जाकर भी ऑडिशन लिए जाएंगे।

प्रतिभा के हिसाब से काम दिलाने का प्रयास

अमित भाटिया ने बताया कि सीजन-1 की विजेता रही शिमला की स्नेहल रावत को ईनाम में स्कूटी देने के साथ ही अभी तक तीन गानों में काम करने का मौका भी मिल चुका है। जो टॉप में प्रतिभागी रहे थे उन्हें भी ंडिया ऑटो एक्सपो दिल्ली में बजाज कंपनी के साथ बतौर मॉडल काम करने का मौका दिया जा चुका है। जो अन्य प्रतिभागी थे उन्हें भी काम करने का मौका दिया जा रहा है। बतौर आयोजक जो कमीटमेंट की गई थी उसे पूरा किया और जो बच्चे सीजन में भाग लेंगे उन्हें भी उनकी प्रतिभा के हिसाब से काम दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर आयोजन राजा सिंह मल्होत्रा, राकू वालिया, सन्नी राजपूत और जगदीश कुमार उर्फ जग्गी भी मौजूद रहे।

सांसद अनुराग ठाकुर के प्रयासों से खिलाड़ियों को प्रतिभा निखारने के लिए मिल रहा बेहतर मंच : कंवर

बटूही ने जीता कुटलैहड़ क्रिकेट चैंपियन का खिताब

अनंत ज्ञान, बढ़ूही

कुटलैहड़ सांसद खेल महाकुंभ के तहत हुए क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में बटूही टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रत्न 11 को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। रोमांचक मुकाबले में बटूही ने 14 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया और विजेता बन गई। कुटलैहड़ सांसद खेल महाकुंभ के प्रभारी राजेंद्र रिंकू ने बताया कि कुटलैहड़ के इस बहुप्रतीक्षित क्रिकेट मुकाबले में रत्न 11 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। निर्धारित 15 ओवरों में रत्न इलेवन ने 130 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। रत्न इलेवन की ओर से केशव ने 42 रन और कुश ने 43 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। बटूही की टीम ने आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य का पीछा किया और मात्र 14 ओवरों में 132 रन बनाकर मैच जीत लिया।

इस शानदार जीत के साथ बटूही ने कुटलैहड़ क्रिकेट चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। रिंकू ने कहा कि इस टूर्नामेंट में तीसरे स्थान के लिए जसाना और तनोह के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें तनोह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। दोनों टीमों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंत में तनोह ने बाजी मारी। कुटलैहड़ सांसद खेल महाकुंभ के इस बड़े क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर के साथ विजेता टीम के खिलाड़ी, साथ हैं अन्य।

उन्होंने विजेता टीमों को सम्मानित किया और युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल महाकुंभ जैसे आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और निखारने के लिए बेहतरीन मंच प्रदान कर रहे हैं। वीरेंद्र कंवर ने कहा कि यह खेल महाकुंभ केंद्रीय मंत्री और सांसद अनुराग ठाकुर के प्रयासों का परिणाम है, जिससे कुटलैहड़ के युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि खेलों से न केवल शारीरिक और मानसिक विकास होता है, बल्कि यह टीम भावना और अनुशासन को भी बढ़ावा देता है।

कुटलैहड़ सांसद खेल महाकुंभ में विभिन्न खेलों में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस महाकुंभ का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को सामने लाना और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना है। क्रिकेट, कबड्डी, वॉलीबाल, एथलेटिक्स समेत विभिन्न खेलों में युवाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ज्ञात रहे हमीरपुर लोकसभा से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने खेल प्रेमियों को इस खेल महाकुंभ का आयोजन किया है, वहीं इस आयोजन की खिलाड़ियों ने खूब सराहना की और इसे युवाओं के लिए एक सकारात्मक पहल बताया।

उन्होंने कहा कि ऐसे टूर्नामेंट युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करने के साथ-साथ उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से भी दूर रखने में मदद करते हैं। वहीं, समारोह के दौरान यह घोषणा की गई कि अगले वर्षों में सांसद खेल महाकुंभ को और बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक युवा इसमें भाग ले सकें। इस टूर्नामेंट ने क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों में नई ऊर्जा भर दी और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर कुटलैहड़ भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष चरणजीत शर्मा, महामंत्री मास्टर रमेश शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

महाराज जी के स्वास्थ्य में सुधार : शिव कुमार

अनंत ज्ञान, ऊना। आश्रम डेराबाबा रुद्रानंद जी के अधिष्ठाता श्री श्री 1008 सुग्रीवानंद महाराज जी सांस लेने की दिक्कत के बाद बुधवार से पीजीआई में दाखिल हैं। अब उनकी सेहत में दिन प्रतिदिन सुधार होता जा रहा है। सेवक शिव कुमार का कहना है कि महाराज श्री बातचीत भी करने लगे हैं। उनके परम शिष्य हेमानंद जो प्रयागराज में स्नान करने गए हुए थे, महाराज श्री के अस्वस्थ होने की सूचना मिलते ही पीजीआई चंडीगढ़ में पहुंच गए हैं और महाराज जी की सेवा में लगे हैं।

उधर, आश्रम डेरा बाबा रुद्रानंद में हेमानंद जी के प्रयागराज से वापस आने के लिए स्वागत समारोह की तैयारी चल रही थी, परंतु महाराज श्री के अस्वस्थ होने के कारण उन्होंने इन तैयारी के लिए मना कर दिया है और स्वयं वहां पर महाराज जी की सेवा में तैनात हैं। जानकारी के अनुसार यदि और सुधार होता रहा तो दो दिन बाद अस्पताल से महाराज जी को छुट्टी मिल जाएगी। लाखों की संख्या में महाराज जी के भक्त और श्रद्धालु उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रभु से प्रार्थना कर रहे हैं। भक्त जनों का कहना है कि महाराज श्री जल्द ही स्वस्थ होकर वापस आएंगे और हम उनके दर्शन पाकर अपने को धन-धान्य समझेंगे।

12 को धूमधाम से मनाई जाएगी रविदास जयंती

अनंत ज्ञान, दौलतपुर चौक। क्षेत्र के गांव गोंदपुर बनेहड़ा अपर में 12 फरवरी को गुरु रविदास महाराज जी की 648वीं जयंती मनाई जाएगी। 10 फरवरी को अमृत बाणी पाठ श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी शुरू किया जाएगा। 11 फरवरी को शोभायात्रा निकाली जाएगी, तत्पश्चात 12 फरवरी को पूजा-अर्चना के साथ निशान साहिब चढ़ाने की रस्म अदा की जाएगी तथा संत महापुरुषों द्वारा गुरु रविदास जी महाराज की महिमा का गुणगान किया जाएगा। इस दौरान भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। इस मौके पर गुरु रविदास सभा गोंदपुर बनेहड़ा अपर के प्रधान केवल कृष्ण, उपप्रधान बलबीर सिंह, सचिव दिलवाग सिंह, कोषाध्यक्ष जीवन कुमार आदि उपस्थित रहे।

शराब के ठेके पर कार्यरत सेल्जमैन से लूटा 33 हजार रुपए का कैश

अनंत ज्ञान, गगरेट

गगरेट के कलोह-शिवबाड़ी मार्ग पर स्थित हरजीत बैंस एंड कंपनी द्वारा संचालित शराब के ठेके पर कार्यरत सेल्जमैन से अज्ञात लुटेरे 33 हजार रुपए का कैश लूट कर ले गए। यही नहीं बल्कि लुटेरे सेल्जमैन की स्कूटी भी साथ ले गए, जो कि बाद में गगरेट-अंब रोड पर स्वां नदी में बरामद हुई।

घटना की जानकारी मिलते ही गगरेट पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। प्रारंभिक तौर पर इस मामले में पुलिस को अभी तक लुटेरों से संबंधित कोई पुख्ता सबूत हाथ नहीं लगे हैं। हरजीत बैंस एंड कंपनी द्वारा संचालित कलोह-शिवबाड़ी रोड पर स्थित शराब के ठेके पर कार्यरत पवन कुमार ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि शनिवार रात्रि करीब दस बजे वह ठेके से 33 हजार रुपए का कैश लेकर स्कूटी से कंपनी के गगरेट स्थित कार्यालय में कैश जमा करवाने जा रहा था तो गगरेट खड्ड के समीप उसे अज्ञात लुटेरों ने घेर लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। अभी वह कुछ समझ पाता, इससे पहले ही लुटेरों ने उसका कैश का बैग छीन लिया और उसकी स्कूटी लेकर फरार हो गए। पवन कुमार के अनुसार लुटेरे मोटरसाइकिल पर आए थे।

पवन कुमार द्वारा इसकी जानकारी गगरेट पुलिस को दी गई, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस मौका पर पहुंची और लुटेरों की तलाश आरंभ कर दी। बताया जा रहा है कि पवन कुमार की स्कूटी बाद में स्वां नदी के पास बरामद हुई। लुटेरे कौन थे और कहां गायब हुए, इसका अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। बहरहाल पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर पुलिस उन सभी संदिग्धों का पता लगा रही है, जिन पर शक जाहिर किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस के हाथ लुटेरों तक नहीं पहुंचे हैं। डीएसपी डॉ. वसुधा सूद का कहना है कि इस मामले में पुलिस गहनता से जांच कर रही है। जल्द ही दूध का दूध और पानी का पानी सामने होगा।

वॉलीबाल क्लब नंदपुर ठठ्ल क्लब को हराकर अगले दौर में पहुंचा

अनंत ज्ञान, गगरेट

मोनू वॉलीबाल आर्मी क्लब ठठ्ल द्वारा आयोजित किए जा रहे वॉलीबाल टूर्नामेंट का रविवार को विधिवत आगाज हो गया। इस टूर्नामेंट में प्रदेश सहित पड़ोसी राज्य पंजाब की मिलाकर कुल चौबीस टीमें भाग ले रही हैं। टूर्नामेंट की विजेता टीम को इक्कीस हजार रुपए और उपविजेता टीम को ग्यारह हजार रुपए के नकद पुरस्कार से नवाजा जाएगा, जबकि तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 51 सौ रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

वॉलीबाल के मुकाबले में भिड़ते दोनों टीमों के खिलाड़ी।

टूर्नामेंट के शुभारंभ पर युवा कांग्रेस के प्रांतीय महासचिव राघव राणा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर टूर्नामेंट में भाग ले रहे खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला नंदपुर वॉलीबाल क्लब व ठठ्ल क्लब के बीच खेला गया। बेस्ट आफ फाइव के इस मैच में नंदपुर क्लब ने तीन-शून्य से मैच जीतकर अगले दौर में प्रवेश पा लिया।

युवा कांग्रेस के महासचिव राघव राणा ने कहा कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के चलते पंजाब के साथ सटा जिला ऊना अति संवेदनशील श्रेणी में आता है। ऐसे में खेल आयोजन ही युवाओं को नशे से दूर ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि खेलें व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ दृढ़ इच्छाशक्ति पैदा करती हैं, जिससे युवा नशे से दूर रह सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वह जल्द ही मुख्यमंत्री व खेल मंत्री से मिलकर ग्रामीण स्तर पर आयोजित होने वाले ऐसे खेल आयोजनों को प्रोत्साहित करने की मांग करेंगे ताकि ग्रामीण परिवेश में भी ऐसे आयोजन बढ़चढ़ कर हो सकें और युवा अपनी उर्जा खेलों में खर्च कर सकें। इससे नशे के मकड़जाल में फंस रहे युवाओं को नशे की दलदल में धंसने से भी बचाया जा सकता है।

उन्होंने टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए ग्यारह हजार रुपए भी प्रदान किए। इस अवसर पर क्लब के प्रधान रविंद्र ठाकुर, उपप्रधान रिक्की मनकोटिया, सचिव लक्की ठाकुर, रिंपी ठाकुर सहित कई लोग मौजूद रहे।

प्रदेश महिला हैंडबाल टीम का विजय अभियान जारी, यूपी को हराया

अनंत ज्ञान, ऊना

उत्तराखंड के रुद्रपुर में चल रही नेशनल गेम्स में हिमाचल प्रदेश महिला हैंडबाल की टीम ने अपना विजय अभियान जारी रखा है। हिमाचल प्रदेश ओलंपिक संघ के सह-सचिव डीडी तनवर ने बताया कि हिमाचल प्रदेश महिला हैंडबाल टीम ने अपने दूसरे मैच उत्तर प्रदेश को भी एकतरफा मुकाबले में पराजित कर शानदार जीत दर्ज की है। हिमाचल प्रदेश महिला हैंडबॉल की टीम ने उत्तर प्रदेश को 50-14 से पराजित किया। हिमाचल की तरफ से सबसे ज्यादा 9 गोल अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मोनिका पाल ने किए। वहीं, उनका साथ देते हुए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भावना शर्मा ने 7, कृतिका ने 6, गुलशन ने 5 मिताली ने 6, प्रियंका ठाकुर ने 5, जागृति ने 3, जस्सी ने 3, पायल ने 4 व रिम्पल ने 4 गोल करके अपनी टीम को एकतरफा मुकाबले में परास्त किया। हिमाचल प्रदेश महिला हैंडबाल टीम के दूसरे मैच को जीतने पर हिमाचल प्रदेश ओलंपिक संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र कंवर, महासचिव राजेश भंडारी सह-सचिव डीडी तनवर, चीफ कोच स्नेहलता, कोच मनोज ठाकुर, मैनेजर रिहान दुबे, सुशील कुमार, हैंडोक कमेटी के चेयरमैन जसबीर बिस्ला, ऊना हैंडबाल संघ के महासचिव मुनीश राणा, हैंडबाल खिलाड़ी दीपक ठाकुर, रणदीप ठाकुर, जगदीश ठाकुर, कर्ण चंदेल ने उम्मीद जताई है कि हिमाचल प्रदेश महिला हैंडबाल टीम आने बाकी मैच भी जीत कर स्वर्ण पदक हासिल करेगी।

हिमाचल के ऑफिशियल भी नेशनल गेम्स में दे रहे योगदान

नेशनल गेम्स में हिमाचल प्रदेश के 5 ऑफिशियल खेल को सुचारु रूप से चलाने में अपना योगदान रहे है। इनमें अंतरराष्ट्रीय हैंडबाल खिलाड़ी व कोच स्नेहलता, अंतरराष्ट्रीय कोच मनोज ठाकुर, हैंडबाल कोच कांता पराशर, ऊना हैंडबाल संघ के अध्यक्ष परवीन दुबे व सुशील कुमार शामिल है।

आज होंगे गगरेट पेंशनर्स एसोसिएशन के चुनाव

अनंत ज्ञान, गगरेट। हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स एसोसिएशन की गगरेट ब्लॉक इकाई का चुनाव दस फरवरी को सुबह 11 बजे लोक निर्माण विभाग के गगरेट स्थित विश्रामगृह में संपन्न होगा। गगरेट इकाई के निवर्तमान अध्यक्ष ठाकुर हरदीप सिंह ने बताया कि एसोसिएशन की ब्लॉक कार्यकारिणी का कार्यकाल पूरा होने पर कार्यकारिणी का नए सिरे से संवैधानिक तरीके से गठन होगा। चुनाव कार्यक्रम में सेवानिवृत्त अधिशाषी अभियंता अश्विनी बंसल भी विशेष रूप से शिरकत करेंगे, जबकि ऊना से डीडी वशिष्ठ व हरमेश कुमार भी चुनाव कार्यक्रम पर नजर रखने के लिए उपस्थित रहेंगे। उन्होंने गगरेट ब्लॉक के तमाम सेवानिवृत्त कर्मचारियों से उपस्थिति दर्ज करवाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जो सेवानिवृत्त कर्मचारी अभी तक एसोसिएशन से नहीं जुड़े हैं, उन्हें उसी दिन सदस्यता भी ग्रहण करवाई जाएगी।

क्षय रोग अभियान के तहत 7500 लोगों की घर-द्वार पर जांच, बलगम के लिए नमूने

अनंत ज्ञान, ऊना

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जिला ऊना द्वारा राज्य सरकार के निर्देशनुसार गत 7 दिसंबर से 100 दिवसीय क्षय रोग संबंधी विशेष अभियान के बारे में जानकारी देते हुए जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव कुमार वर्मा ने बताया कि डॉ. अनिशा सिंह निदेशक, एसीएसएम, एनटीएसयू द्वारा ऊना जिले में चल रहे इस क्षय रोग संबंधी विशेष अभियान का निरीक्षण किया।

इस निरीक्षण में विशेष रूप से जिले में चल रहे जागरूकता अभियान के बारे में जानकारी प्राप्त की व विभिन्न स्थानों पर चल रहे निक्षय शिविरों में भी हिस्सा लिया और ग्रामीणों से क्षय रोग संबंधी जानकारी हासिल करने के साथ-साथ उन्होंने अन्य विभागों की सहभागिता संबंधी भी जानकारी एकत्रित की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव कुमार वर्मा ने बताया कि इस विशेष अभियान के अंतर्गत उच्च जोखिम वाले समूह के लोगों की क्षय रोग संबंधी विशेष जानकारी आशा वर्कर्स के माध्यम से ली जा रही है व संभावित लोगों की बलगम जांच व एक्स-रे भी जगह जगह करवाए जा रहे हैं ताकि समय रहते क्षय रोग का पता चल सके और अति शीघ्र रोगियों का उपचार भी सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने जिले के सभी विभागों को जनसहभागिता अभियान के अंतर्गत क्षय रोग मुक्ति हेतु शपथ लेने, निक्षय मित्र बनकर क्षय रोगियों को पोषण किट देने व अपने विभाग में क्षय रोग संबंधी जागरूकता शिविर लगवाने का भी आह्वान किया ताकि क्षय रोग संबंधी समाज में जागरूकता को बढ़ाया जा सके और आम जनमानस को इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

ऊना जिले में अब तक इस अभियान के अंतर्गत लगभग 7500 लोगों को घर जाकर क्षय रोग संबंधी लक्षणों बारे जांच की और 3500 बलगम के नमूने भी एकत्रित किए और अभी तक 70 मरीज दर्ज किए जा चुके हैं, जिनका इलाज भी शुरू कर दिया गया है। क्षय रोग भले ही एक संक्रामक बीमारी है, लेकिन इसका इलाज पूर्णतय संभव है। समय रहते यदि इस रोग का इलाज करवा लिया जाए तो रोगी पूरी तरह से ठीक हो सकता है।

क्षय रोगी की जांच व उपचार सरकारी संस्थानों में पूर्णतय निशुल्क उपलब्ध है। इस अवसर पर स्वास्थ्य निरीक्षक डॉ. संजय मनकोटिया, राज्य सम्नवयक सुनील सविता, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विशाल ठाकुर, जिला कार्यक्रम सम्नवयक राकेश ठाकुर, वरिष्ठ क्षय रोग निरीक्षक संदीप धीर, टीबी एचआईवी कार्यक्रम समन्वयक गुलशन कुमार, जिला स्वास्थ्य शिक्षक गोपाल कृष्ण भी उपस्थित थे।

चिट्टे का नशा और कारोबार करने वालों को नहीं दें सुविधाएं

अनंत ज्ञान, ऊना। पंचायत समिति सदस्य (लठियाणी-तनोह वार्ड से) जोगिंद्र देव आर्य ने युवाओं को चिट्टे के नशे से दूर रहने का संदेश देने के उपरांत कहा कि जब भी तनोह पंचायत एवं लठियाणी पंचायत में आम बैठक होगी तो उसे मैं इस विषय को पंचायत प्रधान एवं पंचायत प्रतिनिधियों से इस स्थिति से अवगत करवा कर कि कोई भी व्यक्ति पंचायत में चिट्टे का नशा भेजता हुआ या नशा करता हुआ पुलिस विभाग ने उसे व्यक्ति को पकड़ कर कार्रवाई कर रही है, तो उसे व्यक्ति एवं परिवार को पंचायत से मिलने वाली सभी सुविधाओं से वंचित कर दिया जाएगा।

यह मेरा व्यक्तिगत सुझाव पंचायत प्रधान एवं पंचायत प्रतिनिधियों से करूंगा, जिससे समाज में खुशहाली आए और युवा वर्ग अपना भविष्य अपनी युवा अवस्था को नशे की ओर अग्रसर न करें।

ट्विनिंग प्रोग्राम के तहत छात्रों ने साझा किए अनुभव

अनंत ज्ञान, ऊना

हिमाचल प्रदेश बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन द्वारा चलाए जा रहे पांच दिवसीय ट्विनिंग प्रोग्राम के तहत वशिष्ठ पब्लिक स्कूल में गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल बडैहर के 25 छात्रों ने भाग लिया। ट्विनिंग प्रोग्राम में स्कूल आपस में साझेदारी करके छात्रों और शिक्षकों के लिए विशेष पाठ्यक्रम, छात्र विनिमय और शोध कार्यक्रम संचालित करते हैं। इसके तहत कक्षा नौवीं व दसवीं के छात्रों को निकटतम माध्यमिक विद्यालयों में भ्रमण करवाया जाता है।

ट्विनिंग प्रोग्राम के तहत छात्र निकटतम स्कूलों का करते हैं भ्रमण।

विद्यार्थी वहां की बेस्ट प्रेक्टिस का अवलोकन करने के साथ ही स्मार्ट क्लास, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, साफ-सफाई, अनुशासन आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं। विद्यालय में विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्य, अपनी छिपी हुई प्रतिभा को पहचानना और अपने कर्तव्य का ईमानदारी से निर्वाह करना सीखते हैं। इस पांच दिवसीय कार्यक्रम के तहत बच्चों ने हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता, साइंस क्विज, पेंटिंग कंपटीशन व अन्य गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

पांच दिवसीय ट्विनिंग प्रोग्राम के समापन पर बच्चों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए और बडैहर स्कूल के प्रधानाचार्य सुनील कौशल ने वशिष्ठ पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल और अध्यापकों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों व वहां पढ़ने वाले बच्चों की बेहतरी के लिए सरकार की ओर से उठाया जा रहा यह कदम मील का पत्थर साबित होगा।

इससे सरकारी स्कूल के बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ेगा व उनमें सीखने की भावना जागृत होगी। वशिष्ठ पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल दीपक कौशल ने बच्चों को ट्विनिंग प्रोग्राम के महत्व के बारे में समझाया और आगामी दिनों में होने वाली उनकी परीक्षाओं के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

अच्छे काम भी पूजा-पाठ की तरह ही होते हैं : आचार्य

अनंत ज्ञान, जोल

उपतहसील जोल की कठोह पंचायत में स्थित बाबा बालक नाथ मंदिर के प्रांगण में भगवत प्रेमियों द्वारा करवाई जा रही संगीतमयी श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन कथा व्यास आचार्य शिवकुमार शास्त्री ने भगवान वामन अवतार का प्रसंग सुनाया। कथा के मुख्य यजमान रिटायर्ड कर्नल टीसी राणा एवं अन्य भगवत प्रेमियों ने भागवत पूजन किया। आचार्य शिव कुमार शास्त्री ने कहा कि हमें भागवत कथा सुनने के साथ-साथ उसकी शिक्षाओं पर भी अमल करना चाहिए।

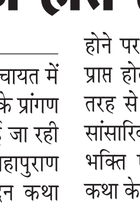

उन्होंने बताया कि वामन अवतार के रूप में भगवान विष्णु ने राजा बलि को यह शिक्षा दी कि दान देने वाले अहंकार से जीवन में कुछ भी हासिल नहीं होता और यह भी बताया कि यह धन संपदा क्षण भंगुर होती है, इसलिए इस जीवन में परोपकार करें। उन्होंने कहा कि अहंकार, गर्व, घृणा, और ईर्ष्या से मुक्त होने पर ही मनुष्य को ईश्वर की पूजा प्राप्त होती है। यदि हम संसार में पूरी तरह से मोहग्रस्त और लिप्त रहते हुए सांसारिक जीवन जीते हैं तो हमारी सारी भक्ति एक दिखावा ही रह जाएगी। कथा के दौरान वामन अवतार की झांकी दिखाई गई और तेरे द्वार खड़ा भगवान भगत भर ले झोली पर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

भागवत आरती में स्थानीय पंचायत कठोह एवं आसपास के गांवों के सभी लोग शामिल रहे। इस कथा से यह सीख मिलती है कि जब कोई व्यक्ति अच्छा काम कर रहा है तो उसे रोकना नहीं चाहिए। इस कथा में शुक्राचार्य राजा बलि को दान करने से और रोक रहे थे। इस काम को वजह से उन्होंने अपनी एक आंख खोनी पड़ी। जब हम किसी को अच्छे काम करने से रोकते हैं तो हमारी परेशानियां बढ़ती हैं। अच्छे काम भी पूजा-पाठ करने की तरह ही हैं। हमें भी नेक काम करते रहना चाहिए।

श्रद्धांजलि | प्रो. (डॉ.) सिम्मी अग्निहोत्री की पुण्यतिथि पर उपमुख्यमंत्री ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

प्रो. सिम्मी की सेवा भावना समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत : मुकेश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाली प्रो. (डॉ.) सिम्मी अग्निहोत्री की प्रथम पुण्यतिथि पर (रविवार) उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने प्रोफेसर सिम्मी अग्निहोत्री गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, हरोली में उनकी नव स्थापित प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने अपनी पुत्री डॉ. आस्था अग्निहोत्री एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनकी स्मृति में कॉलेज परिसर में एक पौधा भी रोपा।

हरोली कॉलेज में स्थापित प्रो. (डॉ.) सिम्मी अग्निहोत्री की प्रतिमा, साथ खड़े हैं मुकेश अग्निहोत्री और अन्य।

गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की पत्नी स्वर्गीय प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री न केवल एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् थीं, बल्कि समाज सेवा के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण भी अद्वितीय था। गत वर्ष 9 फरवरी, 2024 को प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री का देहावसान हुआ था। वे हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में लोक प्रशासन की प्रोफेसर थीं और प्रदेश में शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनका विशिष्ट योगदान रहा। उनके शोध व शिक्षण कार्यों ने शिक्षा जगत में अमिट छाप छोड़ी, जिससे अनगिनत विद्यार्थियों को मार्गदर्शन और प्रेरणा मिली। समाज सेवा के प्रति समर्पित प्रो. सिम्मी ने आस्था फाउंडेशन के माध्यम से गरीबों की सहायता, नशा विरोधी आंदोलन, सड़क सुरक्षा अभियान जैसे सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाई। शिक्षा और समाज सेवा के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए हरोली कॉलेज में उनकी प्रतिमा स्थापित की गई है, जो आने वाली पीढ़ियों को उनके योगदान की याद दिलाती रहेगी।

प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री की पुण्यतिथि पर क्षेत्रीय अस्पताल, ऊना में लंगर सेवा का आयोजन किया गया, जिसमें उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, उनकी बेटी डॉ. आस्था अग्निहोत्री और भाई राकेश अग्निहोत्री ने स्वयं मरीजों, तीमारदारों और अस्पताल स्टाफ को भोजन परोसा। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री की सेवा भावना समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत रही है। वे हमेशा बीमारों, गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा के प्रति समर्पित रहीं। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा शुरू किए गए सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ इस लंगर सेवा का आयोजन किया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया और प्रो. सिम्मी के योगदान को याद करते हुए कहा कि समाज सेवा के प्रति उनकी निष्ठा एवं समर्पण हमेशा प्रेरणादायी रहेगा।

संस्था ने आयोजित किया उड़ान सेट प्रतिभाशाली परीक्षा का आयोजन

अनंत ज्ञान, ऊना

ऊना जिले के उपमंडल बंगाणा में सामाजिक कल्याण संस्था उड़ान समूह द्वारा 10+1 तथा 10+2 में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए साइंस एप्टीट्यूड परीक्षा 2025 का सफल आयोजन किया गया। प्रतिष्ठित परीक्षा ऊना, बंगाणा तथा अंब में लगभग सौ विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और अपनी मेहनत के बारे में जानकारी हासिल की। इस परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों ने जो अब तक हासिल की गई शिक्षा को परख कर भविष्य में आने वाली प्रतिष्ठित परीक्षाएं जैसे नीट, जेई मिन्स, एनडीए एवं अन्य नई परीक्षाओं के बारे में सही जानकारी देने का उद्देश्य है।

संस्था के मुख्य संरक्षक योगराज भारद्वाज ने जानकारी देते हुए बताया कि इस परीक्षा को साठ प्रतिशत अंक की अनिवार्यता को पूर्ण कर मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को संस्था द्वारा अपने वार्षिक समारोह में विशेष रूप से छात्रवृत्ति तथा उत्कृष्टता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किए जाने का उद्देश्य है।

इस प्रतियोगिता के आयोजन में चयनित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के रूप में 62600 रुपए की राशि डिजिटल माध्यम से देने का प्रावधान है। इस परीक्षा को सफल बनाने के लिए संस्था के मुख्य संरक्षक योगराज भारद्वाज द्वारा प्रधानाचार्य ऊना सुरेंद्र कौंडल, प्रधानाचार्य बंगाणा सुरजीत सिंह, प्रधानाचार्य अंब विनोद बन्याल, सुखराम शर्मा, राममूर्ति शर्मा, संजीव भारद्वाज, मनोज कुमार, प्यारे लाल शर्मा, सतीश डोगरा, राकेश कुमार, रजत शर्मा, मनीष शर्मा, सुनील शर्मा, अरविंद शर्मा, मनोज शर्मा, दीपक पठानिया, अनुपम शर्मा, रजनीश कुमार का विशेष रूप से सेवाएं देने का धन्यवाद किया।

आनी में ट्रैफिक जाम हुआ आम, जनता हुई परेशान

अनंत ज्ञान, निरमंड

सैंज-आनी-ओट नेशनल हाइवे-305 में आनी कस्बे और आसपास ट्रैफिक जाम से छुटकारा दिलाने के दावे वर्षों से खोखले साबित हो रहे हैं। फलस्वरूप लगातार बढ़ती ट्रैफिक के चलते आनी कस्बे में ट्रैफिक जाम लगना आम बात हो गई है।

आनी कस्बे के अलावा आनी से निगान के बीच लगातार ट्रैफिक जाम लगता रहता है, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि ट्रैफिक पुलिस की पर्याप्त व्यवस्था न होने और छोटी से आनी के मध्य एनएच-305 के खुला न होने के कारण यह दिक्कत पेश आ रही है। पहले आनी कस्बे के नए बस अड्डे और पुराने बस अड्डे में ट्रैफिक कर्मी तैनात रहते थे, जो किरण बाजार या रोपड़ी की ओर जाम लगने की स्थिति में तुरंत मौके पर पहुंचकर समस्या को सुलझा लेते थे, जबकि अब यह व्यवस्था सिर्फ एक मात्र होम गार्ड के सहारे है।

फलस्वरूप बसें अपने निर्धारित समय पर नहीं पहुंच पाती और स्कूल-कॉलेज जाने वाले बच्चे दफ्तरों में नौकरी करने या फिर उपमंडल मुख्यालय आनी में अपने काम से आने वाले कर्मचारी भी अक्सर देरी से अपने गंतव्य स्थान तक पहुंच रहे हैं।

ऐसे में लोगों की पुलिस प्रशासन से मांग है कि आनी कस्बे के किरण बाजार, पुराना बस अड्डा, नए बस अड्डे के अलावा दोगरी मोड़, निगान चौक तथा हरिपुर में ट्रैफिक जाम को नियंत्रित करने के लिए व्यवस्था बनाई जाए क्योंकि आनी कस्बे के ट्रैफिक जाम के कारण एनएच-305 पर आनी से निगान हरिपुर के बीच भी यह दिक्कत लगातार पेश आ रही है। वहीं, इस बारे में एसडीएम नरेश वर्मा ने बताया कि आनी में ट्रैफिक नियंत्रण के लिए जल्द ट्रैफिक प्लान तैयार किया जाएगा। उन्होंने ट्रैफिक समस्या के समाधान के लिए लोगों से भी बेहतर सहयोग की आशा जताई है।

सोलंगनाला सहित अटल टनल व अन्य पर्यटन स्थलों में उमड़े सैलानी

मनाली घाटी के पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की बढ़ी आमद, होटलों में पहुंची 55 प्रतिशत आक्यूपेंसी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

पर्यटन नगरी मनाली के पर्यटन स्थल सोलंगनाला सहित अटल टनल व लाहौल-स्पीति के सिस्सू को छोड़कर सभी पर्यटन स्थलों में सैलानियों का सैलाब उमड़ पड़ा है। रविवार सैलानियों ने बर्फ के बीच खूब अठखेलियां कीं।

दोनों जिलों के पर्यटन स्थलों के सप्ताहांत में पर्यटकों की आमद बढ़ गई है। होटलों में पहुंची आक्यूपेंसी 55 प्रतिशत पहुंच गई है। सप्ताहान्त के चलते अटल टनल, सोलंगनाला व सिस्सू में सप्ताहांत पर रौनक बढ़ी है। सोलंगनाला सहित आसपास के पर्यटन स्थलों में रविवार को पर्यटकों की खूब चहल-पहल रही। सोलंगनाला मैदान सहित अटल टनल रोहतांग के समीप धुंधी मैदान में पर्यटकों ने बर्फ के बीच मस्ती की। पर्यटकों ने यहां पर स्कीइंग,

आइस स्केटिंग, पैराग्लाइडिंग सहित अन्य गतिविधियों का लुत्फ उठाया। सुबह हल्की धूप खिलते ही पर्यटकों ने मनाली से सोलंगनाला के लिए रुख किया। सैकड़ों वाहन पर्यटकों को लेकर सोलंगनाला तक पहुंचे, जबकि फोर बाई फोर पर्यटक वाहन अटल टनल रोहतांग होकर यांगला भी गए। पर्यटन कारोबारी गोकुल, रमेश व जगदीश ने बताया कि रविवार को सोलंगनाला में पर्यटकों ने बर्फ का मजा लिया।

अटल टनल के समीप बर्फ के बीच मस्ती के लम्हों को पर्यटकों ने यादगार बनाया। पर्यटकों ने इन लम्हों को कैमरों में कैद किया। होटल कारोबारी किशन राणा, दीपांकर, रोशन व इंद्र ने बताया कि हिमपात से पहले आक्यूपेंसी 30 से 35 प्रतिशत पहुंच गई थी, जो हिमपात के बाद सप्ताहांत में 55 प्रतिशत पहुंच गई है। मनाली होटलियर एसोसिएशन के निवर्तमान अध्यक्ष मुकेश ठाकुर का कहना है कि फरवरी महीने में कारोबार धीमा हो गया था, लेकिन अब पर्यटकों की आमद बढ़ने लगी है। उन्होंने कहा कि गत दिनों हुए हिमपात के बाद सप्ताहांत पर मनाली में काफी पर्यटक पहुंचे हैं।

अटल शताब्दी वर्ष की रूपरेखा तैयार करने में जुटी लाहौल-स्पीति भाजपा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

भारतीय जनता पार्टी लाहौल-स्पीति द्वारा अटल शताब्दी वर्ष की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

भाजपा जिलाध्यक्ष रिगजिन समफेल हायरपा एवं भाजपा उदयपुर मंडल अध्यक्ष किशोरी रावत, पूर्व विधायक रवि ठाकुर के साथ रूपरेखा तैयार करने में जुटे हैं। पूर्व विधायक ने कहा कि अटल कि हिमाचल प्रदेश के साथ काफी गहरा रिश्ता रहा है। खासकर मनाली के साथ तो उनका भावात्मक रिश्ता रहा है और पड़ोसी जिले होने के नाते लाहौल-स्पीति को भी इस रिश्ते से बहुत लाभ मिलता रहा है, जिसका जीता जागता उदाहरण अटल टनल है, जिसकी वजह से लाहौल-स्पीति का कायाकल्प हुआ है। रवि ने कहा कि मनाली में अक्सर उनका प्रवास रहता था। मनाली एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल है। मनाली को भी अटल के नाम से देश दुनिया में एक अलग पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि अटल मनाली को अपना दूसरा घर मानते थे। वह एक महान विद्वान, कुशल राजनीतिज्ञ के साथ साथ एक कवि भी थे। उनकी रचनाएं आज भी लोगों के दिल दिमाग में अपनी एक अलग छाप छोड़ती हैं। ऐसे महान शख्सियत को याद करते हुए हमें गौरव की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा लाहौल-स्पीति द्वारा अटल शताब्दी वर्ष की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

पर्यावरणविद व ग्रीनमैन किशन लाल बाइबल अवॉर्ड से सम्मानित

दिल्ली में बाइबल इंस्टीट्यूट की ओर से पर्यावरण के क्षेत्र में सराहनीय कार्यों के लिए किया सम्मानित

कमलेश वर्मा, कुल्लू

देश सहित विदेशों में पर्यावरण की अलख जगा रहे प्रसिद्ध पर्यावरणविद एवं ग्रीनमैन की उपाधि से नवाजे जा चुके किशन लाल को बाइबल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

यह अवॉर्ड उन्हें दिल्ली स्थित बाइबल इंस्टीट्यूट में आयोजित इंस्टीट्यूट के स्थापना दिवस के अवसर पर मिला है। किशन लाल ने बताया कि उन्हें यह अवॉर्ड बाइबल इंस्टीट्यूट की ओर से दिया गया है, जिसके लिए उन्होंने संस्थान का आभार व्यक्त किया है। किशन लाल प्रसिद्ध पर्यावरण विद हैं और पर्यावरण संरक्षण में उनकी ओर से दिए जा रहे इस अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें कई नेशनल सहित अन्य अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। ग्रीनमैन की उपाधी भी उन्होंने अपने नाम की है। वहीं, किशन लाल ने अपनी इकलौती बेटी कल्पना को भी अपने ही पदचिन्हों पर चलाया है। कल्पना एक ऐसी बेटी है, जिसका अपना कोई भाई नहीं है, लेकिन वह हर साल अपने द्वारा रोपित पौधे, जो कि वर्तमान में पेड़ बन गए हैं, उसको राखी बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रही हैं। अपने पिता से प्रेरित होकर वह भी पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वहीं, किशन व उनकी बेटी समय-समय पर जहां पौधरोपण अभियान चलाते हैं। वहीं लोगों को जागरूक भी कर रहे हैं। किशन लाल का पर्यावरण के क्षेत्र में निभाए जा रहे बेहतरीन कार्यों के लिए ही बाइबल इंस्टीट्यूट की ओर से उन्हें यह अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया है। (अनंत ज्ञान)

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का भी दे रहे संदेश

शीत मरुस्थल जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के मूलिंग गांव से संबंध रखने वाले किशन लाल आज ग्रीन हिमालय क्लीन हिमालय और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के संदेश को देश सहित विदेशों में पहुंचा रहे हैं। यही नहीं किशन लाल पर्यावरण की रक्षा के लिए जान जोखिम में डालकर पेड़-पौधों को बचाने में लगे हैं। द ग्रीन मैन अवॉर्ड से सम्मानित किशन लाल को 27 सितंबर, 2008 को भूटान की फीडा इंटरनेशनल एनवायरमेंट एसोसिएशन ने द ग्रीन मैन अवॉर्ड से नवाजा है। इसके अलावा उन्हें अन्य कई राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुके हैं।

रैली के माध्यम से चचोगा में नशे के खिलाफ किया जागरूक

अनंत ज्ञान, मनाली

मनाली के चचोगा में पंचायत प्रधान दीक्षा देवी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जागरूकता रैली निकालकर नशे के खिलाफ अभियान चलाया।

पंचायत के नौ में से सात वार्डों में रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से अपील की गई की सभी अपने-अपने किरायेदारों का पंजीकरण करवाएं। जागरूकता रैली सृष्टि के मंदिर के प्रांगण से शुरू की गई। झाड़ग तक निकाली रैली में महिला, पुरुष और युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। महिलाओं ने कहा कि चिट्टा जैसा घातक नशा घरों को बर्बाद कर रहा है। हमें अपने बच्चों पर विशेष नजर रखने की जरूरत है। पंचायत प्रधान दीक्षा ने कहा कि जागरूकता रैली का मकसद ग्रामीणों को नशे के प्रति जागरूक करना है। पहले नशा शहरों में था, अब गांव और घर-घर में पहुंच चुका है। युवा पीढ़ी इसके दलदल में फंस रही है। हम सभी को इसके प्रति जागरूक होने की जरूरत है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वह अपने किरायेदारों का पंजीकरण करवा लें।

युवाओं को सीखने की यात्रा में योगदान देने का शानदार अवसर एनएसएस कैंप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

राजकीय महाविद्यालय कुल्लू में कार्यरत प्रोफेसर ज्योति चरण गर्वमेंट कॉलेज पनारसा के एनएसएस कैंप में रिसोर्स पर्सन के तौर पर उपस्थित रही।

उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम उत्साही युवा दिमागों से जुड़ने और उनकी सीखने की यात्रा में योगदान देने का एक शानदार अवसर था। उन्होंने युवाओं के इस कार्यक्रम में जुड़ने के अवसर के लिए कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. उर्सेम लता का आभार जताया। साथ ही इस तरह की सार्थक पहल को बढ़ावा देने के लिए एनएसएस समन्वयक कृष्ण लाल चौहान के प्रयासों के लिए विशेष आभार जताया। उन्होंने एनएसएस टीम को सामुदायिक सेवा और युवा सशक्तीकरण के उनके नेक प्रयासों में निरंतर सफलता की कामना की।

सिराज कप के रोमांचक फाइनल में डबल ए ठियोग ने ब्लैक ब्वॉयज रामपुर को हराया

अनंत ज्ञान, आनी

प्रदेश के सबसे बड़े क्रिकेट टूर्नामेंट सिराज क्रिकेट कप-2025 का समापन एक रोमांचक फाइनल के साथ हुआ। इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर की 128 टीमों के 1920 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में डबल ए ठियोग और ब्लैक ब्वॉयज रामपुर की टीमें आमने-सामने थीं। पहले बल्लेबाजी करते हुए डबल ए ठियोग ने 10 ओवर में 7 विकेट खोकर 153 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में ब्लैक ब्वॉयज रामपुर की टीम आखिरी ओवर में जीत के करीब थी, जहां उन्हें अंतिम गेंद पर 4 रन की दरकार थी, लेकिन वे इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर सके और डबल ए ठियोग ने पहली बार सिराज कप पर कब्जा जमाया। टूर्नामेंट में डबल ए ठियोग के अभिषेक को मैन ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। विजेता टीम के युवा कप्तान समित ने इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय पूरी टीम को दिया। समापन समारोह के मुख्यातिथि हिमालयन मॉडल समिति के चेयरमैन रफ्तार ठाकुर ने विजेता टीम को बधाई देते हुए क्लब को 1 लाख 11 हजार रुपए का योगदान दिया। स्पोर्ट्स एंड कल्चरल क्लब के अध्यक्ष दिनेश ठाकुर ने सभी टीमों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। कार्यक्रम में जहर इलेवन और मयोग रोहड़ू टीम को भी पुरस्कृत किया गया। समारोह में क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने इस आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया।

12 को लाहौल की चंद्रावैली में पूणा उत्सव का होगा आगाज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में हालड़ा और ड्रन उत्सव समाप्त होने के बाद अब चंद्रावैली में पूणा उत्सव का आगाज होगा।

घाटी में देवताओं के स्वर्ग प्रवास से वापसी पर यह उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। इसी कड़ी में इस बार 12 फरवरी से देवी बोटी के गांव रोपसंग में पूणा का आगाज हो रहा है। इस दिन से देवी बोटी सहित राजा घेपन सहित चंद्रा घाटी के देवी-देवता स्वर्ग प्रवास से लौटेंगे। देवताओं की अगुवाई के लिए ग्रामीण गूर और पुजारी के माध्यम से देवी-देवताओं का आह्वान करेंगे। सिस्सू पंचायत के पूर्व प्रधान एवं राजा घेपन के हरुका जगदीश कटोच ने बताया कि 12 फरवरी को पोपुण के नाम से रोपसंग में देवी बोटी के पुजारी और हरुका ग्रामीणों के साथ पूजा-अर्चना करेंगे। दूसरे दिन फेजी पूजा के बाद घेपन के पुजारी शाशिन मंदिर पहुंचेंगे। इस दिवस को देवताओं का फेफछंग अर्थात स्वागत समारोह के रूप में मनाया जाता है। 19 फरवरी को जगदंग पूणा का आगाज कोरतुम से होगा। यंगलिंग में इसका समापन होगा। दूसरे दिन 20 फरवरी को पोपुणा मनाया जाएगा। इस दिन भी देवी-देवताओं की पूजा होगी।

तीर कमान का प्रयोग कोरतुम के दिन से ही शुरू हो जाता है, जो पूरे पूणा समाप्त होने तक चलता है। इसी दिन माता पलदन लामो का आह्वान होता है। 21 फरवरी को लमोई का महत्वपूर्ण उत्सव मनाया जाएगा। यंगलिंग घेपन थान में सुबह सूर्य की किरण के साथ लामो योरे के रूप में यंगलिंग जगदंग के हर घर से पुरुष सदस्य इस यात्रा में भगा लेकर सिस्सू गांव की ओर प्रस्थान करते हैं। लामो योरे की यात्रा बठबाण की साथ संपन्न होती है। घेपन अपने गूर के माध्यम से वर्षभर की भविष्यवाणी करते हैं, जिसका सभी को इंतजार रहता है। लिहाजा, 12 फरवरी को घाटी में पूणा उत्सव का आगाज होगा, जिसके लिए ग्रामीणों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं।

डांसिंग डैफोडिल्स सीजन-13 के ग्रैंड फिनाले का सफल आयोजन

बच्चों ने अपनी कुशल प्रतिभा का किया प्रदर्शन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

सूत्रधार कला संगम कुल्लू द्वारा रविवार को सूत्रधार डांसिंग डैफोडिल्स सीजन-13 का भव्य समापन समारोह ग्रैंड फिनाले के रूप में सूत्रधार भवन के सभागार में बड़ी धूमधाम से किया गया।

इस कार्यक्रम में 4 वर्ष से 16 वर्ष तक की आयु के बच्चों ने अपनी कुशल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में साहित्य अकादमी से पुरस्कृत एवं वरिष्ठ कला संस्कृति और लोक साहित्य के विद्वान् डॉ. सुरत ठाकुर ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। सूत्रधार डांसिंग डैफोडिल्स के प्रभारी अतुल गुप्ता की अगुवाई में इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसके फलस्वरूप इस प्रशिक्षण के उपरांत समापन समारोह में इन प्रशिक्षुओं द्वारा एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी गईं। इन प्रस्तुतियों को देखकर यहां आए दर्शकों व अभिभावकों ने खूब आनंद लिया। संस्था के उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने कार्यक्रम में अपने स्वागत भाषण में

कार्यक्रम में पधारे मुख्यातिथि व सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा अपने उद्देश्यों के अनुरूप निरंतर रूप से कार्य करते हुए गत 13 वर्षों से बाल प्रतिभाओं की ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों की ओर अग्रसर करने के उद्देश्य से इस सूत्रधार डांसिंग डैफोडिल्स कार्यशाला का आयोजन किया जाता रहा है। कार्यक्रम के दौरान संस्था द्वारा मुख्यातिथि को कुल्लवी परंपरा अनुसार टोपी, मफलर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस कार्यशाला में प्रशिक्षक सूरज व सुमन द्वारा बच्चों को बॉलीवुड, हिपहॉप, सालसा तथा फ्री स्टाइल आदि नृत्य की बारीकियां सिखाई गईं और इन्हीं बच्चों द्वारा एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी गई, जिसे यहां बैठे सभी दर्शकों ने खूब सराहा। इस कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी बांटे। इस अवसर पर पं. विद्या सागर के सानिध्य में चल रही सूत्रधार संगीत अकादमी के प्रशिक्षुओं ने भी अपनी प्रतिभा का मंचन किया, जिसमें स्वास्तिक भारद्वाज, अमित महंत, माधव, कनिका ने संगीतमयी प्रस्तुतियों से सभागार को सराबोर कर दिया।

परेशानी 2016 से निर्माण शुरू, 2020 में निर्माण की पूरी राशि जमा, 2025 में भी एपीआरओ भवन निर्माण अधूरा

लोक निर्माण विभाग की लेटलतीफी की मिसाल बना भवन

जितेंद्र गुप्ता, आनी

एक ओर सीएम सुक्खू निर्माण कार्यों में देरी को विलंबित भ्रष्टाचार मानने की बात कह रहे हैं।

वहीं, लोक निर्माण विभाग निरमंड सीएम के इस कथन से बिलकुल विपरीत कार्य कर रहा है। आनी में निर्माणाधीन सहायक लोक संपर्क अधिकारी (एपीआरओ) भवन लोक निर्माण विभाग आनी की न सिर्फ लेट-लतीफी, बल्कि ढुलमुल रवैये की जीती जागती मिसाल बन गया है। भवन 9 साल से बन रहा है।

5 माह पहले भवन के लिए अतिरिक्त लागत करीब 10 लाख बताई जा रही थी, लेकिन अब 15 से 20 लाख बताई जा रही है। विभाग 5 माह से अतिरिक्त लागत का प्रस्ताव तक तैयार नहीं कर पाया है यदि यही स्थिति रही, तो अतिरिक्त लागत आने वाले एक साल में 30 लाख तक जा सकती है। विभाग की लचर व्यवस्था का ही परिणाम है कि तय समय पर कार्य पूरा न होने के कारण अब भवन को पूरा करने के लिए अतिरिक्त लागत वहन करनी पड़ेगी। इसके चलते करीब 9 साल पहले भवन का निर्माण कार्य शुरू होने के बावजूद अभी तक भवन पूरी तरह बनकर तैयार नहीं हो पाया है। वर्ष 2020 में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा निर्माण कार्य की पूरी राशि जमा करने के बावजूद भी भवन का निर्माण अभी तक अधूरा है। (अनंत ज्ञान)

निर्माण राशि जमा करने के बाद भी भवन अधूरा

सूचना के अनुसार विभाग सूचना एवं जन संपर्क विभाग ने दिसंबर 2020 में भवन निर्माण की पूरी लागत 1.2 करोड़ रुपए लोक निर्माण विभाग को जारी कर दिए हैं। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि निर्माण की सारी राशि जारी होने के 4 साल बाद भी भवन बनकर तैयार क्यों नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार इलेक्ट्रिकल और सेनेटरी फिटिंग से संबंधित कार्य भवन में शेष हैं। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से इस संबंध में निरमंड स्थित लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता को कई बार निर्माण कार्य पूर्ण करने का आग्रह किया, लेकिन विभाग के कान पर जूं नहीं

क्या सरकार इसे विलंबित भ्रष्टाचार मानेगी?

1 साल के भीतर जिस एपीआरओ भवन का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा सकता था। उस भवन के निर्माण कार्य में 9 साल क्यों लग रहे हैं। इतने लंबे वक्त में निर्माण की बढ़ती लागत खजाने पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है, उसकी जिम्मेदारी किसकी है। क्या मुख्यमंत्री के कथनानुसार सरकार इस निर्माण कार्य को भी विलंबित भ्रष्टाचार मानेगी, यह बड़ा सवाल है।

> **आनी** के एपीआरओ भवन का निर्माण कार्य अंतिम चरणों में है। छुटपुट कार्यों को छोड़कर भवन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। उम्मीद है कि एकाध माह में इसे सूचना एवं जन संपर्क विभाग को हैंडओवर कर दिया जाएगा।
>
> **मनोज कुमार, अधिशाषी अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निरमंड मंडल।**

पशुपालन विभाग के कर्मचारियों को पदोन्नति का इंतजार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। लाहौल-स्पीति में पशुपालन विभाग में बतौर परिचारक तैनात कर्मचारी दो सालों से पदोन्नति का इंतजार कर रहे हैं। विभाग में तैनात 13 परिचारकों ने फार्मासिस्ट का प्रशिक्षण भी ले रखा है, लेकिन उन्हें अभी तक पदोन्नत नहीं किया गया है। ऐसे में फार्मासिस्ट प्रशिक्षण प्राप्त कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को पत्र लिखकर मांग की है कि उन्हें जल्द पदोन्नति दी जाए। अपने मांग पत्र में उपरोक्त कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि वह वेटरनरी फार्मासिस्ट की ट्रेनिंग पूरी कर चुके हैं, जिसके चलते सब कर्मचारी एक-दो सालों से प्रमोशन की राह देख रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को याद दिलाते हुए कहा कि वह इस संदर्भ में पिछले वर्ष 7 मार्च को भी अपनी बात आपके सामने रख चुके हैं, लेकिन उस समय हमें आश्वासन दिया था कि आचार सहिंता लगने से पहले उन्हें प्रमोट कर दिया जाएगा, लेकिन अभी तक इस संदर्भ में कुछ नहीं हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय विधायक अनुराधा राणा से भी मांग की है कि हमारी इस मांग को सरकार के समक्ष प्रमुख्ता से उठाएं, ताकि हमारी इस समस्या का हल हो सके। पशुपालन विभाग के अलग-अलग केंद्रों में पदोन्नति के इंतजार में हिरा लाल, किशोर कुमार, हीरा लाल, प्रेम चंद शमशेर, राकेश, बीर सिहं, रोशन लाल आदि शामिल हैं।

हास्य नाटक 'बिच्छू' का शमशी स्कूल में मंचन, दर्शकों को खूब गुदगुदाया

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

'रंगमंच गांव-गांव आंगन-आंगन' की अवधारणा के अंतर्गत ऐक्टिव मोनाल कल्चरल एसोसिएशन कुल्लू के कलाकारों ने अपने हास्य नाटक 'बिच्छू' का शमशी गांव में स्थित सरकारी स्कूल प्रांगण में दूसरा शानदार मंचन कर उपस्थित दर्शकों को खूब गुदगुदाया।

नाटक में बतौर दर्षक अधिकतर बच्चों तथा युवाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। केहर सिंह ठाकुर ने नौकर गोपू की भूमिका में अपने सधे हुए अभिनय का परिचय दिया, जबकि लाला राम दास की भूमिका में रेवत राम विक्की ने और लाला षाम दास की भूमिका में परमानंद ने अपने अभिनय की परिपक्वता से दर्षकों को बांधे रखा। सूरज और श्याम लाल ने लफंगे बेटों की भूमिकाओं में दर्शकों का मनोरंजन किया और दूसरे नौकर हमेश की भूमिका में जीवानंद ने, खनाबदोष लड़की नीलो की भूमिका में पायल ने, प्रेमिका लड़की रोशनी की भूमिका में अनामिका ने, गांव की छोटी लड़की की भूमिका में अनन्या ने हंसाया और आंचल को दक्षिणी भारतीय आया के रोल में देखते ही दर्षकों ने ठहाके लगाए। पारिवारिक ताने-बाने में बुने इस नाटक का लेखन मौलियर का और निर्देशन केहर सिंह ठाकुर का रहा।

सोलन में औसत से 90 फीसदी कम बारिश होने से किसान चिंतित, फसलों को हो रहा नुकसान

आर मोहन चौहान, सोलन

जिला मुख्यालय सहित उपनगरों में जनवरी और फरवरी के पहले सप्ताह में सामान्य से कम बारिश ने क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ा दी है यदि हालात ऐसे ही रहे तो फसलों को नुकसान के साथ गर्मियों में पानी की कमी का सामना करना पड़ेगा।

जानकारी के मुताबिक जनवरी में सामान्य 54.9 मिमी के मुकाबले केवल 4.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 91.3 फीसदी की कमी को दर्शाता है। यह लगातार दूसरा महीना है, जब बारिश कम हुई है, जिससे सूखे की स्थिति में कृषि उत्पादकता को बनाए रखने के लिए संशोधित फसल योजना की आवश्यकता पर बल मिलता है। डॉ. वाईएस परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय नौणी के कृषि वैज्ञानिकों की मानें, तो 25 वर्षों में यह चौथा ऐसा अत्यधिक कम बारिश वाला महीना है, इससे पहले 2007, 2016 और 2024 में भी ऐसी ही घटनाएं हुई थीं। मौसम की यह विसंगति वर्षा की कमी से कहीं आगे तक फैली हुई है क्योंकि मध्य-पहाड़ी क्षेत्रों में असामान्य रूप से गर्म सर्दियों के दिन देखने को मिले हैं। (अनंत ज्ञान)

फाइल फोटो।

तापमान में भी बढ़ोतरी

विश्वविद्यालय में पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. सतीश भारद्वाज के अनुसार, जनवरी का औसत तापमान सामान्य 10.1 डिग्री सेल्सियस से अधिक होकर 12.1 डिग्री सेल्सियस हो गया। अक्तूबर-2024 से जनवरी-2025 तक कम वर्षा के कारण लंबे समय तक पानी की कमी ने भूजल पुनर्भरण और सतही जल स्रोतों को भी प्रभावित किया है।

फलदार पौधों को नुकसान

मौसम की बेरुखी का महत्वपूर्ण पहलू यह कि इससे आड़ू, बेर, खुबानी और सेब जैसी फलों की फसलों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इससे पौधों में फूलने और ठीक से उपज देने के लिए पर्याप्त ठंडे घंटों की आवश्यकता होती है। नवंबर-2024 से जनवरी-2025 तक, केवल 240 ठंडे घंटे ही जमा हुए इन फलों के लिए आवश्यक 500-1000 घंटों से बहुत कम। अपर्याप्त ठंडे घंटे अनियमित कलियों के अंकुरण और फूलने की ओर ले जा सकते हैं, जिससे अंततः उपज कम हो सकती है। इसके अतिरिक्त, तापमान में निरंतर वृद्धि से समय से पहले फूल आ सकते हैं, जिससे बाद में तापमान गिरने पर फसलें पाले से होने वाले नुकसान की चपेट में आ सकती हैं।

फसलों में बीमारी लगने का खतरा

गर्म और शुष्क परिस्थितियों का प्रभाव सब्जी की फसलों तक भी फैलता है, जहां पानी की कमी स्पष्ट हो रही है। बढ़ते तापमान कीटों और बीमारियों के लिए अनुकूल वातावरण बनाते हैं, जैसे कि बगीचे के मटर में पाउडरी फफूंदी और एफिड और माइट संक्रमण में वृद्धि। तापमान में उतार-चढ़ाव से जड़ वाली फसलों और फूलगोभी में समय से पहले बोल्टिंग हो सकती है, जिससे दही ढीला हो जाता है, जो आमतौर पर मार्च में देखा जाता है। अपर्याप्त ठंड की स्थिति के कारण गोभी के सिर ठीक से नहीं बन पाते हैं और प्याज की वृद्धि धीमी हो सकती है। हालांकि, गर्म मौसम का एक सकारात्मक परिणाम बीजों का बेहतर अंकुरण है, जिससे नर्सरी में शिमला मिर्च, बैंगन और लाल मिर्च जैसी गर्मियों की सब्जियों को समय पर उगाने में मदद मिलती है। सोलन में 4-5 फरवरी को हुई बारिश ने मिट्टी की नमी को बहाल कर और विशेष रूप से सेब के लिए कुछ ठंड की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करके अस्थायी राहत प्रदान की। हालांकि, दिन और रात के तापमान के बीच बड़ा अंतर क्षेत्र में मानव और पशु के स्वास्थ्य को प्रभावित करना जारी रखता है।

निष्पक्ष व निर्भय होकर अपने दायित्व का निर्वहन करे मीडिया : विनय कुमार

अनंत ज्ञान, राजगढ़

सिरमौर जिले के संगड़ाह उपमंडल मुख्यालय पर क्षेत्र के पत्रकारों द्वारा पंजीकृत प्रेस क्लब के कार्यालय का संचालन शुरू हो गया। हिमाचल प्रदेश विधानसभा उपाध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक विनय कुमार द्वारा इस प्रेस क्लब कार्यालय का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर विधानसभा उपाध्यक्ष ने कहा कि मीडिया आम लोगों की समस्याएं सरकार तक पहुंचाने में एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करता है। उन्होंने कहा कि मीडिया के ऊपर समाज की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और उन्हें पत्रकारिता के उच्च मूल्य का निर्वहन करते हुए जिम्मेदारी से अपने दायित्व को निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र वासियों के लिए प्रसन्नता का विषय है कि इस क्षेत्र में कार्यरत पत्रकारों ने यहां प्रेस क्लब की स्थापना की है, ताकि आम लोग इस क्लब के माध्यम से अपनी समस्याओं का निवारण करवाने के लिए इस क्लब का भरपूर उपयोग करेंगे। उन्होंने प्रेस क्लब के कार्यकर्ताओं की मांग पर आश्वासन दिया कि उन्हें संग्रह में प्रेस क्लब भवन निर्माण के लिए सरकारी भूमि उपलब्ध करवा दी जाएगी और जल्द ही भूमि उपलब्ध होने के उपरांत हिमाचल प्रदेश सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से भवन निर्माण के लिए वित्तीय प्रावधान भी किया जाएगा। इस अवसर पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष हेमंत कुमार ने विधानसभा उपाध्यक्ष का स्वागत करते हुए कहा कि मीडिया को हमेशा ही समाज को जागृत करने और क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि मीडिया स्वतंत्र रूप से क्षेत्र की समस्याओं को उजागर करके उनके निवारण में अहम भूमिका निभाता है। इस अवसर पर प्रेस क्लब संगड़ाह के मुख्य संयोजक मेला राम शर्मा ने बताया कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया हमेशा ही राष्ट्र निर्माण के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता है। पत्रकार हमेशा सरकार और जनता के बीच में सेतु का काम करते हैं और आम लोगों की समस्याओं को सरकार से हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया को राजनीति से ऊपर उठकर निष्पक्ष रूप से अपने कार्यों का निर्वहन करना चाहिए, ताकि समाज के हर वर्ग का विश्वास उन पर बना रहे।

न्यूज ब्रीफ

क्रिकेट प्रतियोगिता में बैंकर्ज ने जीती ट्रॉफी

अनंत ज्ञान, राजगढ़। राजगढ़ नेहरू मैदान में अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ की राजगढ़ ईकाई द्वारा आयोजित विभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता में आयोजित मुकाबलों में बैंकर्ज टीम ने वन विभाग इलेवन की टीम को पराजित किया। वन विभाग और बैंकर्स राजगढ़ के बीच हुए इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वन विभाग की टीम निर्धारित ओवरों में मात्र 50 रन ही बना पाई, जिसमें सबसे अधिक 30 रन विकास शर्मा ने बनाए। विकास शर्मा पिछले वर्ष के बेस्ट आल राउंड रह चुके हैं। बैंकर्स ने यह मैच आसानी से नौ विकट से एक तरफा जीत लिया। विजय ने नाबाद 27 रन बनाए और सचिन 16 रन बनाकर आउट हुए। बैंकर्स ने इस मैच को मात्र पांच ओवर में ही जीत लिया। इस मुकाबले के मुख्यातिथि सेवानिवृत्त कर्मचारी नेता रतन ठाकुर, प्रदीप शर्मा, चमन तोमर व रविदत्त भारद्वाज रहे।

फिजियोथेरेपी कैंप का 100 लोगों ने उठाया फायदा

अनंत ज्ञान, सोलन। सोलन के सुबाथू में निशुल्क फिजियोथेरेपी कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप बीडीसी सदस्य दवेंद्र शर्मा और शड़ियाना पंचायत प्रधान सपना ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस कैंप में डॉक्टर कुशल तिवारी ने समाजिक दायित्व को पूरा करते हुए अपनी निशुल्क सेवाएं दीं। इस कैंप में आसपास के क्षेत्र से आए सभी उम्र के रोगियों ने अपनी शारीरिक जांच करवाई, जिसमें घुटने, कंधे की दर्द और स्लिप डिस्क के साथ साथ सर्वाइकल के मरीजों को थेरेपी देकर उन्हें राहत पहुंचाई। रोगी परविंद्र ने कैंप के आयोजन कर्ताओं का धन्यवाद किया और कहा कि इस तरह के कैंप लगते रहने चाहिए, इससे सभी को बेहद लाभ पहुंचा है। इस मौके पर डॉक्टर कुशल तिवारी ने कहा कि समाज की भलाई के लिए यह कैंप सुबाथू में आयोजित किया गया था, जिसमें करीबन 100 रोगियों ने भाग लिया।

शराब का अधिक सेवन करने से व्यक्ति की मौत

अनंत ज्ञान, सोलन। पुलिस थाना सदर सोलन में क्षेत्रिय अस्पताल सोलन से सूचना मिली कि एक व्यक्ति को उपचार के लिए क्षेत्रिय अस्पताल लाए हैं, जिसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया है, जिस पर पुलिस थाना सदर सोलन की पुलिस टीम तुरंत क्षेत्रिय अस्पताल पहुंची, जहां पर नरेश शर्मा पुत्र हरदेव निवासी गाव कथोग डाखा. सलोगड़ा तह व जिला सोलन उम्र 41 वर्ष आपातकालीन कक्ष में मृत्त अवस्था में मिला। तस्दीक करने पर पाया कि मृतक शराब पीने का आदी था तथा सलोगड़ा में ढाबा चलाता था। मृतक 5 फरवरी को अपना चैकअप करवाने सोलन गया था, जहां पर चिकित्सक ने इसका लीवर खराब होना बताया था। 8 फरवरी को मृतक अपने ढाबे में दिन के समय चक्कर खाकर/बेहोश होकर गिर गया, जिस पर इसके परिजन इसे ईलाज के लिए अस्पताल सोलन लाए, जहां पर चिकित्सक ने इसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के बाद अंतिम दाह के लिए उसके परिजनों के हवाले किया गया।

चिलिंग आवर्स पूरे न होने से सेब की फसल पर असर

अनंत ज्ञान, राजगढ़

सिरमौर जिले के गिरिपार क्षेत्रों में जिसमें राजगढ़ के रासू मांदर परघेल, पझोता, हाब्बन के साथ-साथ हरिपूरधार, नौहराधार में समय पर बारिश व बर्फबारी नहीं होने से आर्थिकी पर असर पड़ने लगा है। सर्दियों में भी बारिश व बर्फबारी नहीं होने तथा सेब व अन्य फलों के लिए चिलिंग आवर्स पूरे होने की संभावना नहीं है, जिससे सेब की पैदावार पर असर पड़ सकता है। वहीं, सेब के बगीचों में सूखे का असर भी साफ दिख रहा है।

सेब उत्पादक क्षेत्रों में चिलिंग आवर्स 15 दिसंबर से शुरू हो जाते हैं। सेब की अच्छी पैदावार के लिए बगीचों में सेब के पौधों के लिए 7 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान में 700 से लेकर 1600 घंटों के चिलिंग आवर्स की आवश्यकता रहती है, जो शुरू से पूरी नहीं हो पाई है, अगर मौसम ऐसा ही बना रहा, समय पर बारिश या बर्फ नहीं गिरती है, तो इससे बगीचों में चिलिंग आवर्स पर असर पड़ सकता है।

फरवरी का महीना आरंभ हो चुका है, मगर अभी तक 25 प्रतिशत चिलिंग आवर्स भी शायद पूरे नहीं हो पाए हैं क्योंकि हिमपात व बारिश न के बराबर है अकेले जनवरी महीने में ही मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार लगभग 85 प्रतिशत कम मेघ बरसे हैं। चिलिंग आवर्स के लिए अधिकतम और न्यूनतम दोनों का कम होना बेहद जरूरी है। न्यूनतम व अधिकतम तापमान 5 से 7 डिग्री सेल्सियस के बीच में होना चाहिए, लेकिन प्रदेश के सेब उत्पादित क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 10 से 15 डिग्री के बीच चल रहा है। न्यूनतम तापमान में भी उतार-चढ़ाव बना हुआ है, जिसका असर चिलिंग आवर्स पर पड़ रहा है।

सेबों को अगर समय पर और पूरे चिलिंग आवर्स नहीं मिलता है, तो इससे सेब की फसल पर असर पड़ सकता है। इससे सेब की फ्लावरिंग प्रभावित होगी। ठंड के घंटे कम होने से पौधों पर जल्द फूल आ जाएंगे, जो सेब की पैदावार के लिए ठीक नहीं हैं।

बागवान बगीचों में काट-छांट का कर सकते हैं कार्य

सेब भी देरी से आएगा और उतनी ही क्वालिटी का सेब पैदा होगा। विशेषज्ञ बागवानी विभाग विनोद धोल्टा के अनुसार सेब के पौधों के लिए 7 डिग्री से कम तापमान में 800 से 1600 घंटे चिलिंग आवर्स की जरूरत रहती है। आवश्यक चिलिंग आवर्स पूरे न होने का असर फ्लावरिंग पर पड़ता है, पौधों में एक समान फ्लावरिंग नहीं होती तथा कमजोर फ्लावरिंग से फूल झड़ जाते हैं। समय से बारिश-बर्फबारी नहीं हुई, तो चिलिंग आवर्स पूरे न होने पर सेब उत्पादन में कमी आ सकती है। इन दिनों बागवान अपने बगीचों में काटछांट का कार्य कर सकते हैं।

4.47 ग्राम चिट्टे सहित जुब्बल के दो युवक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, सोलन

पुलिस ने नाके के दौरान पिकअप से आ रहे जुब्बल के दो युवकों से 4.47 ग्राम चिट्टा बरामद किया।

पुलिस की विशेष अन्वेषण ईकाई सोलन की एक टीम गश्त व अपराधों की रोकथाम के लिए सोलन शहर, दोहरी दीवार व शमलेच की तरफ रवाना थी, तो उक्त टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर धर्मपुर की तरफ से आ रही सब्जी से लदी पिकअप को नाकाबंदी कर आंजी के पास रोका। इस पिकअप में विजय पुत्र मान दास निवासी गांव व डाखा डीम तह. जुब्बल जिला शिमला हिप्र उम्र 33 वर्ष और चंद्र किशोर पुत्र अशोक मुखिया निवासी गांव खड़ा पत्थर डाखा डीम तह जुब्बल जिला शिमला हिप्र उम्र 25 वर्ष बैठे थे, जिनके कब्जे से उपरोक्त टीम द्वारा 4.47 ग्राम चिट्टा /हैरोईन बरामद किया गया, जिस पर उपरोक्त अभियोग पुलिस थाना सदर सोलन में पंजीकृत किया गया। इस अभियोग के अन्वेषण के दौरान वारदात में संलिप्त पिकअप को पुलिस द्वारा जब्त कर लिया है। आरोपियों के पूर्व अपराधिक रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है व मामले में जांच जारी है।

सामुदायिक भवन का किया उद्घाटन

अनंत ज्ञान, बद्दी। लेही पंचायत में लाखों रुपए की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन लोगों को समर्पित किया। इसका उद्घाटन भाजपा जिला महासचिव गुरमेल चौधरी ने किया। लेही पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने पूजा-अर्चना करने के बाद सामुदायिक भवन को जनता का समर्पित किया। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन लेही पंचायत के कोली माजरा गांव वार्ड नंबर-तीन में स्थापित किया। सामुदायिक भवन का समस्त क्षेत्र के लोग अब नियमित होने वाले कार्यक्रमों में लाभ उठा सकेंगे। लंबे समय से पहले ही पंचायतवासियों की सामुदायिक भवन को लेकर मांग थी, जो अब पूरी हो गई है। इस मौके पर सेवानिवृत्त कैप्टन डीआर चंदेल, पदम ठाकुर, प्रधान गोपाल बांठ, लंबरदार जोगा, बीडीसी दीवान चंद आदि मौजूद रहे।

देश की जनता पीएम मोदी की गारंटी पर करती है भरोसा : रावत

अनंत ज्ञान, नाहन

▶ भाजपा कार्यकर्ताओं व दिल्ली की जनता को दी ऐतिहासिक जीत की बधाई

सिरमौर भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी प्रताप सिंह रावत ने मीडिया को जारी बयान करते हुए बताया कि दिल्ली की जनता ने

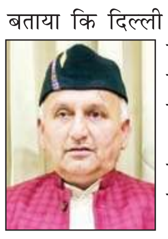

पीएम नरेंद्र मोदी की गारंटी पर भरोसा व्यक्त करते हुए दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाकर एवं भाजपा को प्रचंड बहुमत देकर दिल्ली की जनता ने देश की जनता को बहुत बड़ा संदेश दिया है।

भाजपा की इस ऐतिहासिक जीत से देश की जनता गदगद हो रही है। रावत ने बताया कि देश और प्रदेश की जनता अब सिर्फ और सिर्फ पीएम नरेंद्र मोदी की गारंटी पर भरोसा करती है किसी अन्य की गारंटी पर नहीं। रावत ने बताया कि पीएम मोदी जिस भी बात की गारंटी देते हैं वह पक्की गारंटी देते हैं, जिस पर देश और दुनिया भरोसा करती है। उन्होंने दिल्ली में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के लिए जहां पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा गृहमंत्री अमित शाह के अतिरिक्त केंद्रीय नेतृत्व एवं दिल्ली भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ दिल्ली की जनता को भी इस ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई दी है।

ड्राई क्लीन की दुकान से 24 बोतलें अवैध शराब बरामद

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। दाड़लाघाट पुलिस ने स्यार में एक ड्राईक्लीन की दुकान में छापा मारकर अवैध शराब बरामद की। पुलिस ने दुकान के मालिक हरीराम के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार उन्हें एक मुखबर से सूचना मिली कि दुकान में अवैध शराब बेची जा रही है।

पुलिस ने दुकान में छापा मारा और 24 बोतलें अवैध शराब बरामद की। एसडीपीओ दाड़लाघाट संदीप शर्मा का कहना है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 39 (1) (ए) के तहत पुलिस ने दुकान मालिक के खिलाफ अवैध शराब बेचने के आरोप में मामला दर्ज किया है और आगे की जांच की जा रही है।

शिलाई से हरिद्वार और चंडीगढ़ के लिए बस सेवा शुरू करने की मांग

अनंत ज्ञान, सोलन

▶ गिरिपार के प्रतिनिधिमंडल ने उद्योग मंत्री से की मांग

जिला सिरमौर के शिलाई विधानसभा क्षेत्र की चिरकाल और महत्वपूर्ण मांग शिलाई से हरिद्वार और शिलाई से चंडीगढ़ सरकारी बस सेवा की मांग को शिलाई क्षेत्र के जागरूक और बुद्धिजीवी युवाओं ने राजनीति से ऊपर उठकर कार्य करने का प्रयास किया है।

इसी परिप्रेक्ष्य में युवाओं ने इस महत्वपूर्ण विषय को राजधानी शिमला में प्रमुखता से उठाने का प्रयास किया, जिस समस्या को लेकर युवाओं और स्थानीय जनता ने सोशल मीडिया और मौखिक रूप से भी इस जनहित कि मांग को स्थानीय विधायक एवं हिमाचल प्रदेश सरकार में उद्योग संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान के समक्ष आवाज बुलंद की, जिस उचित मांग और पहल की मंत्री ने भी सराहना की और जल्द बस सेवा शुरू करने का आश्वासन दिया।

वहीं, इस महत्वपूर्ण मांग को लेकर शिलाई क्षेत्र के समाजसेवी युवा जय ठाकुर की अगुवाई में युवाओं का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश सचिवालय में मिला, जिसमें अजय नेगी, विनोद कुमार, राजेंद्र चौहान, दिनेश तोमर, अनिल चौहान, राकेश डोभाल, कपिल शर्मा, यशपाल राणा, मनोज शर्मा, हेमराज राणा आदि अनेक युवाओं ने शिलाई की लगभग बीस पंचायतों के रेजुलेशन, जिसमें सभी पंचायतों के रेजुलेशन में शिलाई से हरिद्वार और शिलाई से चंडीगढ़ बस सेवा को शुरू करने के लिए प्रदेश सरकार और उद्योग मंत्री से मांग की। यहां देखने एवं समझने वाली बात यह भी है कि प्रतिनिधिमंडल के युवाओं ने पिछले तीन माह से विभिन्न पंचायतों के रेजुलेशन लेने का प्रयास किया, जिसका प्रभाव भी देखने एवं सुनने को मिला, जिसमें प्रदेश के बजट में शिलाई विधानसभा क्षेत्र के लिए दो सरकारी बसों के बजाए पांच सरकारी बसों को सरकारी गजट में जगह मिल पाई। इस प्रकार प्रतिनिधीमंडल ने उद्योग मंत्री और विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधियों का भी दिल की गहराइयों से आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने जनहित में सहयोग करने का प्रयास किया है।

आयुष, निरंजन और वीरेन ने जीती ब्राउन बेल्ट

अनंत ज्ञान, बद्दी। राईजो तेकी गोजू रयु फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से बीएल सेंट्रल पब्लिक स्कूल बद्दी में ग्रेडिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस ग्रेडिंग में 17 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें आयुष, निरंजन व वीरेन ने ब्राउन बेल्ट जीती। इसके अलावा पारस, माधव, आर्यन चौहान व अमित ने ग्रीन बेल्ट, ध्रुव, बव्येश धतवालिया ने आरेंज बेल्ट, आदित्य, सुजल कौंडल, वंश गुर्जर, पूजा द्विवेदी, प्रियंका द्विवेदी व सानवी ने बेस्ट यलो टू बेल्ट जीती। इस अवसर पर ब्लैक बेल्ट इंस्ट्रक्टर राजेंद्र कुमार, देशराज, लक्की, सुरेश कुमार भी उपस्थित रहे। राजेंद्र ने विजेता बच्चों को बधाई दी। मुख्यातिथि नरेश शर्मा, कामिनी शर्मा, कार्तिक शर्मा, संतोष कुमार ने बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खेलकूद प्रतियोगिताएं युवाओं को एकजुट करने और प्रतिभा को निखारने का माध्यम

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट

चाखड़ पंचायत के नेहरू युवा क्लब तून ने अपनी 26वीं दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ रविवार को किया, जिसमें भाजपा जिला सचिव राकेश गौतम ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की।

इस अवसर पर आयोजक शशि पाल, राकेश कुमार और रोशन लाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है, जो इस प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण है। भाजपा जिला सचिव राकेश गौतम ने इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताएं युवाओं को एकजुट करने और उनकी प्रतिभा को निखारने का एक अच्छा माध्यम हैं। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने पर जोर दिया और कहा कि नशा युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर सकता है। प्रतियोगिता में कई स्थानीय टीमों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर श्याम चौधरी, नरेश शर्मा, पवन गौतम, ओम प्रकाश शर्मा, कमल ठाकुर, प्रेम कंवर, भगत राम, राकेश ठाकुर, शशि ठाकुर सहित अन्य मौजूद रहे।

खुशी दो किलोमीटर घूमकर रेलवे ओवरब्रिज से जा रहे वाहन

चंबाघाट में बनेगा गोल चौराह ट्रैफिक मैनेजमेंट, बढ़ेगी सुंदरता

अनंत ज्ञान, सोलन

शहर से सटे चंबाघाट में ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए गोल चौराहे का निर्माण किया जा रहा है। इससे स्थानीय वाहन चालकों को फ्लाईओवर से घूम कर नहीं आना पड़ेगा। गोल चौराहे से चंबाघाट की सुंदरता भी बढ़ेगी।

रेलवे ओवरब्रिज के नीचे फोरलेन पर गोल चौराहे का निर्माण किया जाएगा। गोल चौराहा पांच माह में बनकर तैयार होगा। फोरलेन कंपनी ने इसका निर्माण शुरू कर दिया है। इसमें हरियाली के लिए पौधे रोपे जाएंगे। इससे जाम से भी निजात मिलेगी। चंबाघाट में कई जगहों को सड़कें हैं। यहां से ग्रामीण क्षेत्र बसाल, पुराना बस स्टैंड, कथेड़ और ब्रूरी के लिए सर्विस लेन बनाई गई है। इसके चलते यहां पर दुर्घटनाओं की संभावना हर समय बनी रहती है। वहीं, जाम भी लगा रहता है। इसको देखते हुए रेलवे ओवरब्रिज के नीचे फोरलेन कंपनी की ओर से चौक बनाने का निर्णय लिया गया है।

यहां पर पहले पार्क बना हुआ था। यहां पर झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा भी लगाई गई थी। फोरलेन निर्माण के कारण पार्क क्षतिग्रस्त हो गया। कालका-शिमला नेशनल हाईवे-पांच पर सोलन से कैथलीघाट के बीच फोरलेन के दूसरे चरण में काम चला हुआ है। चंबाघाट में रेलवे ओवर ब्रिज बनकर तैयार है और इस पर आवाजाही भी शुरू हो गई है। रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य के बाद चंबाघाट में काफी जगह बच गई है। इसमें गोल चौराहा बनाने का कार्य शुरू हो गया है। इससे दुर्घटनाएं काफी कम हो जाएंगी। वर्तमान में यहां पर निर्माण कार्य के चलते कथेड़ की ओर जाने वाले वाहन दो किलोमीटर घूमकर रेलवे ओवरब्रिज से जा रहे हैं। इससे काफी समय नष्ट हो जाता है।

अर्की में ड्रग्स के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नशे के बढ़ते खतरे, दुष्प्रभाव पर दी जानकारी

अनंत ज्ञान, अर्की

अर्की में नया सवेरा जन कल्याण समिति द्वारा ड्रग्स के खिलाफ अभियान विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में हुआ, जिसमें स्वास्थ्य विभाग, कानूनी विशेषज्ञ, पुलिस विभाग और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने नशे के बढ़ते खतरे, इसके दुष्प्रभाव और कानूनी पहलुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग अर्की से किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता सुरक्षा परमार ने नशे के शारीरिक और मानसिक प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नशे की लत युवाओं के स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर गहरा असर डालती है। उन्होंने इसे रोकने के लिए जागरूकता और परिवार के सहयोग को जरूरी बताया। कार्यक्रम के दौरान समिति के अध्यक्ष भीम सिंह ठाकुर ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करना और इसके बढ़ते प्रचलन से होने वाले नुकसान से अवगत करवाना था। उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों के कर्मचारियों और समाजसेवकों ने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला, जो युवा वर्ग के लिए कारगर साबित होगा। समाजसेविका मयूराक्षी सिंह सहित पुलिस, स्वास्थ्य व शिक्षा विभाग के कर्मचारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे नशामुक्त समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में पुलिस व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने भी नशे से बचाव और इसके दुष्प्रभावों पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान नगर पंचायत अर्की के पार्षद हेमेंद्र गुप्ता, धर्मपाल शर्मा, कुलदीप सूद, प्रदीप शर्मा, नायब तहसीलदार सेटलमेंट कमल चंद ठाकुर, पूर्व प्रधान हनुमान बड़ोग कृष्णचंद कंवर, पूर्व बैंक प्रबंधक व समाजसेवी सीडी बंसल, पेंशनर शेरसिंह, रत्न सिंह कंवर, डॉक्टर सोमनाथ ठाकुर, वीरेंद्र ठाकुर, मुनीष शर्मा, सौरभ शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

एलएंडटी फाइनेंस ने गोल्ड लोन कारोबार में किया प्रवेश

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। एलएंडटी फाइनेंस लि., जो एक अग्रणी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है, ने पॉल मर्चेंट्स फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड (पीएमएफएल) के गोल्ड लोन व्यवसाय के अधिग्रहण के माध्यम से गोल्ड लोन क्षेत्र में प्रवेश करने की घोषणा की है। यह अधिग्रहण एलटीएफ के सिक्योर्ड लोन प्रोडक्ट्स पोर्टफोलियो को और मजबूत करेगा। प्रस्तावित अधिग्रहण के तहत पूरी तरह से संचालित नेटवर्क और 24/7 सिक्योरिटी सेंटर शामिल हैं, जिससे सभी गोल्ड लोन शाखाओं की दूर से ही निगरानी की जा सकेगी। इस अधिग्रहण के माध्यम से एलटीएफ को चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड जैसे कम प्रवेश वाले बाजारों में रणनीतिक उपस्थिति मिलेगी। साथ ही यह लगभग 700 कर्मचारियों और 130 शाखाओं के साथ आएगा। इस अवसर पर एलटीएफ के एमडी एवं सीईओ सुदीप्त रॉय ने कहा कि हम सतत विकास और आकर्षक रिटर्न देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और यह प्रस्तावित अधिग्रहण उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह अधिग्रहण हमारे पोर्टफोलियो में एक सुरक्षित उच्च-लाभकारी प्रोडक्ट जोड़कर ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में हमारी स्थिति को मजबूत करेगा। यह हमारे 'लक्ष्य 2026' रणनीति के अनुरूप है, जो हमारे ग्राहक आधार को बढ़ाने पर केंद्रित है।

जीकेबी ऑप्टिकल्स ने पेश किया 'द वेडिंग एडिट' सीजन-4

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। 60 साल की समृद्ध विरासत के साथ भारत के प्रमुख आईवियर ब्रांड, जीकेबी ऑप्टिकल्स ने अपने बहुप्रतीक्षित लग्जरी आईवियर ट्रंक शो 'द वेडिंग एडिट' सीजन-4 की घोषणा की है। यह शो भारतीय शादियों की भव्यता और खूबसूरती से दर्शाता है। इस साल, यह आयोजन छह शहरों मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, चंडीगढ़ और भुवनेश्वर में होगा। यहां दूल्हा-दुल्हन और शादी में शामिल मेहमानों को खास और प्रीमियम आईवियर कलेक्शन का अनुभव मिलेगा। जीकेबी ऑप्टिकल्स की डायरेक्टर ऑफ ब्रांड्स, प्रियंका गुप्ता कहती हैं कि द वेडिंग एडिट का चौथा सीजन लॉन्च करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हमारा उद्देश्य सिर्फ ग्राहकों को बेहतरीन चश्मे देना नहीं है, बल्कि उनकी शॉपिंग को एक शानदार और यादगार अनुभव बनाना है। इस बार का कलेक्शन अब तक का सबसे खास और एक्सक्लूसिव होगा। हमें अपने ग्राहकों के साथ इसे साझा करने का बेसब्री से इंतजार है। द वेडिंग एडिट जीकेबी ऑप्टिकल्स के लिए एक खास मौका है, जहां डिटा, मेबैक, लिंडबर्ग, बुल्गारी, कार्टियर, बाल्मेन, गुची, फिलिप प्लीन, टॉम फोर्ड, प्राडा जैसे विश्व प्रसिद्ध ब्रांड्स के अनूठे चश्मे और फ्रेम्स प्रस्तुत किए जाएंगे।

सीआरबी स्कूल ने 'अभिनंदन 2025' की धूम

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। सीआरबी पब्लिक स्कूल ने 9 फरवरी की सुबह टैगोर थिएटर, चंडीगढ़ में अपने वार्षिक उत्सव 'अभिनंदन 2025' का भव्य आयोजन किया। यह समारोह प्रतिभा, रचनात्मकता और सांस्कृतिक विरासत का उत्सव था, जिसमें छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक नवीन मित्तल और प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता मित्तल द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके साथ मां सरस्वती की वंदना की गई। सुबह की शुरुआत तांडव वंदना से हुई, जिसमें शक्ति और भक्ति का अद्भुत समावेश देखने को मिला। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी मासूम अदाओं और रंग-बिरंगी पोशाकों से दर्शकों का मन मोह लिया और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में दुर्गा नृत्य ने स्त्री शक्ति का भावपूर्ण प्रदर्शन किया, एक पौराणिक कथा को कहानी प्रस्तुति के रूप में जीवंत किया गया, और हरियाणवी नृत्य ने लोक संस्कृति की उमंग से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। जापानी और हरियाणवी नृत्य का अनोखा संगम देखने को मिला, वहीं तारक मेहता का उल्टा चश्मा पर आधारित हास्य प्रस्तुति ने सबको हंसी से लोटपोट कर दिया।

महाकुंभ में कल्पवासी टेंट में लगी आग

प्रयागराज। महाकुंभ नगर के सेक्टर 19 में एक कल्पवासी के टेंट में रविवार सुबह गैस सिलेंडर लीक होने की वजह से आग लग गई, जिसे दमकल कर्मियों ने 10 मिनट में बुझा दिया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि सेक्टर 19 में ओम प्रकाश पांडे सेवा संस्थान की ओर से लगाए गए कल्पवासी टेंट में सुबह करीब 11:20 बजे आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर तत्काल दमकल की गाड़ियां घटनास्थल के लिए रवाना की गईं, 10 मिनट में आग बुझा ली गई। इस आग से प्रयागराज निवासी राजेंद्र जायसवाल का टेंट जल गया। शर्मा ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इससे पूर्व, सात फरवरी को महाकुंभ नगर के सेक्टर-18 में स्थित अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) के शिविर में आग लग गई थी जिसमें करीब 20-22 टेंट जलकर खाक हो गए थे।

मणिपुर में 3 उग्रवादी हथियारों के साथ गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले से तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने प्रतिबंधित समूह यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ-पाम्बेई) के दो उग्रवादियों को शनिवार को जिले के नाम्बोल/कांगपोकपी इलाके से गिरफ्तार किया। दोनों उग्रवादी जबरन वसूली की गतिविधि और हथियारों व गोला-बारूद की अवैध तस्करी में भी शामिल थे। उनके कब्जे से एक .32 पिस्तौल और 3,120 रुपए नकद जब्त किए गए हैं।

गुजरात में मजदूरों पर पलटा डंपर, तीन की मौत

बनासकांठा। गुजरात के बनासकांठा जिले में रेत से भरे डंपर ट्रक के पलटने से तीन महिला मजदूर और एक बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा जिले के खेंगारपुरा गांव में हुई। हादसा तब हुआ जब वहां सड़क का निर्माण कार्य चल रहा था। पुलिस उपाधीक्षक एसएम वरोतरिया ने बताया कि डंपर एक संकरे रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहा था उसी दौरान वह पलट गया।

लॉजिक्स इंफ्रा के खिलाफ दिवाला आदेश वापस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने रियल एस्टेट कंपनी लॉजिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर के खिलाफ जुलाई, 2023 में दिवाला कार्यवाही का निर्देश देने वाले अपने आदेश को वापस लेकर उसे रद्द कर दिया है। न्यायाधिकरण ने कहा कि याचिका 'धोखाधड़ी और दुर्भावनापूर्ण इरादे' से शुरू की गई थी और वित्तीय लेनदार द्वारा एक मिलीभगत वाली याचिका दायर की गई थी। एनसीएलटी ने कहा कि उसकी वित्तीय ऋणदाता एक्सपर्ट्स रियल्टी प्रोफेशनल्स के बीच 'सांठगांठ और संबंध है।'

चंडीगढ़ में गूंजा 'नौकरी दो, नशा नहीं' का नारा

मोदी व भाजपा की कुरीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों युवा

जगदीश शर्मा, चंडीगढ़

चंडीगढ़ यूथ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक लुबाना की अगुवाई में यूथ कांग्रेस ने नौकरी दो नशा नहीं की मांग को लेकर रविवार को भाजपा कार्यालय कमलम का घेराव किया। जिसमें यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष एच एस लक्की, उपाध्यक्ष गुरप्रीत सिंह, प्रदेश महासचिव लव कुमार सहित पूरे शहर से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

यूथ कांग्रेस ने सेक्टर 35 में विरोध प्रदर्शन किया और रैली के रूप में कमलम की तरफ कूच किया जहां पहले से मौजूद भारी पुलिस ने बैरिकेटिंग पर ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोक दिया। इस दौरान यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने जम कर लठियां बरसाई व पानी की तेज बौछारों का इस्तेमाल किया। पुलिस की इस कार्रवाई से सेकड़ों कार्यकर्ता घायल हुए। वहीं, यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक लुबाना ने कहा कि कांग्रेस राष्ट्र निर्माण की बात करती है और भाजपा स्वयं के निर्माण की। युवाओं को रोजगार चाहिए नशा नहीं। नशे के खिलाफ कार्रवाई करने और युवाओं को नौकरी देने की मांग को लेकर भाजपा कार्यालय का घेराव करा है। यदि जल्द ही नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई नहीं हुई तो फिर से बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

मोदी सरकार द्वारा अमेरिका के आगे घुटने टेकने को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष उदेभान चिब ने कहा कि मोदी सरकार ने अपनी इस हरकत से भारत का सिर पूरे विश्व में झुकाया है, जहां देश के बेटों को बेड़ियों व हथकड़ियों में जकड़ कर पंजाब की पावन धरती पर उतारा गया। ये लोग रोजगार की तलाश में विदेश गए थे, क्योंकि भाजपा सरकार रोजगार के मुद्दे पर घुटने टेक चुकी है। पंजाबियों के साथ ऐसा दुर्व्यवहार कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने संसद में युवाओं के लिए आवाज उठाई तो प्रधानमंत्री ने रोजगार को लेकर आवाज क्यों नहीं उठाई।

एचएस लकी ने कहा की भाजपा पिछले दस साल से गरीब कॉलोनी निवासियों का शोषण कर रही है। वोट के लालच में झूठे लड्डू तक बांट दिए गए की आपको पुनर्वास कालोनियों का मालिकाना हक दे दिया गया है।

गुरप्रीत गाबी ने कहा कि भाजपा की सच्चाई तब सामने आई जब सांसद मनीष तिवारी ने सदन में सवाल किया कि पुनर्वास कालोनियों का मालिकाना हक कब मिलेगा, चंडीगढ़ में मेट्रो कब चलेगी, जिन गावों की जमीन पर चंडीगढ़ बसा है, उनका लाल डोरा कब बढ़ेगा तब भाजपा का चेहरा बेनकाब हो गया। जब गृह राज्य मंत्री नित्यानंद ने कहा कि एसी अधिकारियों को उनके वोट केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित नहीं की है व न ही मेट्रो चलाने का प्रस्ताव पिछले दस सालों में रखा गया और न ही मालिकाना हक देने का कोई प्रावधान है। इस मौके पर सीनियर डिप्टी मेयर जसबीर सिंह बंटी, डिप्टी मेयर तरुणा मेहता कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष सचिन, रॉबी, सुखदेव सिंह आदि मौजूद रहें। (अनंत ज्ञान)

आईटीडीए कैल्क में ड्रोन सर्विस टैक्नीशियन का कोर्स शुरू

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

पिथौरागढ़ की तनुजा वर्मा, गैरसैंण की रोशनी और उत्तरकाशी की जशोदा ग्रामीण पृष्ठभूमि और सामाजिक तौर पर कमजोर तबके से आने वाली इन तीनों युवतियों ने आज से कुछ समय पहले तक लैपटॉप तक नहीं चलाया था, लेकिन आज वे ड्रोन दीदी बनकर, ड्रोन असेंबलिंग, रिपेयरिंग से लेकर फ्लाइंग तक का काम आसानी से कर रहे हैं। यह संभव हो पाया है उत्तराखंड सरकार के उपक्रम आईटीडीए कैल्क के ड्रोन सर्विस टैक्नीशियन कोर्स, ड्रोन दीदी से।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार ग्रामीण और आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि वाले युवाओं में तकनीकी कौशल बढ़ाने पर जोर रहे हैं। इसी क्रम में आईटीडीए कैल्क, भारत सरकार की वित्तीय सहायता और उत्तराखंड युवा कल्याण विभाग के सहयोग से, अनुसूचित जाति की युवतियों के लिए ड्रोन सर्विस टैक्नीशियन कोर्स संचालित कर रहा है। देहरादून में प्रांतीय युवा कल्याण निदेशालय परिसर में चल रहे इस कोर्स के पहले बैच की शुरुआत, छह जनवरी से हो चुकी है, जिसमें प्रदेश भर से 52 युवतियां शामिल हो रही हैं। कोर्स के तहत उन्हें 37 दिन में कुल 330 घंटे का प्रशिक्षण दिया जाना है। इसमें प्रशिक्षण से लेकर रहने, खाने और आने जाने का व्यय तक सरकार की ओर से उठाया जा रहा है।

ऋषिकेश सेंटर के प्रभारी वीरेंद्र चौहान के मुताबिक परीक्षा में सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, साथ ही प्रशिक्षण में प्रथम पांच स्थान पर रहे प्रशिक्षणार्थियों को निशुल्क ड्रोन भी दिया जाएगा।

टोल फ्री की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

खरखौदा के झरोठी टोल पर रविवार दोपहर मंडोरा व मंडोरी के ग्रामीणों ने टोल फ्री करवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों का कहना था कि टोल के आसपास के कई गांवों को छूट मिली हुई है, लेकिन मंडोरा व मंडोरी गांव के लोगों को छूट नहीं दी जा रही, जबकि उनका तहसील व कोर्ट खरखौदा में लगातार आना-जाना होता है। ग्रामीण एकत्रित होकर झरोठी टोल पर पहुंचे और टोल मैनेजर मुकेश चौहान से उनके गांवों के वाहनों के भी टोल फ्री करने की मांग की। मैनेजर ने इस दौरान ग्रामीणों का कहना था कि टोल फ्री करने या न करने का अधिकार केवल भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग अथारिटी के पास है। वह इसके लिए उनके पास जा सकते हैं। ग्रामीण मंथली पास बनवाना चाहते हैं तो बनवा लें, जिसकी फीस 340 रुपए है। इसके लिए ग्रामीण इसके लिए तैयार नहीं हुए।

इस दौरान विधायक पवन खरखौदा मौके पर पहुंचे और टोल मैनेजर से बात की, जिसके बाद टोल मैनेजर द्वारा दोनों गांव के नाम पर रजिस्टर्ड वाहनों की टोल पर से फ्री में आवाजाही कराने की बात को मान लिया गया।

झज्जर में बुजुर्ग महिला को बेटे ने पीटा, मौत

अनंत ज्ञान, झज्जर

जिला के गांव धारौली में एक बेटे द्वारा अपनी बुजुर्ग मां के साथ बुरी तरह अमानवीय व्यवहार करने का मामला सामने आया है। बेटे द्वारा चारपाई में पड़ी अपनी बुजुर्ग मां को पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो पुराना बताया जाता है। बुजुर्ग महिला के दम तोड़ने के बाद रविवार को महिला के मायके वाले गांव पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए झज्जर के नागरिक अस्पताल भिजवाया। पुलिस के सामने बुजुर्ग महिला के बेटे ने बुजुर्ग महिला की मौत बीमारी से होने की बात कही है। मामले की सच्चाई क्या है इसका पता लगाने के लिए झज्जर के नागरिक अस्पताल में बुजुर्ग महिला के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

हरियाणा कांग्रेस ने निकाय चुनाव लड़ने वालों से मांगे आवेदन

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा कांग्रेस में प्रभारी व सहप्रभारी जहां अपने स्तर पर नियुक्तियां करके नए गुट पैदा करने में लगे हुए है, वहीं रविवार को प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने निकाय चुनाव लड़ने वाले कार्यकर्ताओं से आवेदन मांगें हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान ने कहा कि कांग्रेस नगर निगम (पार्षद और मेयर) व नगर परिषद चेयरमैन का चुनाव पार्टी सिंबल पर लड़ने जा रही है, इसलिए चुनाव लड़ने के इच्छुक पार्टी कार्यकर्ता 11 फरवरी तक अपना आवेदन फार्म जमा करवा सकते हैं। कोई कांग्रेसजन नगर परिषद के वार्ड पार्षद का चुनाव लड़ना चाहता है तो वह प्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर गठित जिले की समिति से संपर्क कर सकता है, ताकि उसके पार्टी चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ने या न लड़ने पर विचार किया जा सके।

उन्होंने साफ किया कि नगर पालिका का कोई भी चुनाव पार्टी चिन्ह पर नहीं लड़ा जाएगा, क्योंकि यह ब्लॉक समिति का चुनाव होता है। आवेदक प्रदेश कांग्रेस द्वारा गठित की गई स्थानीय निकाय चुनाव जिला समिति के इंचार्ज अथवा संयोजक को 11 फरवरी की शाम तक अपना-अपना आवेदन पत्र अवश्य जमा करवा दें।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने बैठक कर बैलेट पेपर से चुनाव करवाने की मांग उठाने का फैसला लिया है। इसके संबंध में सोमवार को पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मुलाकात कर आग्रह करेगा। उदयभान ने बताया कि प्रदेश में एससी और ओबीसी को रिजर्वेशन के मुताबिक सीटें नहीं दी जा रही हैं। इस मुद्दे को भी चुनाव आयोग के समक्ष उठाया जाएगा।

देश-विदेश

संविधान को कमजोर करने का प्रयास कर रही केंद्र सरकार : प्रियंका गांधी

एजेंसी, वायनाड (केरल)

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि इतिहास में पहली बार कोई सरकार देश के संविधान और लोकतंत्र दोनों को कमजोर करने के प्रयास कर रही है।

एरनाड विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के बूथ स्तर के नेताओं को संबोधित करते हुए वायनाड की सांसद प्रियंका ने कहा कि यह शायद हमारे देश के इतिहास में पहली ऐसी सरकार है जो संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने के प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आपको यह समझना चाहिए कि आज हम जो लड़ाई लड़ रहे हैं, वह सिर्फ हमारी अपनी राजनीति और विचारधारा की लड़ाई नहीं है, बल्कि भारत ने जो कुछ भी हासिल किया है उसे बचाने की लड़ाई है।

वायनाड की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन, प्रियंका ने मानव-पशु संघर्ष के मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि वह केंद्र और राज्य सरकार को, अधिक धन आवंटित करने के लिए पत्र लिखेंगी, क्योंकि प्रभावी सुरक्षा उपायों के लिए पर्याप्त धन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे को एक बार पहले भी उठा चुकी हैं और आगे भी उठाती रहेंगी। यह ऐसा मुद्दा है जिस पर हमें गौर करने की जरूरत है, यह एक जटिल मुद्दा है क्योंकि इसका कोई आसान समाधान नहीं है। निश्चित रूप से, मैं जितना संभव होगा उतना दबाव डालूंगी।

सेना अपनी संवैधानिक सीमाओं में लौटे : इमरान

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने रविवार को सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने सेना की गैरकानूनी कार्रवाइयों और राजनीति में इसकी भागीदारी की आलोचना की। इमरान ने सेना से 'अपनी संवैधानिक सीमाओं में लौटने' का आग्रह किया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक खान ने 'एक्स' पर जेल में दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है, जिसमें उन्हें 20 दिन तक मौत की सजा वाली कोठरी में एकांत कारावास में रखा गया, जहां सूर्य की रोशनी या बिजली की सुविधा भी नहीं थी। खान एक वर्ष से अधिक समय से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं।

लेबनान में इसराइली ड्रोन हमला, 6 की मौत, 2 जखमी

एजेंसी, बेरूत

लेबनान में इसराइली ड्रोन हमले में छह लोगों के मारे गए, जबकि दो घायल हुए हैं। यह हमला लेबनान की पूर्वी बेका घाटी में जनता शहर के पास अल-शारा क्षेत्र को निशाना बनाकर किया गया। एजेंसी (एनएनए) के हवाले से बताया कि इसराइली लड़ाकू विमान दक्षिण लेबनान के ऊपर मध्यम ऊंचाई पर उड़ानें भर रहे थे।

इसराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में सीमा क्षेत्र के पूर्वी इलाके में स्थित अदाइसेह गांव में विस्फोट अभियान चलाया। पश्चिमी और मध्य दक्षिणी लेबनान में कई नगर पालिकाओं ने लोगों को इसराइली बलों की ओर से छोड़ी गई बारूदी सुरंगों की मौजूदगी के बारे में चेतावनी जारी की। इनमें से कुछ को नागरिकों को निशाना बनाने वाले जाल में बदल दिया गया था। घंटों बाद, इजरायली सेना ने कहा कि उसकी वायु सेना ने बेका घाटी में हिजबुल्लाह के एक टारगेट को निशाना बनाया।

दिल्ली हवाई अड्डे पर 40 करोड़ की कोकीन तस्करी के मामले में तीन विदेशी गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर करीब 40 करोड़ रुपए मूल्य की कोकीन की तस्करी के आरोप में तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि ब्राजील की दो महिलाओं और केन्या के एक पुरुष को कोकीन से भरे कैप्सूल निगलने के आरोप में अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया है। पहले मामले में, 28 जनवरी को पेरिस के रास्ते साओ पाउलो से पहुंची 26 वर्षीय ब्राजीलियाई यात्री को रोका गया। सीमा शुल्क विभाग ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि पूछताछ के दौरान यात्री ने अधिकारियों को बताया कि उसने कैप्सूल छिपाए हैं। यात्री को चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया।

सीबीआई ने रक्षा मंत्रालय के ऑडिटर समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया, आठ लाख की रिश्वत लेते पकड़े

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रक्षा मंत्रालय के प्रधान नियंत्रक रक्षा लेखा (पीसीडीए) कार्यालय में तैनात सीनियर ऑडिटर और दो अन्य को 8 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए दो अन्य आरोपी एक प्राइवेट डिफेंस सप्लायर और उसके कर्मचारी हैं। सीबीआई ने 7 फरवरी 2025 को इस मामले में केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता खुद भी एक डिफेंस सप्लायर है। उसने आरोप लगाया कि सीनियर ऑडिटर और एक प्राइवेट डिफेंस सप्लायर ने उसके पहले से मंजूर हो चुके बिलों के भुगतान के बदले 10 लाख रुपए की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि रिश्वत मांगने वाले आरोपी ऑडिटर ने धमकी देते हुए कहा था कि रिश्वत नहीं मिली तो उसके भविष्य के बिलों के भुगतान को अटका दिया जाएगा। फिर आरोपी ऑडिटर ने 10 लाख में से 8 लाख रुपए रिश्वत की पहली किस्त एक प्राइवेट डिफेंस सप्लायर के कर्मचारी को देने को कहा।

रिपोर्ट : 2047 तक 350 अरब डॉलर पहुंच जाएगा भारत का फार्मा निर्यात

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत का फार्मास्युटिकल निर्यात 2023 में लगभग 27 अरब डॉलर से दोगुना होकर 2030 तक 65 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है और 2047 तक यह बढ़कर 350 अरब डॉलर हो सकता है। भारत वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। दुनिया भर में बिकने वाली पांच जेनेरिक दवाओं में से एक देश में बनती है।

भारत वर्तमान में निर्यात मूल्य के मामले में 11वें स्थान पर है। बेन एंड कंपनी की ओर से इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए), इंडियन ड्रग्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईडीएमए) और फार्मेक्सिल के सहयोग से तैयार की गई रिपोर्ट में बताया गया कि कैसे भारत स्पेशलिटी जेनेरिक, बायोसिमिलर और इनोवेटिव उत्पादों को शामिल करने के लिए अपनी निर्यात बास्केट में विविधता लाकर संभावित रूप से 2047 तक निर्यात मूल्य में शीर्ष पांच देशों में एक स्थान सुरक्षित कर सकता है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत लंबे समय से दुनिया की फार्मेसी रहा है। अब हम भारत के लिए दुनिया के इस नैरेटिव को 'विश्व के स्वास्थ्य देखभाल के संरक्षक के रूप में' में बदलना चाहते हैं। सरकार इनोवेशन और अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देकर और निर्बाध नियामक प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करके इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिक्षा एवं उद्योग जगत और सरकार के बीच सहयोग को मजबूत करके, हम वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी सेक्टर का निर्माण करना जारी रखेंगे, जो विकास को बढ़ावा और दुनियाभर में स्वास्थ्य देखभाल में योगदान देगा।

उत्तर कोरिया के लिए खतरा अमेरिका दक्षिण कोरिया की साझेदारी : किम

एजेंसी, सियोल

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कहा कि दक्षिण कोरिया और जापान से अमेरिका की सुरक्षा साझेदारी बढ़ने से उत्तर कोरिया के सामने गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। किम ने साथ ही अपने परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का संकल्प जताया है।

किम पहले भी ऐसी चेतावनियां दे चुके हैं। उनके ताजा बयान से यह संकेत मिलता है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनसे मुलाकात करने और कूटनीति को पुनर्जीवित करने की पेशकश को निकट भविष्य में स्वीकार नहीं करेंगे। कोरियाई पीपुल्स आर्मी की 77वीं स्थापना दिवस पर दिए भाषण में किम ने कहा कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की तरह क्षेत्रीय सैन्य संगठन बनाने की अमेरिकी साजिश के तहत स्थापित अमेरिका-जापान-दक्षिण कोरिया त्रिपक्षीय सुरक्षा साझेदारी कोरियाई प्रायद्वीप में सैन्य असंतुलन पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी हमारे देश के सुरक्षा हालात के लिए गंभीर चुनौती खड़ी कर रही है। केसीएनए के मुताबिक, उन्होंने परमाणु शक्तियों समेत सभी प्रतिरोध प्रणालियों को तेजी से मजबूत बनाने के लिए नई योजनाओं उल्लेख करते हुए, एक बार फिर परमाणु कार्यक्रम पर आगे बढ़ने की नीति स्पष्ट की।

सोनभद्र में ट्रक से टकराई कार, चार लोगों की मौत

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र जिले में रविवार सुबह श्रद्धालुओं से भरी एक कार विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई, जिसके कारण दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) कालू सिंह ने बताया कि एक बोलेरो कार में सवार श्रद्धालु प्रयागराज में महाकुंभ से स्नान कर छत्तीसगढ़ के रायपुर लौट रहे थे। श्रद्धालुओं की कार जब सोनभद्र के बभनी थाना क्षेत्र के दरनखाड़ गांव पहुंची तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रेलर ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। घायलों को पहले बभनी सामुदायिक चिकित्सालय भेजा गया जहां से जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

2030 तक 13% की सीएजीआर से बढ़ेगी भारत की सेमीकंडक्टर मार्केट

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार की ओर से घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने के लिए चलाई जा रही प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम से भारत की सेमीकंडक्टर कंजप्शन मार्केट 2030 तक 13 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की उम्मीद है, जो कि 2024-25 में 52 अरब डॉलर पर है।

भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के अध्यक्ष डॉ. वी वीरप्पन के मुताबिक, ऑटोमोटिव और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्र मूल्य-संवर्धन के अवसर प्रस्तुत करते हैं। मोबाइल हैंडसेट, आईटी और औद्योगिक एप्लिकेशन, जो कुल मिलाकर सेक्टर की आय में लगभग 70 प्रतिशत का योगदान देते हैं, विकास के प्रमुख चालक बने हुए हैं। भारत का सेमीकंडक्टर मार्केट 2030 तक बढ़कर 103.4 अरब डॉलर का होने की उम्मीद है। इससे 400 अरब डॉलर के अधिक के इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट को मदद मिलेगी। आईईएसए के अध्यक्ष अशोक चांडक के अनुसार, एफएबी और ओएसएटी के लिए सरकार के टारगेटेड इंसेंटिव्स, आरएंडडी निवेश में वृद्धि और कोलैबोरेटिव इंडस्ट्री पहलें भारत के सेमीकंडक्टर सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण हैं, पिछले एक साल में आईईएसए सदस्य कंपनियों द्वारा इस सेक्टर में 21 अरब डॉलर की निवेश परियोजनाओं का ऐलान किया है।

स्पोर्ट्स विंडो

दक्षिण अफ्रीका ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नोर्किया की जगह बॉश को चुना

एजेंसी, जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका ने इस महीने होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रविवार को चोटिल तेज गेंदबाज एनरिच नोर्किया की जगह कोर्बिन बॉश को टीम में शामिल किया। पिछल महीने पीठ की चोट के दोबारा उभरने के कारण नोर्किया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता से बाहर हो गए। पिछले साल दिसंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले बॉश ने सिर्फ एक वनडे खेला है, जिसमें उन्होंने नाबाद 40 रन बनाने के अलावा एक विकेट भी चटकाया। आईसीसी ने विज्ञप्ति में कहा, ''बॉश के अलावा दक्षिण अफ्रीका ने तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को भी रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर टीम के साथ जोड़ा है।''

दो बार चूकने के बाद डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी जीतना चाहती हैं जेमिमा

एजेंसी, पुणे। दिल्ली कैपिटल्स की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स पिछले दो सत्र में उपविजेता रहने के बाद महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आगामी सत्र में खिताब जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली की टीम को 2023 में

पहले सत्र और 2024 में दूसरे सत्र में फाइनल में क्रमशः मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हार के साथ उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। इस बार जेमिमा को एक कदम आगे जाने की उम्मीद है। जेमिमा ने कहा, ''हमने एक टीम के रूप में पिछले दो सत्र में बहुत अच्छा और निरंतर प्रदर्शन किया है। बेशक, हम फाइनल की बाधा को पार नहीं कर पाए जिसे मुझे यकीन है कि हम पार कर लेंगे और ट्रॉफी को अपने हाथ में थामेंगे, लेकिन हम सही चीजें कर रहे हैं।''

सॉल्ट लेक हॉकी स्टेडियम को एफआईएच का श्रेणी दो का प्रमाण पत्र मिला

एजेंसी, नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने सॉल्ट लेक के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन को श्रेणी दो का प्रमाण पत्र दिया है जिससे यह भारत में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी के लिए कोलकाता नवीनतम स्थल बन गया है। हॉकी इंडिया ने 'एक्स' पर लिखा, ''कोलकाता के सॉल्ट लेक के युवा भारती क्रीड़ांगन को एफआईएच का श्रेणी दो का प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए बधाई। हॉकी में उत्कृष्टता के लिए बड़ा कदम।'' एफआईएच के मैदान प्रमाण पत्र नियमों के अनुसार प्रतियोगिता की मेजबानी के समय मैदान के पास एफआईएच का श्रेणी एक या दो का मैदान प्रमाण पत्र होना चाहिए। एफआईएच के श्रेणी एक के मैदान मुख्य रूप से शीर्ष स्तरीय अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए डिजाइन किए गए हैं, जबकि एफआईएच श्रेणी दो के मैदान शीर्ष स्तरीय राष्ट्रीय टूर्नामेंट और अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी के लिए डिजाइन किए गए हैं। कोलकाता इसके साथ ही भुवनेश्वर, रायपुर, रांची, चेन्नई और नई दिल्ली जैसे शहरों के क्लब में शामिल हो गया है।

अमेलिया केर का अंदाज

न्यूजीलैंड। अमेलिया चार्लोट केर न्यूजीलैंड की एक क्रिकेटर हैं, जो वर्तमान में वेलिंगटन और न्यूजीलैंड के लिए खेलती हैं। वह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने वाली सबसे कम उम्र की महिला क्रिकेटर हैं।

मुक्केबाज जॉन कूनी का निधन

बेलफास्ट (उत्तरी आयरलैंड। आयरलैंड के मुक्केबाज जॉन कूनी का यहां नाथन हॉवेल्स के खिलाफ सेल्टिक सुपर-फेदरवेट खिताब हारने के एक हफ्ते बाद निधन हो गया। उन्हें मुकाबले के बाद आईसीयू में रखा गया था। आयरलैंड के 28 वर्षीय मुक्केबाज कूनी की मौत की घोषणा शनिवार को उनके प्रमोटर मार्क डनलप द्वारा कूनी परिवार और उनकी मंगेतर एमालीन की ओर से प्रकाशित एक बयान में की गई। बयान में कहा गया, ''अपने जीवन के लिए एक सप्ताह तक संघर्ष करने के बाद जॉन कूनी का निधन हो गया।'' उल्स्टर हॉल में हॉवेल्स के साथ कूनी का मुकाबला नौवें दौर में रोक दिया गया था। बाद में कूनी की सर्जरी की गई थी।

रोहित शर्मा ने 16 महीने बाद लगाया वनडे शतक

गिल 60, कोहली 5 रन बनाकर आउट; दूसरे मैच में इंग्लैंड- 304/10

एजेंसी, कटक

कटक के बाराबटी स्टेडियम में भारतीय क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच दूसरा वनडे मैच खेला गया। पहला मुकाबला हार चुकी इंग्लैंड टीम के कप्तान जोस बटलर ने टॉस जीता और बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। इंग्लैंड की शुरुआत भी अच्छी रही और टॉप ऑर्डर में अच्छी बल्लेबाजी देखने को मिली। इंग्लैंड टीम 49.5 ओवर में 304 रन पर ढेर हो गई। जो रूट ने सबसे ज्यादा 69 रन बनाए। उनके अलावा बेन डकेट ने 65 और लियाम लिविंगस्टोन ने 41 रन बनाए। जोस बटलर ने 34 और हैरी ब्रूक ने 31 रन की पारी खेली।

वहीं, भारतीय गेंदबाजों ने शमी, पांड्या, राणा व चक्रवर्ती को एक-एक विकेट मिला। जडेजा ने 3 विकेट लिए।

रोहित शर्मा ने 90 गेंदों में बनाए 119 रन

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के ओपनर रोहित शर्मा गिल ने इंग्लैंड के गेंदबाजों पर अपना दबदबा बनाते हुए उनके गेंदबाजों की खूब पिटाई की। भारत की पहली विकेट 136 रन पर गिरी। गिल 60 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे विराट कोहली कुछ खास नहीं कर पाए और मात्र 5 रन पर चलते बने। रोहित शर्मा ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 16 माह शतक लगाया। रोहित 119 रन बनाकर आउट हो गए। खबर लिखे जाने पर भारत ने 31.1 ओवर में 232 बनाए लिए थे। एस अयर 31 और और अक्षर पटेल एक रन पर खेल रहे थे। इंडिया को मैच जीतने के लिए 19 ओवरों में 83 रन की जरूरत थी।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड	रन	गेंद	4/6
शॉल्ट क. जडेजा ब. चक्रवर्ती	26	29	2/1
डकेट क. पांड्या ब. जडेजा	65	56	10/0
रूट क. कोहली ब. जडेजा	69	72	6/0
ब्रुक क. गिल ब. राणा	21	52	3/0
बटलर क. गिल ब. पांड्या	34	35	2/0
लिविंगस्टोन (रन आउट)	41	32	2/2
ओवरटोन क. गिल ब. जडेजा	05	10	0/0
एटकिंसन ब. शमी	03	07	0/0
रासिद (रन आउट)	14	05	3/0
बुड (रन आउट)	00	01	0/0
महमूद (नाबाद)	00	01	0/0
अतिरिक्त	15		
कुल : (49.5 ओवर)	**304/10**		

विकेट पतन : 1-81, 2-102, 3-168, 4-219, 5-248, 6-258, 7-272, 8-297, 9-2304, 10-304.

गेंदबाजी : शमी 7.5-0-66-1, राणा 9-0-62-1, पांड्या 7-0-53-1, चक्रवर्ती 10-0-54-1, जडेजा 10-1-35-3, पटेल 6-0-32-0.

भारत	रन	गेंद	4/6
रोहित क. रासिद ब. लिविंगस्टन	119	90	12/7
गिल ब. ओवरटोन	60	52	9/1
कोहली क. सॉल्ट ब. रासिद	05	08	1/0
अय्यर (नाबाद)	32	32	3/1
पटेल (नाबाद)	07	10	1/0
अतिरिक्त	5		
कुल : (23 ओवर)	**172/2**		

विकेट पतन : 1-1136 2-150, 3-220.

गेंदबाजी : महमूद 5-0-32-0, एटकिंसन 5-0-48-0, बुड 8-0-57-0, रासिद 8-0-62-1, ओवरटोन 3-0-19-1

नेटवाल में हिमाचल की पुरुष टीम ने जीता कांस्य

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

देहरादून में चल रहे राष्ट्रीय खेलों में हिमाचल प्रदेश नेटवाल की पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। टीम खेलों में पदक जीतने वाली यह अभी तक की यह पहली पुरुष टीम है। इससे पहले हिमाचल प्रदेश से किसी भी खेल में पुरुष वर्ग की कोई भी टीम राष्ट्रीय खेलों में पदक तक का सफर तय नहीं कर पाई थी।

राष्ट्रीय खेलों में हिमाचल जैसे राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर सुविधाओं के अभाव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना अति कठिन कार्य है। टीम प्रबंधक डॉ. आशीष गुलेरिया ने बताया कि सीमित सुविधाओं के बाबजूद कप्तान दिनेश की टीम के हौंसले व टीम कोच जगजीवन की सूझ-बूझ ने हिमाचल को राष्ट्रीय खेलों में नेटवाल को कांस्य पदक तक पहुंचा दिया।

सीएम नीतीश ने लॉन बॉल में स्वर्ण जीतने पर बिहार की महिला टीम को दी बधाई

एजेंसी, पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों की लॉन बॉल महिला ट्रिपल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर बिहार की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा रविवार को जारी एक बयान में नीतीश ने कहा, ''25 वर्षों के बाद राष्ट्रीय खेलों में बिहार के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर बिहार की बेटियों ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''इस ऐतिहासिक जीत में बिहार की महिला टीम की खिलाड़ियों ने असाधारण कौशल, धैर्य और समर्पण का प्रदर्शन करते हुए लॉन बॉल में स्वर्ण पदक हासिल किया। इस ऐतिहासिक जीत पर पूरे बिहार को उन पर गर्व है। सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई।''

भारत के बाद चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड सबसे मजबूत टीम : आर अश्विन

एजेंसी, नई दिल्ली

महान स्पिनर आर अश्विन ने भारत और न्यूजीलैंड को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सबसे मजबूत टीमें करार देते हुए कहा कि मुख्य खिलाड़ियों के चोटिल होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया को हल्के में नहीं लिया जा सकता है क्योंकि बड़ी प्रतियोगिताओं में यह टीम अपने खेल के शीर्ष पर होती है। आईसीसी का यह प्रमुख टूर्नामेंट 19 फरवरी को पाकिस्तान में शुरू होगा, लेकिन भारत अपने सभी मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेलेगा।

अश्विन ने अपने 'यूट्यूब चैनल' पर कहा, ''भारत को दुबई में घरेलू माहौल जैसे मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा। भारत का सामना करने वाली टीमों को लगेगा कि वे भारतीय परिस्थितियों में ही खेल रहे हैं। यह निश्चित रूप से अन्य टीमों के लिए एक समस्या है।'' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई वर्षों के अंतराल के बाद त्रिकोणीय सीरीज की वापसी हुई और अश्विन का मानना है कि भारतीय टीम को भी चैंपियंस ट्रॉफी की बेहतर तैयारी के लिए इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज के बजाय त्रिकोणीय टूर्नामेंट में खेलना चाहिए था।

उन्होंने कहा, ''भारत ने इस बड़े टूर्नामेंट से पहले सिर्फ इंग्लैंड के खिलाफ खेला है। दुबई में पिछली बार टी20 विश्व कप को लेकर हमारे पास सुखद यादें नहीं हैं। दुबई में टॉस वास्तव में महत्वपूर्ण हो जाता है। मुझे लगता है कि टॉस जीतना महत्वपूर्ण होगा।'' अश्विन ने कहा कि ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी की गैर-मौजूदगी में भी न्यूजीलैंड भारत के लिए मुश्किल चुनौती पेश करेगा। उन्होंने कहा, ''भारत के बाद, न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे मजबूत टीमों में से एक है।

रोहित-बुमराह के साथ आईपीएल में खेलने से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा : रिकेलटन

एजेंसी, जोहानिसबर्ग

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और एसए20 में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटर रियान रिकेलटन इस साल आईपीएल में पदार्पण को लेकर उत्साहित हैं और उनका मानना है कि रोहित शर्मा तथा जसप्रीत बुमराह जैसे दिगगजों के साथ खेलकर उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। रिकेलटन ने कहा,''इस साल आईपीएल में पदार्पण को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। मैं हमेशा से आईपीएल खेलना चाहता था और मुंबई इंडियंस एक बेहतरीन टीम है। कुछ हफ्ते ही बचे हैं और मैं आईपीएल में खेलने का इंतजार कर रहा हूं।'' उन्होंने कहा,''रोहित, हार्दिक और जसप्रीत जैसे खिलाड़ियों के साथ खेलना मेरे लिए बहुत बड़ा मौका और सीखने का मंच होगा। मैं इसका इंतजार कर रहा हूं।''

महिला हैंडबॉल टीम ने क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

देश-विदेश में हैंडबॉल में हिमाचल प्रदेश नाम रोशन करने वाली महिला हैंडबॉल टीम ने नेशनल गेम्स में इतिहास रचते हुए अपने पूल के तीनों मैच एकतरफा मुकाबले में जीत कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हिमाचल प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव राजेश भंडारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश की महिला हैंडबॉल टीम ने अपने पूल का तीसरा मैच राज्यस्थान से एकतरफा मुकाबले में पराजित किया। हिमाचल प्रदेश महिला हैंडबॉल टीम ने रजयस्थान महिला हैंडबॉल टीम को 42-14 से पराजित किया। हिमाचल की तरफ से मेनिका पाल ने 6, गुलशन ने 4, जागृति ने 2, भावना शर्मा ने 8, शालिनी ठाकुर ने 5 मिताली शर्मा ने 4 गोल किए। हिमाचल प्रदेश की टीम क्वार्टर फाइनल मैच के 11 फरवरी को होगा। ओलंपिक संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र कंवर, सह सचिव डीडी तनवर, कोच स्नेहलता, मनोज ठाकुर, मैनेजर परवीन दुबे आदि ने खुशी व्यक्त की है तथा अगले मैचों के लिए शुभकामनाएं दीं।

यूपी वारियर्स ने दीप्ति शर्मा को बनाया कप्तान

एजेंसी, नई दिल्ली

यूपी वारियर्स ने रविवार को अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को डब्ल्यूपीएल 2025 के लिए कप्तान नियुक्त किया, क्योंकि नियमित कप्तान एलिसा हीली पैर की चोट के कारण लीग से बाहर हो गई हैं। वारियर्स को उम्मीद है कि दीप्ति डब्ल्यूपीएल 2024 में अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराएगी जिसमें उसने आठ पारियों में 136.57 के स्ट्राइक रेट और 98.33 की औसत से 295 रन बनाए थे।

दीप्ति ने अपनी ऑफ स्पिन से 7.23 की इकॉनमी रेट से 10 विकेट भी लिए थे। 27 वर्षीय दीप्ति को कप्तानी का भी अनुभव है, उन्होंने घरेलू मैचों में बंगाल और पूर्वी क्षेत्र का नेतृत्व किया है। दीप्ति ने डब्ल्यूपीएल से पहले महिला टी20 चैलेंज में वेलोसिटी का भी नेतृत्व किया था। डब्ल्यूपीएल में भी वह उत्तर प्रदेश की टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है, उसने 16 पारियों में 385 रन बनाए हैं और 19 विकेट लिए हैं।

हालांकि, वॉरियर्स को इस दौर की बेहतरीन महिला बल्लेबाज हीली की कमी खलेगी। डब्ल्यूपीएल में उन्होंने 17 मैचों में 428 रन बनाए हैं। वॉरियर्स ने इस सत्र के लिए हीली की जगह वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर चिनेल हेनरी को टीम में शामिल किया है।

फ्रीस्टाइल शतरंज : गुकेश क्वार्टर फाइनल में करुआना से भिड़ेंगे

एजेंसी, हैम्बर्ग (जर्मनी)

विश्व चैंपियन डी गुकेश दो बाजियों के क्वार्टर फाइनल में फाबियानो करुआना से भिड़ेंगे, क्योंकि अमेरिकी खिलाड़ी ने अनूठे प्रारूप वाले फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में मुकाबले के लिए भारतीय खिलाड़ी को चुना है। गुकेश ने 10 प्रतिभागियों के बीच आठवें स्थान पर रहते हुए नॉकआउट चरण में जगह बनाई। स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेदोसेव और अमेरिका के लेवोन अरोनियन नॉकआउट में जगह बनाने में नाकाम रहे। रेपिड शतरंज नियमों के तहत खेले गए राउंड रोबिन चरण के बाद फेदोसेव और अरोनियन अंतिम दो स्थान पर रहे थे।

फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने अंतिम दौर में शीर्ष पर चल रहे उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव को हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार राउंड रोबिन के बाद शीर्ष तीन खिलाड़ियों को क्वार्टर फाइनल में अपने विरोधियों को तय करने का अधिकार है।

फिरोजा ने अंतिम आठ में अपने प्रतिद्वंद्वी के रूप में जर्मनी के विन्सेंट केमर को चुना जबकि सिंदारोव ने अमेरिका के हिकारू नाकामुरा को चुनकर सभी को चौंका दिया। करुआना ने गुकेश को चुना। एक अन्य मुकाबला नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के बीच होगा।

करुणारत्ने ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी, दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को श्रीलंका के पूर्व कप्तान और सलामी बल्लेबाज दिमुथ करुणारत्ने की जमकर सराहना की, जिन्होंने गॉल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने 100वें टेस्ट के साथ ही अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया।

करुणारत्ने ने अपने विदाई टेस्ट में 36 और 14 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट से मैच जीतकर दो मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, ''दिमुथ का करियर बहुत अच्छा रहा है। उन्होंने खेल के पारंपरिक प्रारूप में एक बल्लेबाज के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और 100 टेस्ट खेलने वाले अपने देश के सातवें खिलाड़ी बने।''

छत्तीस साल के करुणारत्ने ने टेस्ट में लगभग 40 की औसत से 7222 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वाधिक स्कोर 244 रन रहा है। उन्होंने 50 एकदिवसीय में 1316 रन बनाये है। शाह ने कहा, ''उनकी प्रतिबद्धता अद्वितीय रही है और वह खेल के महान दूत रहे हैं। मुझे यकीन है कि दुनिया भर में टेस्ट क्रिकेट के प्रशंसक उन्हें याद करेंगे।''

शाह ने कहा, '' मैं आईसीसी की ओर से उन्हें उत्कृष्ट करियर के लिए बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है कि वह विभिन्न देशों में खेलने के अपने अनुभव का उपयोग करके आने वाले वर्षों में भी खेल में योगदान देना जारी रखेंगे।'' इस बल्लेबाज ने 2011 में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया।

क्रिकेट | **ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को नौ विकेट से हराकर किया क्लीन स्वीप**

ऑस्ट्रेलिया ने 14 साल बाद श्रीलंका में जीती टेस्ट सीरीज

एजेंसी, गॉल (श्रीलंका)

ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरा टेस्ट नौ विकेट से जीतकर दो मैच की सीरीज में श्रीलंका का 2-0 से सूपड़ा साफ किया। श्रीलंका के 75 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मार्नस लाबुशेन (नाबाद 26) ने चौथे दिन लंच से 15 मिनट पहले दिमुथ करुणारत्ने की गेंद को मिड विकेट पर एक रन के लिए खेलकर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर एक विकेट पर 75 रन पर पहुंचाकर टीम को जीत दिलाई। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा 27 रन बनाकर नाबाद रहे।

ऑस्ट्रेलिया ने 2011 से श्रीलंका में पहली बार टेस्ट सीरीज जीती है। टीम ने तब रिकी पोंटिंग की अगुवाई में श्रीलंका को 1-0 से हराया था। ऑस्ट्रेलिया को 2016 में स्टीव स्मिथ की कप्तानी में श्रीलंका में 3-0 से क्लीनस्वीप का सामना करना पड़ा जबकि

2022 में सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही। पैट कमिंस की जगह कप्तानी कर रहे स्मिथ ने इस तरह सीरीज जीतकर राहत की सांस ली होगी।

श्रीलंका ने दिन की शुरुआत आठ विकेट पर 211 रन और सिर्फ 54 रन की बढ़त के साथ की। उपकप्तान कुसाल मेंडिस ने नाथन लियोन की गेंद को डीप कवर में खेलकर मैच का अपना दूसरा अर्द्धशतक पूरा किया, लेकिन इसी ओवर में शॉर्ट स्क्वायर लेग पर स्मिथ को कैच दे बैठे। यह स्मिथ का टेस्ट क्रिकेट में 200वां कैच था। उनसे पहले सिर्फ चार खिलाड़ियों जाक कैलिस, महेला जयवर्धने, राहुल द्रविड़ और जो रूट ने यह उपलब्धि हासिल की है। ब्यू वेबस्टर ने लाहिरू कुमारा (9) को बोल्ड करके श्रीलंका की पारी का अंत किया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैथ्यू कुहनेमैन ने 63, जबकि लियोन ने 84 रन देकर चार-चार विकेट चटकाए।

श्रीलंका के 75 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रेविस हेड (20) और ख्वाजा ने सात ओवर में 38 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत की। प्रबाथ जयसूर्या ने हेड को पवेलियन भेजा लेकिन ख्वाजा ने लाबुशेन के साथ 37 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया की यह लगातार चौथी टेस्ट जीत और श्रीलंका की लगातार चौथी हार है।